गुरुवार

27 जून 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

सहेली के साथ छत पर बना रही थी रील्स, तभी गिरा ठनका, बाल-बाल बची जान

2

1975 में कांग्रेस सरकार ने आपातकाल लगा नागरिकों के अधिकारों का दमन किया: स्पीकर

- ओम बिरला दूसरी बार बने लोकसभा के स्पीकर
- सदन में ध्वनिमत से बिरला के नाम का प्रस्ताव स्वीकार हुआ

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा में स्पीकर के पद के लिए ओम बिरला को चुन लिया गया है। उनका चुनाव ध्वनिमत के जरिए हुआ। एनडीए के पास लोकसभा में 293 सांसद हैं। विपक्ष के पास कम से कम 236 सांसद हैं। ऐसे में ओम बिरला का नाम चुना जाना स्वाभाविक था। प्रधानमंत्री मोदी ने सदन में ओम बिरला के नाम का प्रस्ताव पेश किया था जिसके बाद प्रोटेम स्पीकर ने ध्वनि मत से उनका चुनाव किया। लगातार दूसरी बार स्पीकर चुने जाने के बाद ओम बिरला ने स्पीकर पद की कुर्सी संभाल ली है। इस दौरान पीएम मोदी और सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उनका स्वागत किया। स्पीकर पद पर बैठने के बाद ओम बिरला ने अपने संबोधन में आपातकाल की बरसी का जिक्र किया और इसकी निंदा की। इसे देश के इतिहास का एक काला अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने आपातकाल के दौर में ऐसे कई काम किये, जिन्होंने संविधान की भावनाओं को कुचलने का काम किया, लेकिन हम संविधान की रक्षा की भावना को दोहराते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, हम, उन सभी लोगों की संकल्पशक्ति की सराहना करते हैं, जिन्होंने इमरजेंसी का पुरजोर विरोध किया। कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए इन संशोधनों का लक्ष्य था कि सारी शक्तियां एक व्यक्ति के पास आ जाएं, न्यायपालिका पर नियंत्रण हो और संविधान के मूल सिद्धांत खत्म किए जा सकें। ऐसा करके नागरिकों के अधिकारों का दमन किया गया और लोकतंत्र के सिद्धांतों पर आघात किया गया।

कांग्रेस पर प्रहार करते हुए ओम बिरला ने कहा, इमरजेंसी के दौरान लोगों को कांग्रेस सरकार द्वारा जबरन थोपी गई अनिवार्य नसबंदी का, शहरों में अतिक्रमण हटाने के नाम पर की गई मनमानी का और सरकार की कुनीतियों का प्रहार झेलना पड़ा। ये सदन उन सभी लोगों के प्रति संवेदना जताना चाहता है। 1975 से 1977 का वो काला कालखंड अपने आप में एक ऐसा कालखंड है, जो हमें संविधान के सिद्धांतों, संघीय ढांचे और न्यायिक स्वतंत्रता के महत्व की याद दिलाता है। ये कालखंड हमें याद दिलाता है कि कैसे उस समय इन सभी पर हमला किया गया और क्यों इनकी रक्षा आवश्यक है।

18वीं लोकसभा संविधान की रक्षा करने की प्रतिबद्धता दोहराती है

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, इमरजेंसी अपने साथ असामाजिक और तानाशाही की भावना से भरी भयंकर कुनीतियां लेकर आई। जब हम आपातकाल के 50वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, ये 18वीं लोकसभा, बाबा साहब आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान को बनाए रखने, इसकी रक्षा करने और इसे संरक्षित रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है। मीडिया को सच लिखने से रोकने के लिए पार्लियामेंट्री प्रोसिडिंग्स रिपील एक्ट, प्रेस काउंसिल एक्ट और प्रिवेन्शन ऑफ पब्लिकेशन ऑफ ऑब्जेक्शनेबल मैटर एक्ट लाए गए।

राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष का नेता चुना गया

नई दिल्ली। लंबे अंतराल के बाद लोकसभा में विपक्ष को नेता मिल गया है। राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष का नेता नियुक्त किया गया है। यह निर्णय मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर इंडिया ब्लॉक के फ्लोर नेताओं की बैठक में लिया गया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद 1980, 1989, और 2014 से 2024 तक खाली रहा है। नियमों के अनुसार, नेता प्रतिपक्ष बनने के लिए किसी भी विपक्षी पार्टी के पास लोकसभा की कुल संख्या का 10 फीसदी, यानी 54 सांसद होना आवश्यक है। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में किसी भी विपक्षी पार्टी के पास 54 सांसद नहीं थे। अंतिम बार दिवंगत बीजेपी नेता सुषमा स्वराज 2009 से 2014 तक नेता प्रतिपक्ष रही थीं। इस बार कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के तहत चुनाव लड़कर 99 सीटें जीती हैं। राहुल गांधी को विपक्ष का नेता बनने के साथ ही कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त होगा। इससे उनकी प्रोटोकॉल सूची में स्थिति बढ़ेगी और वे भविष्य में प्रधानमंत्री पद के स्वाभाविक दावेदार हो सकते हैं। यह पहली बार होगा जब राहुल गांधी अपने राजनीतिक करियर में कोई संवैधानिक पद संभालेंगे। लोकसभा के विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी अब लोकपाल, सीबीआई प्रमुख, मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य महत्वपूर्ण नियुक्तियों के पैनल के सदस्य होंगे।

जांच के घेरे में नीट परीक्षा: सीबीआई स्पेशल कोर्ट में हुई मामले की सुनवाई

नीट पेपर लीक कांड के दो आरोपियों को सीबीआई कोर्ट ने रिमांड पर भेजा

- गिरफ्तार आरोपियों ने नीट सेटिंग गेटिंग में शामिल कुछ लोगों के बताए हैं नाम
- पेपर लीक मामले में अब तक 13 आरोपी बिहार से और 6 झारखंड के देवघर से किए गए हैं गिरफ्तार

केटी न्यूज/नई दिल्ली

नीट पेपर लीक मामले में बुधवार को सीबीआई स्पेशल कोर्ट में सुनवाई की। कोर्ट ने पेपर लीक के आरोपी चिंटू कुमार और मुकेश कुमार को 3 दिन की सीबीआई रिमांड पर भेजा है। गिरफ्तार चिंटू कुमार ने पूछताछ के दौरान बिहार पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस यूनिट के सामने कई अहम खुलासे किए हैं। उसने नीट सेटिंग में शामिल कुछ लोगों के नाम बताए हैं। अब सीबीआई इनसे आगे की पूछताछ रिमांड पर लेके करेगी। बता दें पेपर लीक मामले में अब तक 13 आरोपी बिहार से और 6 झारखंड के देवघर से गिरफ्तार किए गए हैं।

दरअसल, सीबीआई ने मंगलवार को ही विशेष अदालत में दो अर्जी दाखिल की थीं। एक अर्जी पेपर लीक मामले में जेल में बंद आरोपियों की पेशी के लिए थी और दूसरी जेल में बंद आरोपियों की पुलिस रिमांड के लिए थी। मामले में सुनवाई करते हुए विशेष अदालत ने सीबीआई को दो आरोपियों की रिमांड सौंप दी है। आरोपी चिंटू ने बिहार पुलिस को बताया था कि उसने पटना के खेमनी चक स्थित लर्न एंड प्ले स्कूल में 35 छात्रों को पेपर रटवाने का काम किया था। साथ ही 10 से 12 कॉपियां वाई फाई प्रिंटर के जरिए प्रिंट कराई थीं। जांच एजेंसी का कहना है कि कहीं, पूरे पेपर लीक की घटना एक ही राज्य से तो नहीं जुड़ी है। उइकका मानना है कि पेपर लीक से संबंधित ज्यादा से ज्यादा घटना बिहार से निकलकर सामने आ रही हैं।

करीब 20 हजार छात्रों ने दायर की हैं याचिकाएं

देशभर में नीट यूजी 2024 में गड़बड़ियों को लेकर अलग-अलग राज्यों में लगभग 20 हजार छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की हैं। एनटीए ने 14 जून को देश के 7 अलग-अलग हाईकोर्ट में लगी याचिकाओं की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर किए जाने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट में 8 जुलाई को सुनवाई होनी है।

हजारीबाग के ओएसिस स्कूल के प्राचार्य सहित दो लोग सीबीआई हिरासत में, हो रही पूछताछ

एजेंसी/हजारीबाग

नीट यूजी परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक मामले की जांच के लिए सीबीआई की टीम हजारीबाग पहुंची। सीबीआई नीट पेपर लीक मामले में ओएसिस स्कूल के प्राचार्य एहसानुल हक सहित दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। दो दिन पहले इसी स्कूल के प्राचार्य और एग्जाम के सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ एहसान उल हक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि ओएसिस स्कूल में नीट का पेपर लीक नहीं हुआ है। उन्होंने यह आशंका जाहिर की थी कि ब्लू डार्ट कूरियर के हजारीबाग सेंटर से एसबीआई ब्रांच पहुंचने के दौरान एसओपी का पालन नहीं किया गया था। ऐसे में इसी बीच पेपर में किसी तरह की छेड़छाड़ हुई हो।

सीबीआई ने ब्लू डार्ट नामक कूरियर कंपनी के हजारीबाग स्थित लोकेशन का भी जायजा लिया है। पेपर लीक मामले में पटना से परीक्षा का एक अधजला प्रश्न पत्र बरामद हुआ था। जानकारी के मुताबिक इस प्रश्न पत्र के सीरियल नंबर की जांच से पता चला कि यह हजारीबाग के मंडई रोड में ओएसिस स्कूल स्थित एग्जाम सेंटर का है। इसी स्कूल के प्रिंसिपल एहसान उल हक नीट यूजी परीक्षा के लिए एनटीए की ओर से सिटी कोऑर्डिनेटर नियुक्त किए गए थे। उन्हें शहर के चार परीक्षा केंद्रों पर प्रश्न पत्र पहुंचवाने और नियमों के अनुसार परीक्षा संपन्न कराने की जिम्मेदारी दी गई थी।

सीबीआई ने एसबीआई ब्रांच का सीसीटीवी फुटेज खंगाला

सीबीआई की टीम ने बुधवार को एसबीआई के हजारीबाग स्थित उस ब्रांच के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले हैं, जहां प्रश्न पत्र रखे गए थे। यहां के अफसरों से भी पूछताछ की जा रही है। इसके पहले बिहार ईओयू की जांच में यह बात सामने आई थी कि हजारीबाग में प्रश्न पत्र कूरियर कंपनी के एक रिमोट एरिया स्थित सेंटर पर पहुंचे थे और इसके बाद प्रश्न पत्रों के ट्रंक बैंक तक ई-रिक्शा से पहुंचाए गए थे। बैंक में भी प्रश्न पत्रों को रिसीव करने से लेकर उनके रखरखाव में लापरवाही की बात कही जा रही है। सूचना है कि सीबीआई की टीम जल्द ही रांची और देवघर भी पहुंच सकती है। ईओयू की जांच में यह बात सामने आई है कि प्रश्न पत्रों को सॉल्व करने वाला गैंग रांची से ही ऑपरेट किया जा रहा था।

सीएम केजरीवाल तीन दिन की सीबीआई रिमांड पर भेजे गए

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली शराब घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तीन दिनों की सीबीआई रिमांड में भेज दिया है। सीबीआई ने कोर्ट में केजरीवाल को पेश करके पांच दिन की कस्टडी मांगी थी। इस मामले में अगली सुनवाई 29 जून को होगी। केजरीवाल को सीबीआई ने बुधवार सुबह गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया, जहां सुनवाई के दौरान सीबीआई ने आरोप लगाया कि जिस कैबिनेट ने नई आबकारी नीति को मंजूरी दी थी, उसका ना महज अरविंद केजरीवाल हिस्सा थे, बल्कि उन्होंने इस घोटाले में अहम भूमिका भी निभाई थी

सीबीआई ने कहा कि वो केजरीवाल और मनीष सिसोदिया का आमना-सामना कराकर पूछताछ करना चाहते हैं, जिसे देखते हुए उनकी हिरासत जरूरी है। इसके अलावा, सीबीआई ने दावा किया कि जांच जारी है, जुलाई तक पूरी हो जाएगी। वहीं, सीबीआई ने दावा किया कि केजरीवाल ने मनीष सिसोदिया पर सारा दोष मढ़ा है, लेकिन केजरीवाल ने अदालत में कहा कि उन्होंने सिसोदिया को निर्दोष बताया है। उन्होंने सिसोदिया पर इस मामले में किसी भी प्रकार का आरोप नहीं लगाया।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकी मार गिराए

- डोडा जिले के वन क्षेत्र में कई घंटे चला एनकाउंटर
- मारे गए आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

एजेंसी/जम्मू

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के एक वन क्षेत्र में बुधवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच कई घंटे चले एनकाउंटर में 3 आतंकी मार गिराए गए हैं। मारे गए आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। डोडा में चले इस मुठभेड़ में सुबह ही एक आतंकवादी मारा गया था। मारे गए तीनों आतंकवादी पाकिस्तानी नागरिक हैं।

पुलिस अधिकारियों की ओर से जानकारी दी गई कि केंद्र शासित प्रदेश के पहाड़ी जिले में 11 और 12 जून को हुए डबल टेरर अटैक के बाद पुलिस, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की ओर से गहन तलाशी और घेराबंदी अभियान चलाया जा रहा था। इसी सर्च ऑपरेशन के दौरान बुधवार सुबह करीब 10 बजे गंडोह क्षेत्र के बजाद गांव में फायरिंग शुरू हो गई।

एके 47 राइफल भी बरामद: जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि डोडा जिले के गंडोह, भद्रवाह सेक्टर में चल रहे ज्वाइंट ऑपरेशन में मारे गए आतंकवादियों के पास से 2 एम4 और एक एके 47 राइफल बरामद हुआ है। घाटी में हुए इस डबल टेरट अटैक के बाद से ही सुरक्षाबलों की ओर से आतंकवाद विरोधी अभियान तेज कर दिया गया। साथ ही उन 4 आतंकवादियों पर पांच-पांच लाख रुपये का नकद इनाम भी घोषित कर दिया गया था जिनके बारे में दावा किया जा रहा था कि वे घुसपैठ के बाद जिले में सक्रिय हैं। पुलिस अधिकारी की ओर से दिन में जानकारी दी गई कि सुरक्षाबलों की मदद से पुलिस ने सिनू पंचायत गांव में आंतकवादियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन एक ढोक यानी मिट्टी के घर में छिपे आतंकवादियों की ओर से भारी फायरिंग शुरू कर दी गई थी।

मोतिहारी में जिला परिषद सदस्य की गोली मारकर हत्या, आक्रोश

केटी न्यूज/पटना

मोतिहारी में बेखौफ अपराधियों ने जिला परिषद सदस्य व चांदमारी सोसायटी कम्प्लेक्स के सचिव सुरेश यादव को गोली मारकर हत्या कर दी। सुरेश यादव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी स्थानीय थाना को दी। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और छानबीन में जुटी गई। यह घटना नगर थाना क्षेत्र के चांदमारी गुमटी के पास की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मोटरसाइकिल सवार तीन अपराधियो ने इस घटना को अंजाम दिया है। घटना के बाद अपराधी रामशरण द्वार होते हुए चांदमारी मोहल्ले में भाग गये। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि सुरेश यादव रोज की तरह सोसाइटी ऑफिस से निकल कर अपनी गाड़ी में बैठने जा रहे थे, तभी पहले से घात लगाए तीन अपराधियों में से एक अपराधी ने सुरेश यादव को दनादन तीन गोली दाग दी।

चलती ट्रेन में मसौढ़ी के जमीन कारोबारी की हत्या

केटी न्यूज/पटना

मसौढ़ी के एक जमीन कारोबारी की चलती ट्रेन में गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना पटना-गया रेलखंड पर हुई। बताया जा रहा है कि प्रॉपर्टी में विवाद के चलते यह हत्या हुई है। जिस वक्त इस वारदात को अंजाम दिया गया, उस वक्त जगदीश सिंह उर्फ भोला शर्मा पटना से अपने घर मसौढ़ी लौट रहे थे। लौटने के लिए उन्होंने पटना से गया जाने वाली मेमू ट्रेन में टिकट लिया और उस पर सवार हो गए। लेकिन पोठही और नदवां स्टेशन के बीच नीमा हॉल्ट के पास मौत उनका इंतजार कर रही थी। नीमा हॉल्ट से ही हत्यारे ट्रेन पर चढ़ गए। ऐसा लग रहा है कि हत्यारों को कोई शख्स भोला शर्मा के बारे में पल-पल के मूवमेंट की खबर दे रहा था।

अपराधियों ने ट्रेन में घुसने के बाद भोला शर्मा को ढूंढना शुरू किया। इसी बीच भोला शर्मा पर हत्यारों की नजर पड़ गई। इसके बाद अपराधियों ने उन पर गोलियां दाग दीं। उधर गोली चलते ही ट्रेन में भगदड़ मच गई। उधर गोली लगने से भोला शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ट्रेन में अफरा-तफरी का फायदा उठा हत्यारे नदवां स्टेशन पर उतर कर फरार हो गए।

भोला शर्मा मसौढ़ी के दहीभत्ता गांव के रहने वाले थे। उनकी उम्र करीब 66 साल थी। वो प्रॉपटी डीलिंग का काम भी करते थे। पुलिस ने बताया कि 11 जून को भी भोला शर्मा पर हमला हुआ था। उस समय अज्ञात अपराधियों ने उन पर तीन राउंड फायरिंग की थी। एक गोली उनके हाथ में लगी थी। तब भोला शर्मा ने अपने बड़े भाई चंद्रभूषण शर्मा पर जमीन विवाद में जान से मारने की कोशिश का आरोप लगाया था।

आपातकाल पर निंदा प्रस्ताव के लिए सीएम योगी ने लोकसभा अध्यक्ष का जताया आभार

कांग्रेस में चेहरे बदले हैं, चरित्र आज भी अधिनायकवादी : योगी

केटी न्यूज/लखनऊ

संसद में आपातकाल के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला की ओर से पढ़े गये निंदा प्रस्ताव का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समर्थन किया है। उन्होंने इसके लिए लोकसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश की वर्तमान पीढ़ी को ये जानने का अधिकार है कि कांग्रेस ने आजादी के बाद लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ किस प्रकार का बर्ताव किया था। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस में आज भले ही चेहरे बदल गये हों, मगर इसका चरित्र अधिनायकवादी और तानाशाही पूर्ण है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार शाम अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

इंदिरा गांधी ने घोंटा था संविधान का गला : उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने आपातकाल के विरोध में एक निंदा प्रस्ताव पढ़ा है, इसके लिए उनका हृदय से अभिनंदन। हम सब जानते हैं कि 25 जून 1975 की मध्य रात्रि में तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व की सरकार ने इंदिरा गांधी के नेतृत्व में उस संविधान का गला घोंटने का कार्य किया था, जिसकी शपथ लेकर वह देश की पीएम बनी थीं। ये देश के लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास था। कांग्रेस के इस काले कारनामों को जनता तक पहुंचाना आवश्यक है। आज भारत की संसद ने वही कार्य किया है।

संसद में निंदा प्रस्ताव पढ़ा जाना एक साहसिक कदम

लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक संस्थाओं पर कांग्रेस का आज भी विश्वास नहीं है। भारत की हर संवैधानिक संस्था को कटघरे में खड़ा करना, विदेशों में भारत के लोकतंत्र और चुनावी प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न खड़ा करना इनकी फितरत है। इन्होंने 75 बार संविधान में संशोधन किये। अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करते हुए 90 बार लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकारों को बर्खास्त करने का कार्य किया है। देश की अखंडता के साथ खिलवाड़ किया है। इनके काले कारनामे की फेहरिस्त में आपातकाल भी आता है। वर्तमान पीढ़ी को इनके काले कारनामों से अवगत कराने के लिए ये निंदा प्रस्ताव पढ़ा गया है। ये एक साहसिक कदम है, जिसके लिए ओम बिड़ला जी अभिनंदन के पात्र हैं।

सहेली के साथ छत पर बना रही थी रील्स, तभी गिरा ठनका, बाल-बाल बची जान

- लड़की का रील बनाने का वीडियों हुआ वायरल
- अबिजली लड़की के पड़ोसी देवनारायण भगत के छत पर गिरी

केटी न्यूज/सीतामढ़ी

जब से फोर जी-फाइव जी नेटवर्क के साथ-साथ स्मार्ट फोन ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी तब से हरेक व्यक्ति के हाथ में हाई स्पीड डेटा के साथ स्मार्ट फोन रहने लगा है। मोबाइल की तरह लोग भी अब स्मार्ट हो गये हैं। हर काम अब मोबाइल के माध्यम से ही करते हैं। अब तो लोग रील्स और शॉर्ट वीडियो बनाकर इसी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपलोड करते हैं ताकि लाइक, शेयर और सब्सक्राइबर बढ़े ज्यादा से ज्यादा लोगों तक उनका यह वीडियो पहुंचे। जिनके हाथ में स्मार्ट फोन है वो रील्स बनाते नजर आता है। रील्स बनाने का क्रेज इन दिनों काफी बढ़ गया है। रील्स बनाने के चक्कर में कभी-कभी जान भी चली जाती है। जान हथेली पर डालकर कुछ लोग रील्स बनाते हैं। अब बात सीतामढ़ी की करते हैं जहां बारिश के दौरान मकान के छत पर रील्स बना रही लड़की की जान जाते-जाते बच गयी। वो ऊपर वाले की कृपा थी कि लड़की बच गई नहीं तो उसकी मौत हो जाती। अब वो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है दरअसल बारिश में भीगकर लड़की घर के छत पर रील्स बना रही थी। तभी आसमान से बिजली गिरी लड़की किसी तरह वहां से भागी

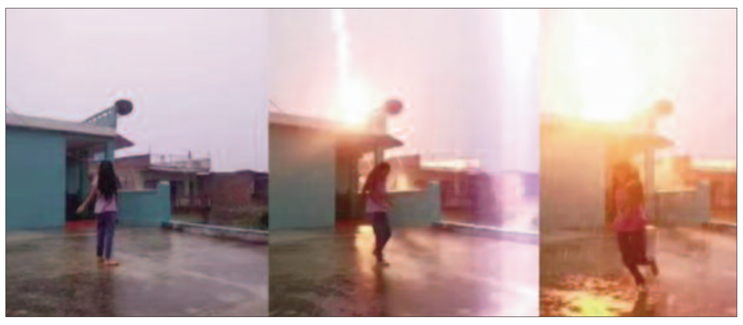

जिसके कारण उसकी जान बच गयी। ठनका गिरने का वीडियो लड़की के मोबाइल में कैप्चर हो गया। जिसे देखकर आप भी हैरान हो जाएंगे। आपके मुंह से यही निकलेगा कि लड़की बहुत भाग्य से बची है। मामला सीतामढ़ी जिले के बेला थाना क्षेत्र के सिरसिया गांव की है जहां एक लड़की बारिश में भींगकर छत पर डांस कर रही थी और रील्स बना रही थी। इसी दौरान आसमान से बिजली गिरी और लड़की वहां से भागने लगी। उसकी किस्मत अच्छी थी कि उसे कुछ नहीं हुआ। वो बाल-बाल बच गई। लड़की अपने फ्रेंड के साथ छत पर रिल्स रिकॉर्ड करवा रही थी। तभी लड़की से कुछ दूरी पर ठनका गिरा। लड़की का नाम सानिया है जो मुखिया राघवेन्द्र भगत उर्फ कमाल भगत की बेटी है। बिजली लड़की के पड़ोसी देवनारायण भगत के छत पर गिरी। बिजली गिरने का पूरा दृश्य मोबाइल में रिकॉर्ड हो गया। बता दें कि सीतामढ़ी जिले में आज बुधवार को बारिश हो रही है। मानसून की बारिश में भी लोग रील्स बनाने में पीछे नहीं रहते हैं। संयोग अच्छा था कि सानिया के घर के बगल वाले छत पर ठनका गिरा नहीं तो बड़ी घटना हो जाती। ऊपर वाले ने उसे बाल-बाल बचा लिया। अब शायद ही वो बरसात में रील्स बनाने की कभी सोचेगी। बारिश और तेज आंधी तूफान को लेकर मौसम विभाग भी अलर्ट करता रहता है कि बारिश के दौरान लोग घर के बाहर ना निकले और खुले आसमान के नीचे ना आए।

29 जून को होगी जेडीयू राष्ट्रीय कार्यकारणी की अहम बैठक, कई बड़े फैसले की उम्मीद

केटी न्यूज/पटना

जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की तैयारी अंतिम चरण में है। इसमें शामिल होने के लिए पार्टी के संबंधित नेताओं को संदेश भेजा जा चुका है। मुख्यमंत्री सह जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार की अध्यक्षता में 29 जून को दिल्ली में यह बैठक होनी है। जदयू की बैठक में केंद्र और राज्य सरकार में पार्टी के तमाम मंत्रीगण, लोकसभा और राज्यसभा के सांसद, सभी प्रदेशों के अध्यक्ष समेत राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य शामिल होंगे जिनकी संख्या करीब सौ रहेगी। लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद हो रही इस बैठक में कई अहम निर्णय लिये जाने की उम्मीद है। चुनाव में पार्टी का बेहतर प्रदर्शन रहा है। जदयू के 12 सांसद जीत कर आये हैं। बैठक में भाग लेने के लिए पार्टी के सभी नेता 28 जून तक दिल्ली पहुंच जाएंगे। उधर, लोकसभा चुनाव में बिहार की बात करें तो एनडीए को 9 सीटों का नुकसान हुआ। जदयू को चार सीटें गंवानी पड़ी। और 12 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इसमें कार्यकारिणी में संगठन विस्तार, पार्टी को मजबूत करने, बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा, विधानसभा चुनाव से जुड़े प्रस्ताव लाए जा सकते हैं।

मनियारी थाना क्षेत्र के मारीपुर की घटना, घर लौटने के क्रम में अपराधियों ने किया हमला

मुजफ्फरपुर में बेखौफ अपराधियों ने चाकू से गोदकर पत्रकार की कर दी हत्या, आक्रोश

- चाकू के हमले में गंभीर रूप से घायल पत्रकार ने अस्तपाल में तोडा दम, घटना की जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/पटना

मुजफ्फरपुर में अपराधियों के हौसले दिन प्रति दिन बढ़ते जा रहे है। मंगलवार की देर रात बेखौफ अपराधियों ने एक पत्रकार की चाकुओं से गोद कर उनकी हत्या कर दी। यह घटना उनके घर के पास ही हुई है। घटना मनियारी थाना क्षेत्र के मारीपुर की है। मृतक पत्रकार की पहचान शिवशंकर झा के रूप में की गई है। घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि मंगलवार की देर रात शिवशंकर झा अपने घर की ओर लौट रहे थे, तभी अचानक अज्ञात अपराधियों ने उन्हें घेर लिया और उन पर चाकु से हमला कर दिया। इससे पहले कि वह संभलते, तबतक अपराधियों ने उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना को देखकर स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पत्रकार शिवशंकर झा को घटनास्थल से उठाकर एसकेएमसीएच

पहुंचाया, जहां डाक्टरों की टीम ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलने पर उनके घरवाले भी अस्पताल पहुंचे, जिसके बाद पूरा अस्पताल परिसर परिजनों की चीख पुकार से गूंजने लगा। वही घटना को लेकर पत्रकार में आक्रोश व्याप्त है। पुलिस का कहना है कि घटना की जानकारी मिली कि एक व्यक्ति को अपराधियों ने चाकु से हमला करके घायल कर दिया गया है। जिसके बाद वो लोग वहां पहुंचे और घायल शख्स को अस्पताल लाए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने यह भी बताया कि बाद में पता चला कि मृतक पत्रकार शिवशंकर झा हैं। घटना के बाद पुलिस आगे कि जांच में जुट गई है।

बोले डिप्टी सीएम विजय सिन्हा... यह एनडीए का शासनकाल है, यहां कोई भी अपराधी बचेगा नहीं

केटी न्यूज/पटना

मुजफ्फरपुर में पत्रकार हत्याकांड को लेकर विपक्ष ने एनडीए सरकार को घेरा था। इसके बाद डिप्टी सीएम विजय सिन्हा मुजफ्फपुर पहुंचे। वहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि हमारी सरकार कार्रवाई करने वाली सरकार हत्या है। अब अपराधी को संरक्षण देने वाले को बक्शा नहीं जाएगा। अपराधियो का एनकाउंटर होगा। बिहार में इसकी शुरूआत मुजफरपुर से हुई है। यह राजद का काम नहीं है। एनडीए में कोई भी अपराधी बचेंगे नही। डिप्टी सीएम ने कहा कि यह मुजफ्फरपुर की धरती है। अपराधी का एनकाउंटर करती है और यह गूंज अपराधी के कानों तक सुनाई देती है। अब 2005 के पहले वाली बात नहीं है। अब अपराधी को संरक्षण नहीं दिया जाता है। हमारी एनडीए की सरकार पूरी तरह से सजग और गंभीर है कोई भी अपराधी को बख्शा नहीं

जाएगा। इस मामले को हमारी सरकार बहुत ही गम्भीरता से ले रही है। कोई भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं पत्रकार हत्याकांड के बारे में उन्होंने कहा कि पुलिस को इस मामले में अवगत कराया गया है। इसके साथ साथ ही मामले में करेगी एसआईटी का गठन। हत्या के मामले में दो लोगो को पकड़ा गया है और ऐसे लोगों को किसी भी तरह से बक्शा नहीं जायेगा। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने फिर से कहा कि बिहार में अपराधी अब पकड़े नहीं जाते हैं बल्कि एनकाउंटर किया जाता है।

पोस्टल विभाग में जाली सर्टिफिकेट पर नौकरी पाने वाले 19 कर्मी सेवा से मुक्त, जांच के बाद हुआ एक्शन

केटी न्यूज/पटना

पोस्टल विभाग में फर्जी बहाली का मामला सामने आया है। जांच के बाद पूर्वी चंपारण में 19 फर्जी सर्टिफिकेट पर नौकरी कर रहे कर्मचारियों को सरकारी नौकरी से वंचित कर दिया है। पोस्टल विभाग में नए बहाल डाककर्मी के सर्टिफिकेट की जांच कराई गई तो 19 कर्मियों के सर्टिफिकेट फर्जी निकले हैं। जिसमें 16 कर्मी जम्मू कश्मीर और 3 ने प. बंगाल से अपना सर्टिफिकेट बनवाए थे। सबसे खास बात यह रही कि जम्मू कश्मीर से प्रमाणपत्र लाये सभी अभ्यर्थियों का एक ही अंक 495 अंकित था। डाक अधीक्षक डॉक्टर आशुतोष आदित्य ने बताया कि पूर्वी चंपारण में एक बड़ा रैकेट काम कर रहा है, जो फर्जी सर्टिफिकेट लाकर पोस्टल विभाग में लोगों की नौकरी लगाता है। उनके सर्टिफिकेट की जांच की गई है। फर्जी सर्टिफिकेट पर नौकरी हासिल करने वाले लोगों के खिलाफ विभिन्न थानों में केस दर्ज कराया गया है और 19 डाक कर्मियों को सेवा से मुक्त कर दिया गया है। वहीं और भी डाक कर्मियों की जांच की जा रही है। जो लोग भी इसमें संलिप्ता होंगे उन पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि अन्य जगहों पर भी जांच चल रही है। जांच के दौरान जो भी गलत पाये जाएंगे। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके विभाग सख्त है।

पेड़ से लटका मिला युवक-युवती का शव, शादीशुदा का पड़ोसी से चल रहा था अफेयर

केटी न्यूज/पटना

हाजीपुर में एक साथ दो शव मिलने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। आम के बगीचे में पति-पत्नी का शव मिलने के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। दोनों ने डेढ़ साल पहले घर से भागकर प्रेम विवाह किया था। ग्रामीणों ने दोनों की हत्या कर शव को पेड़ से लटकाने की आशंका जताई है। घटना देसरी थाना क्षेत्र के खोखसा कल्याण गांव की है। मृतक दंपति की पहचान लखनपुर लार गांव के रहने वाले शिवनारायण मांझी के बेटे अजीत कुमार और फटिकवारा गांव निवासी अनिल मांझी की बेटी सोनी कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों करीब डेढ साल पहले गांव से फरार हो गए थे और कुछ दिनों के बाद दोनों वापस लौट आए थे। इससे 6 महीना पहले सोनी की शादी समस्तीपुर के रहने वाले

युवक से हुई थी और उसकी एक बेटी भी है। मृतका सोनी पिछले 6 महीने से अपने मायके में ही रह रही थी। सोनी का घर अजीत के घर से सामने है। दोनों के बीच काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। अजीत राजमिस्त्री का काम करता था। बुधवार की सुबह ग्रामीण जब बगीचे की तरफ गए तो दोनों का शव आम के पेड़ से फांसी के फंदे से लटका पाया। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों द्वारा घटना की जानकारी दिए जाने बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस प्रथम दृष्ट्या इसे आत्महत्या मान रही है हालां कि ग्रामीणों का कहना है कि दोनों की हत्या करने के बाद शव को पेड़ से लटका दिया गया है। एक ही दुपट्टे में दोनों का गर्दन लटकाया गया है। फिलहाल पुलिस ने सभी बिंदुओं पर अपनी जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रेम प्रसंग में फांसी लगाकर आत्महत्या करने की बात कह रही है। जबकि, ग्रामीण सूत्रों के मुताबिक दोनों की हत्या करके शव को टांग दिया गया है।

गया में कैदी की मौत पर बवाल, सड़क पर शव रखकर किया हंगामा

पटना । गया में कैदी की मौत पर खूब बवाल हुआ। पहले आक्रोशित लोगों ने अस्पताल में हंगामा किया फिर बीच सड़क पर शव रखकर बवाल मचाया। दरअसल गया स्थित केंद्रीय कारागार में बीती रात एक कैदी की मौत हो गई थी। जिसकी सूचना मिलने पर आज कैदी के परिजन अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल अस्पताल पहुंचे और घटना पर विरोध जताते हुए हंगामा मचाने लगे। इस दौरान आक्रोशित परिजनों ने गया-चेरकी मुख्य सड़क मार्ग के अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल अस्पताल के मुख्य द्वार पर शव को सड़क पर रखकर जाम कर दिया और नारेबाजी करने लगे। परिजन कैदी की हत्या करने का आरोप जेल प्रशासन पर लगा रहे थे। हालांकि मौके पर पहुंचे पुलिस के जवानों ने आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास करते रहे लेकिन परिजन कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थे। देखते ही देखते सैकड़ो लोगों की भीड़ लग गई।

बिहारशरीफ सदर अस्पताल में ऑपरेशन के बाद बेबी देवी ने बच्ची को दिया था जन्म

ऑपरेशन के बाद महिला के पेट में छोड़ दिया बैंडेज, पीड़ित की शिकायत पर डीएम ने दिए जांच के आदेश

- महिला के पति की शिकायत पर नालंदा के डीएम शशांक शुभंकर ने दिये जांच के आदेश
- पटना के एक बड़े अस्पताल में बेबी देवी को भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसके पेट में बैंडेज होने की बात बताई

केटी न्यूज/पटना

बिहार का स्वास्थ्य महकमा अपने कारनामों के लिए मशहूर है। आए दिन राज्य के सरकारी अस्पतालों में लापरवाही की खबरें सामने आती रहती हैं। ताजा मामला

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिला नालंदा से सामने आया है, जहां डॉक्टरों की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। मामला बिहारशरीफ सदर अस्पताल का है, जहां ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों ने महिला मरीज के पेट में बैंडेज छोड़ दिया। मामला सामने आने के बाद डीएम ने जांच के आदेश दिए हैं। दरअसल, नालंदा के सकसोहरा थाना क्षेत्र के अंदौली गांव निवासी रवींद्र पासवान की पत्नी बेबी देवी अपने मायके सरमेरा के धनावां मे रह रही थी। पिछले साल नवंबर महीने में प्रसव पीड़ा होने के बाद बेबी देवी को सरमेरा अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। बिहारशरीफ सदर अस्पताल में ऑपरेशन के बाद बेबी देवी ने बच्ची को जन्म दिया। पिछले कुछ महीने से बेबी देवी के पेट में दर्द की शिकायत हो रही थी। कई जगह इलाज कराया लेकिन फायदा नहीं हुआ। इसके बाद पटना के एक बड़े अस्पताल में बेबी देवी को भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसके पेट में बैंडेज होने की बात बताई। डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर बेबी देवी के पेट से बैंडेज को तो निकाल दिया लेकिन इसमे पांच लाख रुपए खर्च हो गए। बेबी देवी के पति रवींद्र पासवान अपनी शिकायत लेकर सदर अस्पताल पहुंचा तो उसे फटकार लगाकर वहां से भगा दिया गया। जिसके बाद रवींद्र डीएम के जनता दरबार में पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। महिला के पति की शिकायत पर नालंदा के डीएम शशांक शुभंकर ने जांच के आदेश दे दिए हैं। डीएम ने सिविल सर्जन डॉ. श्यामा राय और सदर अस्पताल के उपाधीक्षक को जांच का जिम्मा सौंपा है और तीन दिन के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। डीएम ने निर्देश में कहा है कि हर बिन्दू पर गहराई से जांच होनी चाहिए। यदि कोई भी जांच में बाधा पहुंचाने का प्रयास करता है। तो उसके विरूद्ध कार्रवाई करें।

रेडक्रॉस अध्यक्ष की शिकायत पर एडीएम ने की सदर अस्पताल की जांच

केटी न्यूज/बक्सर

- रोगी कल्याण समिति के सदस्य ने आवेदन दे रोस्टर के तहत डॉक्टरों के ड्यूटि नहीं करने का लगाया आरोप
- तीन दिन पहले इमरजेंसी वार्ड में रातभर पड़ा रहा शव

रेडक्रास के अध्यक्ष सरवन तिवारी की शिकायत पर बुधवार को अपर समाहर्ता सह सदर अस्पताल के नोडल पदाधिकारी संजय कुमार ने सदर अस्पताल का निरीक्षण कर सुविधाओं की पड़ताल की। इस दौरान उन्होंने कई बिंदुओं पर जांच किया तथा डॉक्टर से लेकर कर्मियों तक के ड्यूटि रोस्टर व अटेंडेंस रजिस्टर की जांच की। वहीं, अस्पताल में बीपी मशीन, अल्ट्रासाउंड आदि को भी परखा कि यह काम कर रहा है कि नहीं। इसके अलावे ओपीडी, इमरजेंसी वार्ड आदि कई अन्य चीजों की जांच कर अपर समाहर्ता ने वहा मौजूद सीएस तथा कर्मियों से कई सवाल भी पूछे तथा अस्पताल में मरीजों का उचित इलाज करने व समय से तथा रोस्टर के अनुसार ड्यूटि करने की बात कही। हालांकि जांच में सदर अस्पताल में क्या खामियां पाई गई इस बात की जानकारी नहीं मिल सकी। अपर समाहर्ता ने बताया कि वे एक सप्ताह के अंदर अपना जांच रिपोर्ट डीएम को सौंपेंगे। इसके बाद ही इस मामले में कार्रवाई हो सकती है। बता दें कि रेडक्रास अध्यक्ष सरवन तिवारी ने डीएम को पत्र लिख शिकायत किया था कि सदर अस्पताल की व्यवस्था काफी लचर है। वहा न तो मरीजों का इलाज ठीक से किया जा रहा है और न ही डॉक्टर रोस्टर के अनुसार अपनी ड्यूटि करते है। अस्पताल का बीपी मशीन भी ठीक से काम नहीं करता है जबकि इमरजेंसी में भी नंबर लगाने में घंटा भर से अधिक का समय लग जाता है। वही, उन्होंने अपने आवेदन में लिखा था कि तीन दिन पहले अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में एक मरीज की मौत हो गई थी। उसका शव अन्य मरीजों के साथ पूरी रात इमरजेंसी वार्ड में ही पड़ा रहा। जो घोर लापरवाही का परिचायक है। रेडक्रास अध्यक्ष के इस शिकायत पर डीएम ने तत्काल संज्ञान लेते हुए अपर समाहर्ता को इसकी जांच करने की जिम्मेवारी सौंपी। इसके बाद ही अपर समाहर्ता अस्पताल पहुंच कई बिंदुओं पर जांच किए। जहां अस्पताल व्यवस्था पर लगे आरोपों के बारे में स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ ही विधिवत जानकारी ली। आरोप लगे सभी बिंदुओं पर जांच की गई। इस क्रम में सिविल सर्जन से लेकर सदर अस्पताल के अधिकारियों से भी बात की गई। उन्होंने सदर अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने को लेकर अस्पताल के अधिकारियों के साथ चर्चा की। जिसकी जांच रिपोर्ट एडीएम एक सप्ताह में जिला पदाधिकारी को सौंपेंगे। इस संबंध में सिविल सर्जन डॉक्टर सुरेश चंद्र सिंहा ने बताया कि एडीएम सामान्य रूटिन के तहत सदर अस्पताल पहुंचे। जहां सदर अस्पताल के उपाधीक्षक एवं प्रबंधक की मौजूदगी में चर्चा की गई। इस दौरान सदर अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मरीजों को मुहैया कराने के लिए विस्तृत रूप से चर्चा की गई।

एक नजर

शेरशाह के विजयोत्सव पर फुटबाल मैच का आयोजन,नावानगर को हरा चौसा बना विजेता

चौसा। शेरशाह के 485 वें विजयोत्सव पर शेरशाह सूरी जन कल्याण संस्थान चौसा के तत्वावधान में बुधवार को चौसा हाईस्कूल मैदान पर एकदिवसीय फुटबाल मैच का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन चौसा नगर पंचायत के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी आमिर सुहैल द्वारा फीता काटकर किया गया। विजयोत्सव आयोजित फुटबॉल मैच चौसा व नावानगर के बीच खेला गया। जिसमें चौसा के खिलाड़ियों रोमांचक मुकाबले में नावानगर टीम को 1-0 से पराजित कर विजेता बना। 25-25 मिनट के यह मैच रोमांच से भरा रहा। दोनो टीम के खिलाड़ी एक-दूसरे में गोल करने के लिए हावी रही। खेल के 15 वें मिनट में चौसा ने नावानगर में एक गोल दाग बढ़त बना ली। इसके बाद खेल के दूसरे अंतराल में कोई गोल नही हुआ।अन्ततः चौसा की टीम 1-0 से विजयी घोषित किया गया। मुख्य अतिथि कार्यपालक पदाधिकारी आमिर सोहेल द्वारा विजेता उपविजेता को पुरस्कार वितरित की । उस दौरान लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि शेरशाह का इतिहास भुलाया नहीं जा सकता है। चौसा नगर पंचायत को सुंदर एवं स्वच्छ बनाना हमारी प्राथमिकता में शामिल है। वहीं उपस्थित पूर्व जिला पार्षद डा. मनोज कुमार यादव ने कहा कि शेरशाह का विजय दिवस और चौसा के निवासी निजाम भिश्ती का इतिहास मिटाया नहीं जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि देश और राज्य में राजनीति करने वाले लोगों को शेरशाह के शासन व्यवस्था से सीख लेने की आवश्यकता है बिहार के मुख्यमंत्री से चौसा को पर्यटन स्थल का दर्जा देने की मांग की साथ ही, खिलाड़ियों को नौकरी में 20 प्रतिशत आरक्षण के साथ पंचायत स्तर पर खेलने के लिए स्टेडियम का निर्माण करने की भी मांग की गई।

निरीक्षण के दौरान प्लेटफार्म पर गड्ढा देख भड़के डीआरएम, दिया ढकने का निर्देश

बक्सर। स्थानीय स्टेशन के निरीक्षण को पहुंचे दानापुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जयंत कुमार चौधरी निरीक्षण के दौरान प्लेटफॉर्म पर एक जगह पाइप का गड्ढा खुला होने पर भड़क गए जहा वे मौजूद अधिकारी को तुरंत ही उसे ढकवाने का निर्देश दिया, साथ ही उन्होंने कहा कि इन सब छोटी-छोटी चीजों को भी देखते रहा जाए। यात्री सुविधाओं में किसी प्रकार की कोई असुविधा उत्पन न हो। इस दौरान डीआरएम स्टेशन के क्रू-लाबी, प्लेटफॉर्म, फुट ओवरब्रिज, प्रतीक्षालय, वाटर बूथ, स्टेशन पैनल रूम के साथ ही साफ-सफाई इत्यादि का गहन निरीक्षण किया गया। साथ ही संबंधित अधिकारीयों को आवश्यक निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा बक्सर स्टेशन रेलवे के वर्ल्ड क्लास का मॉडल स्टेशन बनेगा। इसके लिए पूर्व में नक्शा व डीपीआर रेलवे बोर्ड को भेजा जा चुका है। उसी दौरान मल्टी स्टोरी बिल्डिंग का भी निर्माण किया जाएगा। इसके विकास संबंधी कोई निर्देश आता है तो आगे की कार्रवाई प्रारम्भ कर दी जाएगी। इस दौरान उन्होंने पुल से ही गुड्स शेड का भी निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान गति शक्ति के अधिकारी शिव कुमार, एसीएस गंगासागर मंडल, सीनियर डीपीओ अशोक कुमार, सीनियर डीइएन विकास राघव, रेलवे स्टेशन मैनेजर दीपक कुमार श्रीवास्तव, सीटीआई अजय कुमार, टीआई शिशिर कुमार पांडेय, स्टेशन मास्टर विंध्याचल पांडेय, सीआईटी आरआर मीणा, बीएस अरुण कुमार चौबे सीआरएस ओंकार नाथ, एइएन कुमार सानू, आइओडब्ल्यू के बी तिवारी, आरपीएफ के प्रभारी निरीक्षक दीपक कुमार, उप निरीक्षक विजेंद्र मुवाल तथा सिग्नल, टीआरडी के अधिकारियों के साथ समस्त रेलकर्मी मौजूद थे।

चलंत लोक अदाल में निपटाए गए 179 मामले, शिविर में जिला सत्र न्यायाधीश बोले...

लंबित मामलों के निष्पादन के लिए चलंत लोक अदालत बेहतर विकल्प

- डालसा ने आयोजित किए कई कार्यक्रम, नशा मुक्ति की न्यायाधीश व कर्मियों ने ली शपथ

केटी न्यूज/बक्सर

मंडल कारा में जानकारी देते अवर न्यायाधीश व अन्य।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने बुधवार को कई कार्यक्रम आयोजित किए। इस दौरान बक्सर नगर भवन में चलंत लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 179 मामलों का निष्पादन किया गया। जबकि नशामुक्ति दिवस पर न्यायाधीश एवं जेल के बंदियों ने नशा से परहेज का शपथ लिया। जानकारी के अनुसार बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पटना के निदेर्शानुसार इस चलंत लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कि जानकारी देते हुए देवेश कुमार अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, ने बताया कि देश भर की अदालतों में आज लाखों मामले लंबित हैं। इनका निराकरण जल्द से जल्द हो इसके लिए लोक अदालतों का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में बक्सर जिले के चयनित स्थानों पर 26 जून से 28 जून 2024 तक मोबाइल लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। आम लोग अधिक से अधिक मोबाइल लोक अदालत में पहुंचकर विवादों का निपटारा करा सकें। इसके लिए एक मोबाइल वैन गांव-गांव दस्तक दे रही है। बक्सर में लोक अदालतों के जरिए विवादों का निपटारा किया जा रहा है।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार बक्सर नगर भवन में बक्सर, इटाढी, राजपुर और चौसा प्रखंड के सुलहनिए वादों का निष्पादन कराया गया। दिनभर चले इस चलंत लोक अदालत में दाखिल खारिज के 118 मामले, भू मापी वाद के तीन मामले, अग्नि कांड के सात मामले एवं दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 107 के कुल 50 मामले, न्यायालय में लंबित आपराधिक सुलहनीय के एक सहित कुल 179 मामलों का निष्पादन समाचार लिखे जाने तक हो चुका था। चलंत लोक अदालत के न्यायिक पदाधिकारी बलराम सिंह द्वारा पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि यह लोक अदालत अगले दो दिनों तक जिले में कार्य करेगी। जिसमें उन्होंने आम जनमानस से अपील की है कि आप अपने क्षेत्र के बिजली से संबंधित सभी तरह के सुलहनिय वाद को लेकर हमारे समक्ष आ सकते हैं। साथ ही इंश्योरेंस, बैंक ऋण, आदि के मामले को सुलह के आधार पर निस्पादन के लिए आप मोबाइल लोक अदालत के समक्ष अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। मौके पर कार्यालय कर्मी संजीव कुमार, सुनील कुमार, पैनल अधिवक्ता मनोज कुमार श्रीवास्तव, पीएल वीसुंदरम कुमार, अविनाश श्रीवास्तव आदि मौजूद रहें।

नशे की लत में भारत की स्थिति बदतर : केंद्रीय कारा, बक्सर में हुए जागरूकता कार्य क्रम में कारा बंदियों को संबोधित करते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देवेश कुमार ने कहा कि आज पूरी दुनिया नशे के चंगुल में फंसी हुई है। दुनिया का कोई भी ऐसा देश नहीं है जहां के लोगों को नशे की लत नहीं लगी हो। भारत में तो स्थिति और भी बदतर हो रही है। यहां की बहुत बड़ी आबादी नशे की गिरफ्त में आ चुकी है। विशेषकर युवा वर्ग में बढ़ती नशाखोरी की प्रवृत्ति समाज व राष्ट्र के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। नशे की लत के कारण बहुत से नौजवानों का भविष्य बर्बाद हो चुका है। हमारे देश में नशा करने वाले युवा पीढ़ी के लोग अब चरस, हेरोइन, कोकीन,अफीम जैसा खतरनाक नशा करने लगे। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों के निवारण के लिए प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस मनाया जाता हैं। इसका उद्देश्य लोगों को नशे की बुरी आदत से छुटकारा दिलाना तथा उन्हें नशे से होने वाले दुष्प्रभाव से बचाना हैं। नशे की प्रवृत्ति के खिलाफ हमारा समाज भी जागरुक नहीं है। इसी जागरूकता के लिए हम सभी आज यहां इकट्ठा हुए है। मौके पर पैनल अधिवक्ता कुमार मानवेंद्र मौजूद रहें।

व्यवहार न्यायालय परिसर में अवर न्यायाधीश ने बंदियों को दिलाई नशामुक्ति की शपथ

वहीं दूसरे कार्यक्रम में केंद्रीय कारा बक्सर के काराबंदी एवं व्यवहार न्यायालय, बक्सर में कार्यरत सभी न्यायिक पदाधिकारी, कर्मचारी गण पैनल अधिवक्ताओं के बीच जिला विधिक सेवा प्राधिकार, द्वारा अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस पर एक शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन अवर न्यायाधीश सह सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देवेश कुमार द्वारा व्यवहार न्यायालय परिसर में किया गया। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय मनोज कुमार ने उपस्थित सभी न्यायिक पदाधिकारी को शपथ दिलवाया। जिसमे सभी न्यायिक पदाधिकारी, साथ ही पैनल अधिवक्ता राजेश कुमार, रिंकी कुमारी, आरती कुमारी, अखिलेश्वर कुमार दुबे, विधिक स्वयंसेवक शत्रुघ्न सिन्हा, कविन्द्र पाठक, अशोक कुमार, अंजुम कुमार रावत, रुकैया आदि भी मौजूद रहें।

खबरें फटाफट

वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

नावानगर। सिकरौल पुलिस ने धुनसारी गांव में छापेमारी कर कोर्ट वारंटी को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया। गिरफ्तार कोर्ट वारंटी गांव के रामनाथ यादव है। इसकी पुष्टि करते हुए सिकरौल थानाध्यक्ष विरेन्द्र प्रसाद ने बताया कि पूर्व के कांड में गिरफ्तार युवक अभियुक्त था। जिसे कोर्ट के निर्देश पर उसके घर से गिरफ्तार किया गया। साथ ही बुधवार को गिरफ्तार युवक को कोर्ट में प्रस्तुत किया गया। जहां से कोर्ट के निर्देश पर उसे जेल भेज दिया गया है।

युवती अपहरण कांड का अभियुक्त गिरफ्तार

नावानगर। स्थानीय पुलिस ने एक युवती के अपहरण कांड प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्त रोहतास जिला अंतर्गत विक्रमगंज थाना के मानी गांव निवासी जनक सिंह है। जो बीगत एक साल से फरार चल रहा था। थानाध्यक्ष ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि फरार अपहरण कांड के अभियुक्त अपने घर आया हुआ है। सूचना पर पुलिस ने रोहतास पुलिस की मदद से अभियुक्त को उसके घर से धर दबोचा गया है।

जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने किया आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण

बक्सर। सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को त्वरित एवं प्रभावी ढ़ग से लागू करने तथा इसके सतत अनुश्रवण, न्याय के साथ विकास को सुनिश्चित करने एवं प्रशासन को और संवेदनशील बनाने के लिए मुख्य सचिव, बिहार से प्राप्त निदेश के आलोक में बुधवार को बक्सर जिला के ब्रह्मपुर प्रखंड अन्तर्गत विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों का जिला स्तरीय पदाधिकारियों, प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों एवं अंचलाधिकारियों के द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के बाद सभी पदाधिकारियों से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वही, जानकारों की माने तो इस दौरान कई आंगनबाड़ी केन्द्रों पर अनियमितता सामने आई है। जिस पर पदाधिकारियों ने कार्य संस्कृति में सुधार लाने का निर्देश दिया है।

@राजपुर : युवती से छेड़खानी के मामले में पुलिस ने एक को गिरफ्तार कर भेजा जेल

केटी न्यूज/राजपुर

- मामले में अब भी फरार चल रहे तीन आरोपित

राजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती के साथ हुई छेड़खानी मामले में आरोपित खीरी गांव निवासी इमरान आलम को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया।

पुलिस ने बताया कि सोमवार को राजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की लड़की स्नातक की परीक्षा देने के लिए बक्सर किसी कॉलेज में जा रही थी। वह अपने स्टैंड के पास किसी टेंपो में सवार हो रही थी। तभी पड़ोस का ही एक परिचित लड़के ने कहा कि हम साथ चलते हैं। जिसके लिए वह रुक गए, कुछ देर बाद एक गांव का अन्य लड़का आया और वह टेंपो में सवार होकर आगे बढ़े। तब तक अन्य युवक ने दूसरे लड़के के साथ लड़की को जाते देखा तो विरोध जताया एवं इसका वीडियो बनाकर वायरल करने की बात कही। इसी बात को लेकर दोनों में नोक झोंक हो गई। कुछ ही दूर जाने पर एक स्कॉर्पियो में सवार चार युवक आए और गाड़ी रोक कर इस लड़की को स्कॉर्पियो में बैठाया। इसके साथ छेड़खानी करने लगे, साथ ही युवती को धमकी भी दी गई कि इस बात को किसी से जानकारी नही दी जय अन्यथा इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। लड़की ने किसी तरह परीक्षा दिया। इसके बाद परीक्षा हाल से निकलते ही इसने इसकी सूचना मुफस्सिल थाना को दी। पुलिस ने युवती को सुरक्षा में लेकर इसकी सूचना राजपुर थाने को दी। जहां लड़की के बयान पर चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई। जिसमें से इमरान आलम को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि पीड़िता के बयान पर प्रार्थमिकी दर्ज कराई गई थी। शीघ्र ही उनको पकड़ लिया जाएगा।

बक्सर नप उपाध्यक्ष ने विकास कार्यों में लगाया अनियमितता का आरोप, डीएम को सौंपा ज्ञापन

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर नगर परिषद की उप चेयरमैन इशरत बानों ने विभागीय कार्यों में किए गए लूट खसोट के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने डीएम को आवेदन दे आरोप लगाया है कि विभागीय स्तर पर कराए गए कार्यों में भारी पैमाने पर लूट खसोट की गई है। उन्होंने डीएम को दिए आवेदन में 110 कार्यों की सूची भी सौंपी है, जिनमें अनियमितता का आरोप लगाई है। बता दें कि नगर परिषद क्षेत्र में वर्ष 2023-2024 के दौरान करीब 5 माह पूर्व लगभग 110 विभागीय विकास कार्यों को कराने में अनियमितता बरतने का आरोप लगाया गया है।

उन्होंने पिछले पांच माह में हुए सभी 110 पीसीसी कार्यों को कराने में अनियमितता का आरोप लगाते हुए जांच की मांग किया है। इसके अलावे नगर परिषद क्षेत्र के नाला और नाली उड़ाही की खानापूर्ति कर मोटी रकम निकासी करने का जिक्र भी किया है। डीएम को दिए आवेदन में उप मुख्य पार्षद ने बताई है कि विभागीय कार्य के तहत गली, नली निर्माण हुआ है, जिसमें नवनिर्मित पीसीसी गलियों से गिट्टियां उखड़ने लगी है। कहीं-कहीं तो टूटने की भी शिकायत मिली है। नगर परिषद के वर्ष 2023-2024 के विभागीय कार्यों में से अधिकांश कार्यों में सिर्फ खाना पूर्ति ही हुई है। गलियों एवं नालियों के निर्माण में अनियमितता के कारण मजबूती और टिकाऊपन के तय मानकों का ध्यान नहीं रखा गया है। इसको ध्यान में रखते हुए डीएम को अपने स्तर से जांच कराने की मांग किया है। अधिकतर नवनिर्मित पीसीसी गलियों और नालियों में खामियां मिलेंगी। वहीं बताया कि नगर परिषद द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बर्षात से पहले नाला व नाली की उड़ाही कराई जा रही है। जिसमें सिर्फ ऊपर ही ऊपर गाद निकाल कर खानापूर्ति कर दी जा रही है। नीचे की तल तक कहीं भी नाला व नाली की उगाही नहीं हो रही है। जैसे ही नगर क्षेत्र में थोड़ी बारिश होगी, नाला व नाली फिर से जाम हो जाएगी। सिर्फ इसी खानापूर्ति के लिए मोटी रकम की निकासी होगी और विभाग के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों की पॉकेट गरम हो जाएंगे।

एमबीए छात्रों के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक सह प्रक्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

समेकित कृषि प्रणाली से अवगत हुए नालंदा विवि के छात्र

केटी न्यूज/बक्सर

बुधवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय नालंदा विश्वविद्यालय के एमबीए छात्रों के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक सह प्रक्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्सर के सहयोग से आयोजित किया गया। इस संबंध में वरिष्ठ वैज्ञानिक सह प्रमुख, डॉ. देवकरन ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को ग्रामीण विकास व प्रबंधन पर प्रायोगिक जानकारी देने के साथ-साथ प्रक्षेत्र भ्रमण द्वारा कृषि एवं इसकी गतिविधियों से अगवत कराना हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्सर के प्रक्षेत्र का भ्रमण कराते हुए आगंतुत छात्रों को समेकित कृषि प्रणाली मॉडल, प्राकृतिक खेती उपादान उत्पादन इकाई, मधुमक्खी पालन इकाई, बीज प्रसंस्करण इकाई, विविध फसलों के लिए बीज उत्पादन इकाई, स्प्रिंकलर इरीगेशन इकाई, सोलर इरीगेशन इकाई, आदि की विस्तृत तकनीकी जानकारी संबंधित विशेषज्ञों द्वारा दी गई। साथ ही जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम अन्तर्गत दीर्घकालिक प्रायोगिक परीक्षण समेत चल रही अन्य परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों की भी विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अलावा विविध कृषि प्रयुक्त यंत्रों जैसे हैप्पी सीडर, लेजर लैण्ड लेभलर, मल्टी सीड क्रॉप प्लांटर, जीरो टीलेज, कम्बाईन हार्वेस्टर, ट्रैक्टर माउन्टेड स्प्रेयर, पैडी थ्रेसर, मल्टी सीड थ्रेसर, आदि की तकनीकी जानकारी से अवगत कराया गया।

इस दौरान छात्रों ने कई केविके के वैज्ञानिकों से कृषि उपकरणों के कार्यपद्धति तथा उससे होने वाले लाभ समेत कई अन्य जानकारिया हासिल की गई। एमवीए के छात्र काफी उत्साहित हो इस परिभ्रमण का लाभ उठा रहे थे। आगंतुत छात्रों एवं संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. अर्निवान मुखर्जी, डॉ. बंदा साईनाथ द्वारा रामोबरिया गांव के किसानों के प्रक्षेत्र के भ्रमण के साथ-साथ इंटरेक्शन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमे 20 से अधिक किसानों से परियोजना फीडबैक की जानकारी ली गई। साथ ही उन्हें खरीफ फसलों की जानकारी दी गई। छात्र मो. असादूल्लाह, रेन केरिन, अजित कुमार पाल समेत कृषक बंधु रामेश्वर सिंह, मुनेश्वर यादव, दिलिप, संतोष, चंचल, जय हिंद यादव, आदि उपस्थित थे तथा केन्द्र के आरिफ प्रवेज, राकेश मणि, रवि चटर्जी, राजेश, सरफराज, अरविंद, संदीप, मुकेश, आदि ने सहयोग किया।

28 जून से शुरू होगी सरस्वती विद्या मंदिर में 35 वीं प्रांतीय समूह खेलकूद प्रतियोगिता

केटी न्यूज/बक्सर

भारती शिक्षा समिति बिहार, पटना के तत्वावधान में सरस्वती विद्या मंदिर अहिरौली में आयोजित 35 वां प्रांतीय समूह खेलकूद प्रतियोगिता की तैयारियां जोर शोर से शुरू चल रही है। कबड्डी व खो खो प्रतियोगिता 28 से 30 जून तक आयोजित होगी।

विद्या भारती के क्षेत्रीय शारीरिक प्रमुख ब्रह्मदेव प्रसाद, विभाग संयोजक डॉ हनुमान प्रसाद अग्रवाल, विभाग प्रमुख वीरेंद्र कुमार, संकुल प्रमुख विमल पांडेय ने स्थानीय समिति एवं विद्यालय के शिक्षकों के साथ बुधवार को बैठक कर तैयारियों का विस्तार से जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस खेल महाकुंभ में राज्य के विभिन्न जिले में स्थित सरस्वती शिशु मंदिरों व विद्या मंदिरों के चयनित 600 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। खिलाड़ियों के लिए आवास, भोजन समेत अन्य सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारियां विद्यालय के प्रधानाचार्य रामजी प्रसाद सिन्हा से ली। इसके बाद मैदान में बनाये जाने वाले कबड्डी व खो खो के कोर्ट को देखा। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए यह जरूरी है कि सभी सदस्य पूर्ण रूप से अपना दायित्व निभाएं। मौके पर ईश्वर चंद्र, मदन पांडेय, अविनाश कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

डुमरांव विधायक ने अनुमंडलीय अस्पताल का किया निरीक्षण, मिली कई अनियमितताएं, कहा-

अनुमंडल अस्पताल में कार्यरत सफाई एनजीओ की मनमानी का मामला विधानसभा में उठाएंगे

◆ अस्पताल प्रबंधन को एक सप्ताह के भीतर सफाई मजदूरों के भुगतान करने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडलीय अस्पताल में ओपीडी संचालन एवं सफाई के लिए नियुक्त आउटसोर्सिंग एजेंसी द्वारा जारी अनियमितता की मिल रही शिकायत को लेकर डुमरांव विधायक अजीत कुशवाहा ने बुधवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक को महिला सफाई कर्मियों ने बताया कि अनुमंडल अस्पताल के नियम के अनुसार 22 सफाई कर्मियों का पद सृजित है, लेकिन काम लिया जाता है सिर्फ 12 मजदूरों से। जबकि महिला मजदूरों से तीन शिफ्ट में काम कराया जाता है। बाकी मजदूर रखे गए हैं कि नहीं उनका कोई अतापता नहीं रहता है। निरीक्षण के दौरान महिला सफाई कर्मियों ने बताया की सफाई के अलावे अन्य कई काम लिये जाते हैं। जैसे रात्रि में लाइन कटने के बाद जेनरेटर भी इन्हीं से चलवाया जाता है। इतना ही नहीं सफाई एनजीओ द्वारा रखे गए सुपरवाइजर द्वारा महिला सफाई कर्मियों पर अपमानजनक टिप्पणी भी की जाती है। अस्पताल में कोई मरता है या आपातकालीन स्थिति में कोई आता है तो उनसे शव उठाने के लिए मजबूर किया जाता है। जिसके कारण उन्हें काफी परेशानयों का सामना करना पड़ता है।

चिकित्सकों को चेतावनी देते डुमरांव विधायक व अन्य।

तीन महिला मजदूरों को निकाला जा चुका है : वहीं, आक्रोशित महिला सफाई कर्मियों ने बताया कि वो जब इसका विरोध करती हैं तो उन्हें निकाल दिया जाता है। हाल फिलहाल में तीन महिला सफाई मजदूरों को निकाला भी जा चुका है। निकाली गई महिला मजदूर भी वहीं मौजूद थी, उन्होंने इसे स्वीकारा भी है। विधायक का कहना था कि अस्पताल में इतनी अनियमितता हो रही है और अस्पताल प्रबंधन चुप बैठा हुआ है। जैसे लगता है कि सभी के मिली भगत से यह सब काम हो रहा है। जांच के दौरान यह बात भी सामने आयी है कि सफाई मजदूरों के वेतन भुगतान में भी भारी अनियमितता है। जिले के उच्च स्तरीय जांच में यह साबित होने के बाद भी आउटसोर्सिंग एजेंसी पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। मामले की गंभीरता से लेते हुए स्थानीय विधायक ने कहा कि जो भी अस्पताल में अनियमितता मिली है आने वाले मानसूत्र सत्र में विधान सभा में उठाया जाएगा।

विधायक ने प्रबंधन से तीनों मजदूरों को एक सप्ताह के भीतर रखने और भुगतान करने की व्यवस्था कराने को कहा। निरीक्षण कर विधायक के जाने के बाद जब डीएस से बात की गई। उन्होंने बताया कि अस्पताल प्रबंधन को सफाई एनजीओ से कोई मतलब नहीं है। किस एनजीओ के माध्यम से सफाई कर्मियों को रखा गया है, कौन इसका भुगतान करता है, कोई बात की जानकारी अस्पताल को नहीं है। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि सफाई कौन कराता है, कौन भुगतान कराता है तो फिर सफाई की लचर व्यवस्था रहेगी ही।

महिला कर्मियों ने पूर्व में भी लगाए थे आरोप

बता दें कि डुमरांव अनुमंडल अस्पताल की महिला सफाई कर्मियों ने पिछले वर्ष स्थानीय विधायक के अजीत कुशवाहा के सामने दुर्व्यवहार किए जाने की शिकायत की थी। आप एक सफाई कर्मी पर ही लगा था जिससे एजेंसी सफाई के काम के बदले सुपरवाइजर का काम ले रही थी। वह अक्सर महिला कर्मियों के साथ गलत हरकत करता था। हालांकि पिछली बार हुई शिकायत के बाद इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। अलबत्ता मामले की लीपापोती कर दी गई। अब देखना है कि एक बार फिर से महिला कर्मियों ने विधायक के सामने दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है तो इस बार क्या कार्रवाई हो रही है।

सफाई कर्मियों ने लगाए गंभीर आरोप

विधायक के सामने सफाई कर्मियों ने जो आरोप लगाए है वह काफी गंभीर मामला है। बता दें कि इसके पहले भी इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि अनुमंडलीय अस्पताल में सफाई कर्मियों के लिए 22 सृजित पद है जबकि मात्र 12-14 से ही काम कराया जाता है। जाहिर है अन्य सफाई कर्मियों का पैसा कार्य एजेंसी द्वारा लंबे समय से हड़प लिया जा रहा है। पूर्व में भी इस मामले की पुष्टि हो चुकी है। बावजूद अबतक उक्त कार्य एजेंसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिससे विभागीय पदाधिकारियों की कार्यशैली भी सवालों के घेरे में आ गई है। वहीं, जानकारों का कहना है कि बिना अस्पताल प्रबंधन के मिलीभगत के वर्षों से एजेंसी कैसे मजदूरों का शोषण कर सकती है तथा सिर्फ कागजों पर ही आठ मजदूरों का भुगतान कर सकती है। जाहिर है प्रबंधन की कार्यशैली पर बड़ा सवाल उठ रहा है।

एक नजर

नप की बोर्ड की बैठक में उठेंगे विपक्ष के मुद्दे

डुमरांव। अगामी 2 जुलाई को साधारण बोर्ड की बैठक अपराह्न 3 बजे से होगी। इसकी जानकारी नप ईओ अनिरूद्ध प्रसाद ने देते हुए बताया कि इसकी सूचना सभी वार्ड पार्षदों को भेज दी गई है। बता दें कि बोर्ड के असंतुष्ट वार्ड पार्षदों की अगुआयी कर रहे उप मुख्य पार्षद विकास ठाकुर ने ईओ से शीघ्र बोर्ड की बैठक बुलाने की मांग किया था। बोर्ड की बैठक का दिन तय होते ही वार्ड पार्षद अपने मुद्दे को उठाने की रणनीति बनाने में जुट गए है। साथ ही उनके द्वारा वार्ड में नहीं हुए कामों की सूची भी बनायी जा रही है। बोर्ड की बैठक में चेयरमैन और ईओ से नाराज चल रहे वार्ड पार्षद भी खुलकर सामने आएंगे। इसके अलावे शहर के विकास के मुद्दे पर भी बोर्ड की इस बैठक में चर्चा होगी। बैठक को लेकर पार्षदों में उत्साह व्याप्त है। गौरतलब है कि पिछले चार-पांच दिनों से डुमरांव नगर परिषद की राजनीति गरमा गई है। उपमुख्य पार्षद विकास ठाकुर के नेतृत्व में करीब दो दर्जन पार्षदों ने चेयरमैन व कार्यपालक पदाधिकारी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जिसके बाद होने वाली बोर्ड की बैठक हंगामेदार होने से इंकार नहीं किया जा सकता है।

पत्रकार के विरुद्ध गलत प्राथमिकी मामले में संघ ने लिया संज्ञान, शिष्टमंडल ने जताई आपत्ति

बक्सर। बक्सर के युवा व तेज तर्रार पत्रकार गुलशन सिंह के खिलाफ पुलिस द्वारा गलत प्राथमिकी दर्ज कराए के खिलाफ श्रमजीवी पत्रकार यूनियन ने संज्ञान में लिया है। यूनियन का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को बक्सर एसपी मनीष कुमार से मिल मामले पर अपनी आपत्ति जताई है तथा इसकी निष्पक्ष जांच कराते हुए गलत एफआईआर को निरस्त करने की मांग की। जिस पर एसपी ने साकारात्मक जबाव दिया तथा मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है। शिष्टमंडल श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के जिलाध्यक्ष डॉ शशांक शेखर के नेतृत्व में एसपी से मिलने गया था। शिष्टमंडल ने पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंप यह बताया कि पत्रकार गुलशन सिंह के विरुद्ध गत 18 मई को गंगा पुल पोस्ट के प्रभारी सन्तोष कुमार द्वारा सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज किया गया था, जो दुर्भावना से ग्रसित कार्रवाई है, जिसका विरोध करते हुए शिष्टमंडल ने एसपी से इस पूरे मामले की अपने स्तर से जांच करा कर प्राथमिकी को निरस्त करने की मांग की। शिष्टमंडल में संघ के महासचिव आलोक कुमार, उपाध्यक्ष उमेश पान्डेय, सचिव चंद्रकांत निराला, कोषाध्यक्ष राजकुमार ठाकुर, प्रतिमा भारद्वाज, विश्वम्भर मिश्र, विकास विद्यार्थी आदि प्रमुख रूप से शामिल थे। इस संबंध में यूनियन के जिलाध्यक्ष डॉ शशांक शेखर ने कहा कि पत्रकार को मुकदमे में फंसाए जाने की बात प्रमुखता से एसपी के समक्ष उठाई गई, जिसके बाद पुलिस अधीक्षक ने यह आश्वासन दिया कि थानाध्यक्ष को बुलाकर इस पूरे मामले की जांच करा कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले के किसी भी पत्रकारों को यदि गलत तरीके से फंसाया गया तो श्रमजीवी पत्रकार यूनियन चुप नहीं बैठेगा।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा, अजीत की पीटकर की गई हत्या

राजपुर। गत रविवार की सुबह मछली का चारा डालने व खेत घूमने गए रामपुर रामपुर निवासी अजित कुमार नामक युवक की हत्या पीटकर की गई थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले का खुलासा कर दिया है। बताया गया कि अजीत कुमार की पीटकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना में पहले उसके सर पर किसी भारी भरकम समान से चोट किया गया है तथा उसके सीने पर भी चोट की गई है। जिससे अजीत की मौत हो गई। बाद में उसे अपराधियों द्वारा करंट के तार भी सटाए गए। जिससे यह साबित हो कि अजीत की करंट लगने से मौत हुई हो। हालांकि, अपराधियों की सारी तरकीबे पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद बेकार साबित हुई। जिसको लेकर पुलिस अब इस मामले में पूरी तरह सक्रिय हो गई है। जहा नामजद अपराधियों की धर-पकड़ के लिए छापेमारी तेज कर दी गई है। इस मामले अजीत के पिता व परिजनों के अलावा ग्रामीणों द्वारा घटना के बाद से ही मामले में हत्या का आरोप लगाया गया था। जिसको लेकर पड़ोस के ही पांच लोगों पर हत्या करने का आरोप में नामजद प्राथमिकी कराई गई है। जिसमें तियरा निवासी छट्ठूलाल सिंह, रामपुर के सोनुकुमार, बघेला राजभर, वीरेंद्र सिंह के अलावा राजेन्द्र सिंह की पत्नी सोनमती देवी शामिल है। इस घटना में शामिल एक वीरेंद्र सिंह को पहले ही पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

बाइक की टंकी में ला रहा था शराब की खेप, पुलिस को देख तस्कर फरार

बक्सर। बुधवार को मुफस्सिल थाने के इटाढ़ी गुमटी पर देखने को मिला। जहा तस्कर द्वारा बाइक की तेल टंकी से तेल सप्लाई रोक उसके नीचे शराब तस्करी का तहखाना बना दिया गया था। वही पेट्रोल आपूर्ति के लिए अलग से प्लास्टिक डिब्बे का प्रयोग किया जा रहा था। पुलिस ने जब उक्त बाइक की तलाशी ली तो उसमें से 40 टेट्रा पैक शराब मिला। हालांकि, तस्कर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। मगर, पुलिस द्वारा उसको चिन्हित कर लिया है।

मुफस्सिल थाना के इटाढ़ी गुमटी स्थित चौकी इंचार्ज सोनू कुमार ने बताया की गुमटी पर बाइक जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान दो तीन बाइक की तलाश की जा रही थी। इसी बीच एक पैशन प्रो बाइक आयी जहा सिपाहियों द्वारा बाइक रुकवाया गया। हालांकि, बाइक चालक बाइक को खड़ा किया व धीरे से बाइक छोड़ फरार हो गया। पुलिस को थोड़ा शक हुआ तो बाइक की तलाशी ली गई। जहा सीट वगैरह खुलने के बाद तेल टंकी से कुछ नजर आया। टंकी खुलने के बाद सब कुछ साफ हो गया। तेल टंकी के नीचे 40 टेट्रा पैक देशी मसालेदार शराब पायी गई। पुलिस ने शराब व बाइक को जब्त कर लिया।

डुमरांव शहर में नो इंट्री का उल्लंघन करने वाले 20 ट्रकों से वसूला एक लाख का जुर्माना

◆ नो इंट्री का पालन कराने के लिए मुश्तैद हुई पुलिस

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव पुलिस ने नो इंट्री तोड़ने वाले ट्रक चालकों पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी कड़ी में बुधवार की सुबह पुलिस ने नो इंट्री तोड़ शहर की सीमा में प्रवेश करने वाले 20 ट्रकों से एक लाख 500 रूपए का जुमार्ना वसूला है। पुलिस की इस कार्रवाई से ट्रक चालकों में हड़कंप मच गया है। यह कार्रवाई डुमरांव थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत के नेतृत्व में चलाया गया था। बता दें कि शहर में सुबह आठ बजे से रात दस बजे तक नो इंट्री लागू रहती है। इस दौरान शहर में ट्रक तथा अन्य भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहता है। लेकिन अक्सर ट्रक चालक इस नियम को तोड़ते है। जिससे जाम की समस्या गंभीर हो जाती है। पिछले कुछ दिनों से नो इंट्री का उल्लंघन करने वाले ट्रक चालकों की संख्या बढ़ गई थी। जिस कारण दिन में जाम की समस्या भी बढ़ गई थी। लोगों द्वारा इसकी शिकायत पुलिस से की गई थी। जिसके बाद थानाध्यक्ष ने अभियान चला नो इंट्री तोड़ने वाले ट्रक चालकों को सबक सिखाया है। पुलिस की इस कार्रवाई से जहां आम आवाम में खुशी व्याप्त हैं, वही ट्रक चालकों में हड़कंप मचा रहा। पुलिस के जांच के डर से ट्रक चालक शहर की सीमा के बाहर ही पूरे दिन अपना ट्रक खड़ी कर रात के दस बजने का इंतजार करते रहे। थानाध्यक्ष शंभू कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि नो इंट्री तोड़ने वाले 20 ट्रकों से एक लाख 500 रूपए का जुमार्ना वसूला गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया अनवरत चलते रहेगी। ताकी लोगों को जाम से निजात मिल सके।

एम आशा एप पर ही आशा कार्यकर्ताओं को करना होगा काम

केटी न्यूज/डुमरांव

स्वास्थ्य विभाग के डिजिटल मिशन को घर-घर पहुंचाने को लेकर आशा कार्यकताओं को स्मार्ट बनाने के लिए काम शुरू कर दिया गया है। बुधवार को अनुमंडलीय अस्पताल में आशा फैसिलेटर, स्वास्थ्य कर्मियों, डाटा ऑपरेटर को प्रशिक्षित करने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर की व्यवस्था की गई। इस प्रशिक्षण शिविर में डुमरांव, केसठ एवं चक्की आशा कार्यकताओं ने भाग लिया।

आशा कार्यकताओं को यह बताया गया कि भव्या एवं एम आशा एप की जानकारी दी गई। इसका इंम्पलीमेंटेशन 28 जून तक पूरे जिले में पूरा कर लेना है। फिर उसी एप पर काम शुरू होगा, जिससे किसी को काम करने में कोई परेशानी नहीं हो। बुधवार को पटना से आई टीम में ट्रेनर के रूप में रजनीश मेहता व बब्लु कुमार ने ट्रेनिंग दिया। फिर स्टेट हेड रूची झा, स्टेट टीम मैनेजर दुगार्शंकर सिंह एवं अभिषके तिवारी ने एप की जानकारी दी। कुछ आशा को फोन के माध्यम से भी बताया गया। एम आशा एप कैसे काम करेगी बताने के दौरान आशा को बताया गया कि जन्म-मृत्यु, प्रसाव, फाइलेरिया, मलेरिया, एईएस, बुखार, डायरिया समेत सभी प्रकार की बिमारियों अन्य गतिविधियों को इस एप से जोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही गांव-गांव में सर्वे करने के दौरान भी इस एप के माध्यम से आशा पोर्टल पर इसे अपलोड करेंगी। इन सबक की जानकारी के साथ आशा पूरी तरह से स्मार्ट बन जाएंगी और पेपलेस काम कार्यालय से लेकर फिल्ड में शुरू हो जाएगा।

खरीफ महोत्सव में किसानों को दी गई खेती के वैज्ञानिक पद्धति की जानकारी

आधुनिक खेती से अवगत हुए किसान

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड मुख्यालय पर बुधवार को कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण आत्मा बक्सर के तत्वावधान में प्रखंड स्तरीय खरीफ महा अभियान 2024 अंतर्गत प्रखंड स्तरीय खरीफ प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस आयोजन में जिला व प्रखंड स्तरीय उप परियोजना निदेशक आत्मा बक्सर बेबी कुमारी, सहायक निदेशक भूमि संरक्षण संजू लता, वरिष्ठ शोधकर्ता कृषि विज्ञान केंद्र बक्सर अरविंद कुमार, प्रखंड उद्यान पदाधिकारी शशि भूषण यादव, प्रखंड तकनीकी पदाधिकारी वकील प्रसाद सिंह, प्रभारी कार्यपालक सहायक मोहम्मद इबरार आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस दौरान किसानों के बीच कृषि से संबंधित विभागों द्वारा संचालित होने वाली विभिन्न योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ विभिन्न फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए मिट्टी जांच के आधार पर संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग, फफूंदनाशी एवं कीटनाशी से बीजोपचार, सिंचाई के लिए जल प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण एवं समेकित कीट तथा पोषक तत्व प्रबंधन से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई। खरीफ महा अभियान में खरीफ मौसम में लगाए जाने वाले फसलों में कीट व्याधि का नियंत्रण एवं इसमें लगने वाले प्रकोप को कम करने के उद्देश्य से अनुशंसित बीजों की उपलब्धता के साथ-साथ किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती विशेष कर अंतर्वती फसलों, सब्जी की खेती, मोटे अनाज की खेती तथा जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम एवं कृषि से संबंधित विभागों की योजनाओं की तकनीकी जानकारी कृषि विभाग एवं कृषि से संबंधित विभागों के पदाधिकारी कर्मियों के द्वारा उपलब्ध कराई गई। इस दौरान किसानों को खेती बारी से संबंधित कई आवश्यक सुझाव दिया गया। साथ ही किसानों द्वारा भी अपने विभिन्न समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा गया। जिनका विस्तार से तौर तरीका अधिकारियों द्वारा बताया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संयुक्त रूप से प्रखंड कृषि पदाधिकारी दिलीप कुमार सिंह व प्रखंड विकास पदाधिकारी मिथिलेश बिहारी वर्मा द्व.ारा तथा संचालन प्रखंड कृषि समन्वयक हरिशचंद्र पासवान द्वारा किया गया। मौके पर प्रभारी प्रखंड तकनीकी प्रबंधक डॉ प्रफुल्ल कुमार, लेखपाल प्रफुल्ल कुमार, किसान सलाहकार अमरेंद्र प्रसाद, रितेश कुमार, विजय कुमार आदि समेत कई अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में किसानों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

मगध एक्स. में नशाखुरानी गिरोह ने यात्री को बनाया शिकार, इलाजरत

डुमरांव। ट्रनों की सुरक्षा भगवान भरोसे ही है। कभी यात्रियों के साथ चलती टेज्न में मारपीट व लूटपाट हो जाती है तो कभी यात्री नशाखुरानी का शिकार हो अपनी गाढ़ी कमाई गवा रहे है। ऐसा ही एक मामला बुधवार की सुबह स्थानीय रेलवे स्टेशन पर देखने को मिला। जब दिल्ली से आ रही डाउन मगध एक्सप्रेस से नशाखुरानी के शिकार एक युवक को उतारा गया। यहां उतारने के बाद उसका इलाज डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया। जहां उसके परिजन भी आ गए थे। बताया जाता है कि इटाढ़ी थाना क्षेत्र के ओराप गांव निवासी सूर्यमान सिंह पिता रामचंद्र सिंह दिल्ली में एक निजी ऑटोमोबाइल की कंपनी में काम करते हैं। मंगलवार की शाम वे दिल्ली से मगध एक्सप्रेस पकड़ बक्सर के लिए चले थे। लेकिन ट्रेन खुलते ही नशाखुरानी गिरोह ने उन्हें अपने चपेट में ले लिया तथा बड़ी सफाई से कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिला उसे पिला बेहोश करने के बाद उसके पर्स से तीन हजार रूपए तथा मोबाईल फोन के अलावे अन्य सामान ले आराम से चंपत हो गए। सुबह में डीडीयू स्टेशन पर उसकी बेहोशी टूटी तो वह लड़खड़ा कर गिर गया। आसपास के यात्रियों ने उसे उठाकर शौच के लिए ले गए। जिसके बाद उन्हीं यात्रियों ने उसके परिजनों को घटना की सूचना दी।

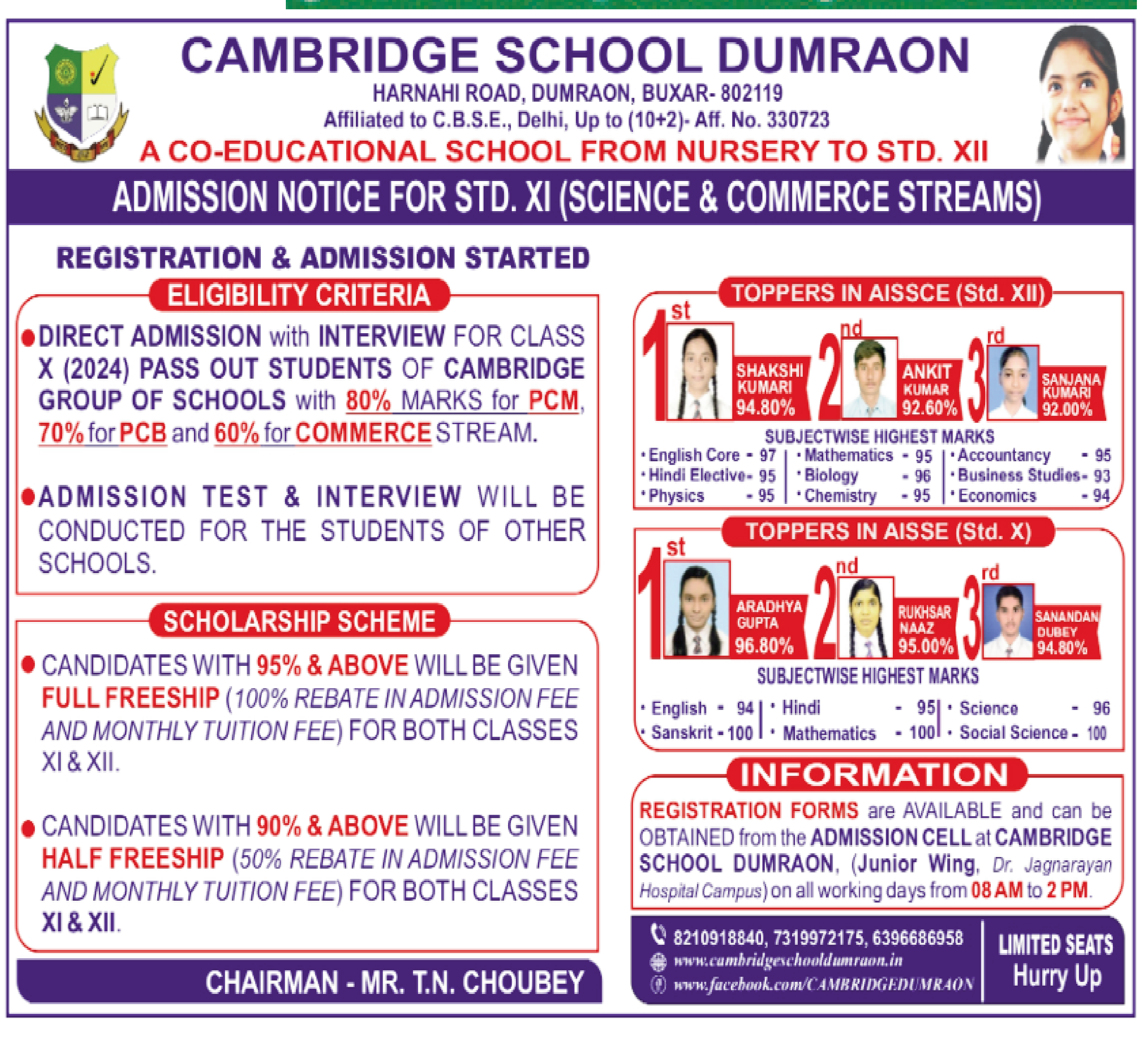

नशीले पदार्थों का सेवन देश और समाज के लिए अभिशाप : जिला जज अनिंदिता

- अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर व्यवहार न्यायालय में किया गया समारोह का आयोजन
- न्यायिक पदाधिकारी अधिवक्ता व न्यायालय कर्मियों ने लिया नशा मुक्त शपथ

केटी न्यूज/जहानाबाद

वर्तमान समय मे समाज के लोगों में नशीली दवाओ एवं मादक पदार्थों का सेवन करना एक आदत बन गया है जो देश और समाज के लिए अभिशाप है । साथ हीं देश और समाज के बेहतर भविष्य के लिए बहुत हीं चिंता जनक है। उपरोक्त बातें अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम अनिंदिता सिंह ने कही। उन्होंने कहा की नशा समाज को दीमक की तरह खोखला बना रहा है। नशा सेवन से ना सिर्फ शारीरिक एवं मानसिक क्षति होती है बल्कि धन का भी नुकसान होता है। नशा सेवन करने वालों का सिर्फ पारिवारिक जीवन हीं बरबाद नहीं होता है बल्कि सामाजिक जीवन को भी दूषित करता है। इसका असर आने

वाले पीढियों पर भी पड़ता है। उन्होंने कहा कि नशीली दवा के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी को रोकने के लिए आज नालसा के निर्देश पर अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बैनर तले शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया है। स्थानीय व्यवहार न्यायालय में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम अनिंदिता सिंह ने उपस्थित सभी न्यायिक पदाधिकारी अधिवक्ता एवं व्यवहार न्यायालय कर्मियों को तंबाकू शराब एवं अन्य मादक पदार्थों का त्याग करने व उसके उपयोग से विरत रहने की शपथ दिलाई। साथ ही इसको लेकर आम लोगों में जागरूकता फैलाने का भी आह्वान किया। समारोह में मोतिस सिंह कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश, जावेद अहमद खान राकेश कुमार वर्मा राजेश कुमार प्रथम, पुष्पम कुमार झा, रश्मि, राजेश पांडे, कुमार कौशल किशोर, निहारिका, विशाल कुमार सभी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव रणजीत कुमार ,प्रेरणा सिंह मुंसिफ, अनीश कुमार , कुमारी डिंपी, अंकित राजन ,आलोक कुमार सभी न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी विनय कुमार सिंह एडीएम जिला विधिक संघ के अध्यक्ष गिरजानंदन प्रसाद लीगल एड डिफेंस काउंसिल अजीत कुमार, राजीव कुमार बैजनाथ पैनल अधिवक्ता रमेश प्रसाद अपर लोक अभियोजक विजय कुमार मिश्र, पूजा,,पंकज प्रसाद, अनिता कुमारी, मनोज कुमार दास, मिथिलेश कुमार दीनानाथ कुमार सुजीत कुमार संतोष कुमार सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

एक नजर

ठनका से एक व्यक्ति समेत आठ भैंसों की मौत

तिलौथू। अमझोर थाना क्षेत्र के सोनडीला पर मंगलवार की रात्रि ठनका गिरने से एक व्यक्ति समेत आठ भैंसो की मौत घटना स्थल हो गई। मृत व्यक्ति का पहचान अमझोर थाना क्षेत्र के नया गांव निवासी 50 वर्षीय योगी यादव के रूप में हुई। घटना के बारे में बताया गया कि नयागांव निवासी 50 वर्षीय योगी यादव रामडीहरा स्टेशन स्थित सूर्य मंदिर के सामने सोन डीला पर सो रहे थे तभी अचानक ठनका गिरा। जिससे सो रहे योगी यादव की मौत घटनास्थल पर हो गई। वहां उपस्थित 8 भैंसे की भी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जिसमें नयागांव निवासी सतन यादव के 7 भैसें एवं रामडीहारा निवासी मनु चौधरी के एक भैंस शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही परिजन नाव से सोन डीला पर पहुंचकर शव की पहचान कर पुलिस को सूचना दिया।

यंत्र के सहयोग से करें खेती : बीएओ ` ``

राजपुर। राजपुर प्रखंड के पडरिया पंचायत के नावाडिह गांव व बरांव पंचायत सरकार भवन पर बुधवार को खरीफ महाअभियान के तहत किसान चौपाल का आयोजन हुआ। जिसका उद्घाटन प्रखंड कृषि पदाधिकारी अनुज कुमार ने फीता काटकर किया। चौपाल के दौरान किसानों को खरीफ के उन्नत फसल के लिए महत्वपूर्ण बीज, रसायनिक व जैविक खाद के उपयोग,खरीफ फसल के लिए कृषि यंत्रों का उपयोग एवं उद्यान योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कृषि पदाधिकारी ने खरीफ फसलों के लिए कृषि यांत्रिकीकरण के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यंत्र के उपयोग से कृषि कार्य अब काफी सुलभ व फायदेमंद पेशा बन रहा है । चौपाल के दौरान किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि अधिक से अधिक किसान सरकार के सब्सिडी युक्त कृषि यंत्रों के लिए राजपुर किसान भवन स्थित कार्यालय में आवेदन करें। प्रखंड तकनीकी प्रबंधक अरविंद कुमार पाल ने उद्यान योजनाओं के बारे में बताया। सहायक तकनीकी प्रबंधक सनी कुमार पटेल ने आत्मा योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। किसान सलाहकार नागेंद्र सिंह ने योजनाओं का लाभ लेने के लिए किसानों को जागरूक किया। मौके पर कृषि समन्वयक प्रवीण कुमार,अमृत कुमार पाल,कृष्ण कुमार, बृजेश सिंह, देव नारायण चौबे, रामयश पांडेय, वंश नारायण तिवारी, संतोष पांडेय समेत कई अन्य मौजूद रहे ।`

पुलिस को छापेमारी के दौरान मिली बंदूक

काराकाट। काराकाट पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के घोपतपुर गांव में धड़ल्ले से शराब की बिक्री की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मामले को त्वरित संज्ञान में लेते हुए चिन्हित स्थल पर पहुंच शराब को लेकर छापेमारी शुरू कर दी। लेकिन पुलिस को शराब तो नहीं मिला लेकिन उक्त स्थल से एक नाली बंदूक मिल गया। जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि घोपतपुर गांव में धड़ल्ले से शराब की बिक्री की जा रही है । सूचना पाते ही स्थानीय पुलिस सिकंदर सिंह एवं उपेंद्र यादव के घर के समीप पहुंच शराब को लेकर छापेमारी शुरू कर दी । लेकिन उक्त स्थल से छापेमारी के दौरान शराब नहीं मिला। उन्होंने बताया कि सिकंदर सिंह और उपेंद्र यादव के घर के पीछे नाली के पास से एक नाली बंदूक पुलिस ने बरामद कर लिया। उन्होंने कहा कि बंदूक को पशु चारा के अंदर छुपा कर रखा गया था। फुलदेव चौधरी ने कहा कि स्थानीय थाना के पुअनि मिथिलेश कुमार राम ने अज्ञात पर एफआईआर दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच स्थानीय पुलिस कर रही है ।

श्रम संसाधन मंत्री से की मांग, रुके आरा-रांची एक्सप्रेस

बिक्रमगंज। स्थानीय शहर के तेंदुनी चौक के पास बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह का फूल माला और अंग वस्त्र देकर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान लोगों ने क्षेत्र के समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। आरा रांची ट्रेन को बिक्रमगंज में रुकवाने की मांग की। जिस मंत्री ने विभागीय अधिकारियों से बात करने का आश्वासन दिया। स्वागत करने वालों में पिंटू सिंह कर्मा पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष सूर्यपुरा सह राजपूत करणी सेना प्रदेश उपाध्यक्ष बिहार, गुड्डू सिंह, भूलेटन सिंह, वेंकटेश सिंह, मनजी सिंह, राजू पांडेय, बबलू सिंह, चिंटू सिंह, मंटू सिंह, राजा सिह, अभीषेक कूमार, सत्यदेव सिंह सहित सैकड़ो लोग शामिल थे।

खबरें फटाफट

चोरी के बालू लदे सात ट्रक 11 ट्रैक्टर जब्त

आरा। भोजपुर में अवैध खनन के खिलाफ पुलिस प्रशासन का अभियान लगातार जारी है। उस क्रम में मंगलवार की रात डीएम राजकुमार और एसपी प्रमोद कुमार यादव के निर्देश पर छापेमारी अभियान चलाया गया। उस दौरान इमादपुर और मुफस्सिल थाना क्षेत्र से अवैध बालू लदे सात ट्रक, पांच ट्रैक्टर और एक लोडर जब्त किये गये। एसपी प्रमोद कुमार की ओर से बुधवार को प्रेस बयान जारी कर यह जानकारी दी गई। बताया गया कि इमादपुर क्षेत्र में अवैध खनन की सूचना मिल रही थी। उस आधार पर कार्रवाई करने को लेकर खनन पदाधिकारी और पीरो एसडीपीओ राहुल सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। टीम की ओर से इमादपुर थाना क्षेत्र के बिहटा घाट से अवैध बालू लदे सात ट्रक, दो ट्रैक्टर और एक लोडर जब्त किया गया। टीम में पीरो अंचल इंस्पेक्टर, पीरो, सहार, तरारी, हसन बाजार और इमादपुर थानाध्यक्ष शामिल थे। मुफस्सिल थाना क्षेत्र से अवैध बालू लदे तीन ट्रैक्टर जब्त किए गए।? इस संबंध में खनन विभाग द्वारा प्राथमिकी और फाइन वसूलने की कार्रवाई की जा रही है। इधर, बुधवार को पीरो एसडीओ अनिल कुमार और एसडीपीओ द्वारा बिहटा इलाके में बालू के अवैध भंडारण की सूचना पर स्टाक की जांच की गयी। मौके पर खनन इंस्पेक्टर चंदन कुमार, तरारी सीओ और इमादपुर थाने की पुलिस भी उपस्थित थी। बता दें कि शनिवार की रात भी बिहटा और संदेश इलाके से अवैध बालू लदे पांच ट्रक और 11 ट्रैक्टर जब्त किए गए थे।

गजराजगंज ओपी के धमार मोड़ के समीप की बुधवार की शाम की घटना

मछली लदी पिकअप की ठोकर से चली गई मासूम की जान, माता-पिता जख्मी

- रिश्तेदारी से लौटते समय पिकअप ने बाइक सवार दंपती को मारी ठोकर
- हादसे में जख्मी सदर अस्पताल में इलाज के बाद दंपती पटना रेफर
- मौके पर पहुंची पुलिस ने पिकअप जब्त की, खलासी भी गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

आरा-बक्सर फोरलेन पर गजराजगंज ओपी क्षेत्र के धमार मोड़ के समीप बुधवार की शाम बेलगाम पिकअप ने बाइक में जोरदार ठोकर मार दी। उसमें बाइक पर सवार चार माह के एक मासूम की मौत हो गई। हादसे में उसके माता-पिता भी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मृत बच्चा गीधा थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव निवासी संतोष राय का पुत्र लवकुश कुमार था। वहीं गंभीर रूप से जख्मी संतोष राय और उनकी पत्नी रानी देवी को सदर अस्पताल में इलाज के बाद दोनों को पटना रेफर कर दिया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पिकअप को जब्त कर लिया है। खलासी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि संतोष राय, अपनी पत्नी रानी देवी और चार माह के मासूम बेटे लवकुश कुमार के साथ रिश्तेदार के घर बिहिया थाना क्षेत्र के कौड़िया गांव गए थे। शाम में तीनों बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। इसी क्रम में धमार मोड़ के समीप मछली लदी पिकअप वाहन ने बाइक में पीछे से ठोकर मार दी। हादसे में मासूम की घटनास्थल पर मौत हो गई। वहीं संतोष राय और उनकी पत्नी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उसके बाद गजराजगंज पुलिस द्वारा तीनों को आरा सदर अस्पताल लाया गया। पुलिस द्वारा मासूम के शव का पोस्टमार्टम भी कराया गया। हादसे के बाद उसके घर में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि बालक दो भाई और एक बहन में छोटा था। बड़ा भाई अंकुश कुमार और बहन शिल्पी कुमारी है। इधर, छोटे बेटे की मौत से माता-पिता बेहाल थे।

दस लाख की रंगदारी के लिए डीजे संचालक को पेड़ से बांध कर पीटा, नामजद केस दर्ज

- डीजे करने के नाम पर घर से ले जाने के बाद मांगी गयी दस लाख रंगदारी
- कुख्यात आशीष पासवान और धनजी यादव सहित अन्य के खिलाफ केस
- व्हाट्सएप कॉलिंग के जरिए आशीष और धनजी पर पैसे मांगने का आरोप

आरा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जमीरा बधार में मंगलवार की शाम रंगदारी के लिए एक डीजे संचालक की पेड़ से बांध कर पिटाई की गयी। डीजे बजाने के लिए सटा करने के नाम पर उसे जमीरा रोड ले जाया गया। उसके बाद दस लाख की मांग की गयी और जमकर पिटाई की गयी। उसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। बाद में किसी तरह डेढ़ लाख रुपए देकर वह किसी तरह वहां से निकल सका। उसका इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। जख्मी डीजे संचालक टाउन थाना क्षेत्र के गौसगंज मोहल्ला निवासी राम स्वरूप राम का 22 वर्षीय पुत्र गोलू कुमार है। उस मामले में डीजे संचालक द्वारा नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। उसमें गौसगंज निवासी आशीष पासवान और शिवगंज धनजी यादव सहित अन्य लोगों को आरोपित किया गया है। आशीष पासवान और धनजी यादव पर व्हाट्सएप कॉलिंग के जरिए पैसे की मांग करने का आरोप लगाया गया है। प्राथमिकी में कहा गया है कि डीजे संचालक गोलू मंगलवार शाम अपने घर पर था।? तब एक अनजान नंबर से डीजे के लिए कॉल आयी। तब उसने कॉल करने वाले को अपने गोदाम पर बुलाया। कुछ देर के बाद दो लड़के आये और डीजे बजा कर देखा। उसके बाथ स्थल दिखाने के नाम पर जमीरा रोड ले गये। वहां मुंह बांधे पांच-छह लड़के पहले से मौजूद थे। उनमें से एक लड़के ने व्हाट्सएप कॉलिंग के जरिए दो लोगों से बात कराई। उनमें एक ने अपने को आशीष पासवान और दूसरे द्वारा अपने को धनजी यादव बताया गया। उसके बाद उनके द्वारा दस लाख की मांग की गयी। कहा गया पैसे दोगे तो छोड़ा जाएगा, नहीं तो मार दिया जाएगा। तब उसने भाई से फोन पर डेढ़ लाख रुपए मंगा कर दिया। इधर, पुलिस प्राथमिक दर्ज करने के बाद मामले की छानबीन और आरोपितों की धरपकड़ में जुटी है।

पुलिस ने वाहन जांच के क्रम में वसूला एक लाख 9 हजार 500 रुपये जुर्माना

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज एवं दिनारा पुलिस ने विभिन्न जगहों पर वाहन जांच अभियान चलाया। जिस क्रम में दोनों थाना के पुलिस पदाधिकारियों ने करीब एक लाख 9 हजार 500 सौ रुपये जुर्माना वसूला है। जानकारी देते हुए बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के नटवार रोड एवं थाना चौक के पास वाहन जांच पुलिस पदाधिकारी ने चलाया। जिस क्रम में पुलिस ने करीब 97 हजार रुपये का जुर्माना वसूला। तो वहीं दूसरी ओर दिनारा पुलिस ने भी वरीय अधिकारियों के दिशा निर्देश पर थाना क्षेत्र के कौवाखोच , धनसोई मोड़ एवं कुड़ चौक के पास वाहन जांच चलाया गया। जिस क्रम में पुलिस पदाधिकारी ने 12 हजार 500 सौ रुपये का जुर्माना वसूला। इसकी जानकारी दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने दी। दोनों थाना के थानाध्यक्षों ने बताया कि वाहन जांच के क्रम में वाहन चालकों का हेलमेट , ड्राइविंग लाइसेंस ,ऑनर बुक सहित अन्य बिंदुओं पर बारीकी से जांच की गई।

सरकारी कर्मियों के विरुद्ध चल रहे वादों के विचारण और निष्पादन में लाएं तेजी : डीएम अंलकृता पांडे

केटी न्यूज/नोखा

जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडे तथा एसपी अरविन्द प्रताप सिंह के संयुक्त अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला अभियोजन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्व प्रथम विगत बैठक की कार्यवाही की समीक्षा की गई। डीएम ने प्रत्येक श्रेणी के कम से कम 25-25 वादों को चिन्हित कर विचरण करने का निर्देश दिया गया। त्वरित एवं सामान्य विचरण में प्रति अभियोजन प्रत्येक में कम से कम 02-02 कांडो का निष्पादित कराने का लक्ष्य निर्धारित करने का निर्देश सभी अधिवक्ताओं को दिया गया। त्वरित एवं सामान्य विचारण के लिए लंबित कांडों में से सफाई साक्ष्य, बहस एवं निर्णय हेतु लंबित कांडों को अभियोजक बार सूची तैयार करने का निर्देश अपर समाहर्ता विभागीय जांच विनय कुमार सिंह को दिया गया। बैठक में वैसे कांड जो सिर्फ डॉक्टर -अनुसंधानकर्ता की गवाही के लिए शेष है उसकी अलग

से सूची तैयार करने हेतु ससमय न्यायालय में उपलब्ध कराने जाने के बिंदु पर भी विस्तार से समीक्षा की गई। सरकारी कर्मियों के विरुद्ध संचालित वादों के विचारण-निष्पादन में तेजी लाने तथा अभिलेख आदि एवं गवाहों की प्रस्तुति करने के बिंदु पर भी समीक्षा की गई। वादों कार्यालय निष्पादन की गति धीमी रहने-निष्पादित मामले में सजा का मामला अधिकांशतः शून्य रहने तथा रिहाई का मामला ज्यादा रहने के बिंदु पर समीक्षा की गई।

आंगनबाड़ी केंद्रों में सभी बच्चों का नामाकंन हो सुनिश्चत : मनोज

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत जमोढ़ी के हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर पर मुखिया मनोज कुमार की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत योजना क्रियान्वयन समिति जीपीपीएफटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पीरामल फाउंडेशन के जिला प्रोग्राम लीडर कुश कुमार ने बताया कि आगामी महीने परिवार नियोजन पखवाड़ा शुरू हो रही है । जो कि 11 जुलाई से 31 जुलाई तक चलेगी। साथ ही साथ एमडीए प्रोग्राम के अंतर्गत एमडीए दवा खिलाने के ऊपर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई । साथ ही साथ इसमें ग्राम पंचायत के सदस्य लोग भी अपने स्तर से जागरूकता समुदाय में फैलाएं और पंचायत स्तर पर संचालित जितने भी आंगनबाड़ी केंद्र हैं, सभी में बच्चों का नामांकन होना सुनिश्चित हो। साथ ही सभी गर्भवती माता एवं बच्चों को समय पर टीकाकरण होना सुनिश्चित हो। इसके लिए आशा ,आंगनवाड़ी दीदी एवं वार्ड के सदस्य सहयोग प्रदान करें। प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक अशोक कुमार ने बताया गया कि गांव में जितने भी अति कुपोषित बच्चे हैं उनका पहचान करके एनआरसी सासाराम भेजने की ऊपर चर्चा की गई और किसी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी दिक्कत होती है अस्पताल में बेहिचक संपर्क करें । क्योंकि सरकार के द्वारा स्वास्थ्य संबंधी योजनाएं मुफ्त में दी जा रही है ।

निर्धारित जगह पर रात 8:30 बजे से लेकर मध्य रात्रि 12 बजे के बीच लिया जाएगा खून का सैंपल

फाइलेरिया उन्मूलन के लिए भोजपुर से शुरू होगा नाइट ब्लड सर्वे

केटी न्यूज/आरा

माइक्रोफाइलेरिया पाए जाने पर चलेगा एमडीए अभियान

फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में फाइलेरिया के नए मरीजों की खोज की जाएगी। इसके लिए 27 जून से जिले में नाइट ब्लड सर्वे की शुरुआत की जानी है। इस दौरान नाइट ब्लड सर्वे में लोगों के रक्त के नमूने लिए जाएंगे और इसमें फाइलेरिया परजीवी की मौजूदगी का पता लगाया जाएगा। राज्य स्तरीय स्वास्थ्य अधिकारियों के निर्देश पर सर्वे से पूर्व जिला के सभी प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के लैब टेक्नीशियनों के लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया। जिसके लिए जिला स्तर पर प्रशिक्षण शिविर का अयोजन किया गया। प्रशिक्षण में लैब टेक्नीशियन को बताया गया कि नाइट ब्लड सर्वे के दौरान किस प्रकार खून के सैंपल लेने है। साथ ही, कितनी देर के अंदर और किस प्रकार से खून के सैंपल्स की माइक्रोस्कोप में जांच करनी है। प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन करते हुए एसीएमओ डॉ. केएन सिन्हा ने बताया कि जिले के 14 प्रखंड के अलावा सदर के शहरी क्षेत्र के सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर नाइट ब्लड सर्वे कार्य होगा। इसके लिए सभी प्रखंडों व शहरी क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एरिया में दो सेशन साइट बनेगें। एक सेशन साइट से तीन सौ रक्त नमूने लिए जाएंगे। उन्होंने बताया नाइट ब्लड सर्वे का कार्य चार दिनों तक चलेगा। प्रत्येक नाइट ब्लड सर्वे में 20 वर्ष आयु वर्ग से अधिक उम्र के लोगों के ब्लड सैंपल लिए जाएंगे। एक नाइट ब्लड सर्वे साइट पर 300 सैंपल जमा होगें। एक प्रखंड में एक सेंटिनल और एक रैंडम साइट का चयन कर एनबीएस का संचालन किया जाना है।

प्रशिक्षण में शामिल डीआईओ डॉ. संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि सर्वे के दौरान जिन इलाकों व गांवों में एक प्रतिशत से अधिक माइक्रोफाइलेरिया के संक्रमण की पुष्टि होगी वहां पर पर मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान चला जाएगा। एक प्रतिशत से कम आने पर उस जगह पर एमडीए अभियान नहीं चलेगा। उन्होंने बताया कि इस बीमारी में लक्षणों की पहचान बेहद जरूरी है। जिसकी जानकारी सभी लोगों को होनी चाहिए। संक्रमित व्यक्ति में बीमारी के लक्षण पांच से 15 साल तक में दिख सकते हैं। जिसके कारण इसका पता लोगों को देर से चलता है।

रात 8:30 बजे से लेकर 12 बजे तक लिया जाएगा सैंपल : डॉ. केएन सिन्हा ने बताया कि जिले के ग्रामीण व शहरी इलाकों में फाइलेरिया के कई मरीज मौजूद हैं। कई मरीजों में हाथीपांव के गंभीर मामले भी देखने को मिले हैं। उन्होंने बताया कि नाइट ब्लड सर्वे जिले में फाइलेरिया मरीजों को पता लगाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसा इसलिए निर्धारित किया गया है क्योंकि रात में फाइलेरिया के परजीवी सक्रिय रहते है। इसलिए निर्धारित साइट्स पर रात 8:30 बजे से लेकर मध्य रात्रि 12 बजे के बीच लोगों के खून का सैंपल लिया जाएगा।सर्वे की मदद से फाइलेरिया प्रसार दर का पता लगाया जाता है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य व शिक्षा विभाग की हुई समन्वय बैठक

♦ एक जुलाई से पूरे महीने में विशेष संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान

केटी न्यूज / गाजीपुर

संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर बुधवार को खंड शिक्षाधिकारी राजीव कुमार यादव की अध्यक्षता में ब्लाक संसाधन केंद्र के सभागार में स्वास्थ्य व शिक्षा विभाग की संयुक्त बैठक की गई। जिसमें एक जुलाई से पूरे महीने में विशेष संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान के साथ ही संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार के प्रभावी नियंत्रण व कार्रवाई के लिए कार्यक्रम की तैयारी, माइक्रो प्लानिंग, प्रशिक्षण व अन्य विषयों पर चर्चा की गई। बीईओ ने निर्देश दिया कि शिक्षा विभाग से जुड़े नोडल अध्यापक संचारी रोग नियंत्रण के लिए की जाने वाली गतिविधियों की कार्ययोजना तैयार कर स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराएंगे। अभियान के दौरान स्वच्छता, साफ-सफाई लेख सहित वेक्टर जनित वातावरण को समाप्त करने आदि गतिविधि की जाएगी। बीसीपीएम रियाज सुल्तान ने निर्देश दिया कि अभियान में आशा व

आंगनबाड़ी साथ में अनिवार्य रूप से हर घर का भ्रमण कर लोगों को संचारी रोग से बचाव के लिए जागरूक करेंगी तथा घर-घर जाकर बुखार रोगियों, आईएलआई क्षय रोग, कुष्ठ रोग तथा फाइलेरिया व कालाजार रोगों के प्रति संवेदीकरण का कार्य करेंगी। उक्त रोगों के लक्षणों वाले किसी व्यक्ति की सूचना प्राप्त होने पर उसकी सूची व्यक्ति का नाम, पता व मोबाइल नंबर सहित पूरा विवरण ई-कवच पोर्टल पर डिजिटल अपलोड करेंगे। बीईओ राजीव कुमार यादव इस दौरान सभी नोडल अध्यापकों से निपुण लक्ष्य के साथ ही शत-प्रतिशत नामांकन करने के टिप्स देते हुए सभी को पूरा करने का निर्देश दिया। अंत में कम्पोजिट विद्यालय मरदह की सहायक अध्यापिका माया सिंह के छोटे पुत्र व आदर्श इण्टर कॉलेज के लिपिक रहे प्रशांत सिहं के पिछले दिनों हार्टअटैक से आक्समिक निधन के उपरांत शोक सभा का आयोजन कर मृतक आत्मा की शांति हेतु दो मीनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना किया गया। इस मौके पर आनंद प्रकाश यादव, वेदप्रकाश पांडेय, महेंद्रनाथ यादव, शिवशंकर कुशवाहा, राजीव सिंह, अश्विनी, प्रभांस, अजय विक्रम सहित भारी संख्या में नोडल व प्रधानाध्यापक मौजूद रहे।

एक नजर

मुफ्त टैबलेट वितरण के एवज छात्रों से वसूले 500 रूपए, वीडियो वायरल

बलिया। चितबड़ागांव क्षेत्र के जमुना राम महाविद्यालय में योगी सरकार द्वारा मुफ्त टैबलेट वितरण के एवज में 500 रूपए प्रति छात्र वसूली का मामला बुधवार को प्रकाश में आया है। वहीं इस मामले में जिलाधिकारी ने जांच बैठाते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। छात्र–छात्राओं की मानें तो अंगद प्रसाद गुप्ता -प्राचार्य एवं बृजेश प्रसाद गुप्ता बतौर अध्यापक के रूप में कार्यरत हैं, ये दोनों लोग टैबलेट देने के एवज में पैसा लिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार जमुना राम महाविद्यालय चितबड़ागांव में छात्र-छात्राओं के सुविधा के लिए चार कैश काउंटर बनाए गए हैं। जिनमें काउंटर नंबर एक पर विजय शंकर तिवारी जो बीए पार्ट वन, बीएससी- एजी, काउंटर नंबर दो पर विनोद सिंह- बीए पार्ट -2 और एमए के छात्रों का, काउंटर नंबर 3 पर विनोद गुप्ता बीटीसी बीएड,एमएड व काउंटर नंबर चार पर एलएलबी की फीस ली जाती है। जबकि वायरल वीडियो में अंगद प्रसाद गुप्ता -प्राचार्य एवं बृजेश प्रसाद गुप्ता बतौर अध्यापक के रूप में कार्यरत हैं, ये दोनों लोग पैसा लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। वायरल वीडियो में छात्राएं स्वीकार कर रही हैं कि उनसे टैबलेट रजिस्ट्रेशन के लिए सभी से 500 लिया गया है। उक्त संबंध में विद्यालय के प्रबंधक डॉ धर्मात्मानंद से बात करने पर उनके द्वारा फोन काट दिया गया और मोबाइल स्विच ऑफ कर दिया गया।

खड़ंजा उखाड़ने एवं रास्ते को अवरूद्ध करने पर प्राथमिकी दर्ज

चितबड़ागांव। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत अख्तियारपुर में खड़ंजा उखाड़ने एवं रास्ते को अवरूद्ध करने के मामले में सहायक विकास अधिकारी ने सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत एक व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिक की दर्ज कराया एवं कार्रवाई की मांग की। सहायक विकास अधिकारी के दिए गए तहरीर के अनुसार ग्राम पंचायत अख्तियारपुर में विगत कुछ वर्ष पूर्व एक खड़ंजे का निर्माण रामनाथ यादव के घर से उमेश यादव के घर तक कराया गया था। इसी बीच उमेश यादव और अजीत यादव के बीच रास्ते को लेकर विवाद हो गया, जिसको लेकर ग्राम पंचायत द्वारा ग्रामीणों की उपस्थिति में एक पंचायत करके उसका समाधान करते हुए उक्त स्थल पर ग्राम पंचायत द्वारा कार्य करा दिया गया। 2 मई 2024 को उमेश कुमार यादव पुत्र अमरजीत यादव निवासी अख्तियारपुर द्वारा एक शिकायती पत्र द्वारा सहायक विकास अधिकारी को अवगत कराया गया कि उक्त खड़ंजे को गोवर्धन यादव पुत्र रामदेव यादव द्वारा उखाड़ दिया गया है और रास्ता अवरूद्ध कर दिया गया है। उक्त आवेदन पत्र का सत्यापन ग्राम विकास अधिकारी राम सहाय द्वारा कराया गया। जांच अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि गोवर्धन यादव पुत्र रामदेव यादव निवासी अख्तियारपुर ने खड़ंजा उखाड़ कर रास्ता अवरूद्ध कर दिया है। अतः इसके विरुद्ध उचित कार्रवाई की कृपा करें। जिसे संज्ञान में लेते हुए सहायक विकास अधिकारी ने सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत थाने में 25 जून को प्राथमिकी दर्ज कराई।

खड़ंजा उखाड़ने एवं रास्ते को अवरूद्ध करने पर प्राथमिकी दर्ज

चितबड़ागांव। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत अख्तियारपुर में खड़ंजा उखाड़ने एवं रास्ते को अवरूद्ध करने के मामले में सहायक विकास अधिकारी ने सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत एक व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिक की दर्ज कराया एवं कार्रवाई की मांग की। सहायक विकास अधिकारी के दिए गए तहरीर के अनुसार ग्राम पंचायत अख्तियारपुर में विगत कुछ वर्ष पूर्व एक खड़ंजे का निर्माण रामनाथ यादव के घर से उमेश यादव के घर तक कराया गया था। इसी बीच उमेश यादव और अजीत यादव के बीच रास्ते को लेकर विवाद हो गया, जिसको लेकर ग्राम पंचायत द्वारा ग्रामीणों की उपस्थिति में एक पंचायत करके उसका समाधान करते हुए उक्त स्थल पर ग्राम पंचायत द्वारा कार्य करा दिया गया। 2 मई 2024 को उमेश कुमार यादव पुत्र अमरजीत यादव निवासी अख्तियारपुर द्वारा एक शिकायती पत्र द्वारा सहायक विकास अधिकारी को अवगत कराया गया कि उक्त खड़ंजे को गोवर्धन यादव पुत्र रामदेव यादव द्वारा उखाड़ दिया गया है और रास्ता अवरूद्ध कर दिया गया है। उक्त आवेदन पत्र का सत्यापन ग्राम विकास अधिकारी राम सहाय द्वारा कराया गया। जांच अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि गोवर्धन यादव पुत्र रामदेव यादव निवासी अख्तियारपुर ने खड़ंजा उखाड़ कर रास्ता अवरूद्ध कर दिया है। अतः इसके विरुद्ध उचित कार्रवाई की कृपा करें।

सामूहिक बलात्कार के तीन आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, एक फरार

बलिया। शहर कोतवाली क्षेत्र में एक 14 वषीर्या किशोरी के साथ हुए सामूहिक बलात्कार और जान से मारने की धमकी देने के मामले में कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि एक आरोपी फरार चल रहा है। पुलिस के अनुसार बलिया जिले के खेजुरी थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी शहर कोतवाली क्षेत्र में अपने परिवार के साथ रहकर एक स्कूल में पढ़ती है। किशोरी की दोस्ती पढ़ाई के दौरान अश्वराय मिश्रा से हो गई। किशोरी गत 21 जून की अपरान्ह अश्वराय मिश्रा से मिलने गई थी। जिसे अश्वराय मिश्रा एक मकान पर ले गया। जहां अश्वराय मिश्रा और उसके तीन दोस्त राहुल यादव, जय सिंह और रवि सिंह ने किशोरी के साथ बारी-बारी से बलात्कार किया। इसके बाद आरोपियों ने किशोरी को धमकी दिया कि यदि उसने किसी को घटना के बारे में कुछ बताई तो उसे जान से मार देंगे। किशोरी किसी तरह से भागकर घर पहुंची और अपने पिता को घटना की जानकारी दी।

खबरें फटाफट

आरोपी के घर 82 का नोटिस चस्पा

चितबड़ागांव। एनडीपीएस एक्ट में फरार चल रहे आरोपी के मालवीय नगर स्थित घर में चितबड़ागांव थाने की पुलिस ने बुधवार को 82 का नोटिस चस्पा किया। आरोपी का नाम प्रिंस सिंह पुत्र अनिल सिंह जो एनडीपीएस एक्ट के मामले में काफी दिनों से फरार चल रहा है। ऐसे में बुधवार को न्यायालय के आदेश पर चितबड़ागांव थाने की पुलिस ने 82 का नोटिस चस्पा किया है।

स्ट्रीट लाइट की धनराशि गबन में प्रधान को नोटिस

बलिया। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने हनुमानगंज ब्लॉक के सागरपाली की प्रधान को स्ट्रीट लाइट धनराशि गबन के मामले में नोटिस जारी किया है। डीएम ने यह कार्रवाई अधिकारियों की जांच रिपोर्ट के आधार पर की है। सागरपाली गांव निवासी भैया धनंजय सिंह ने करीब एक वर्ष पहले डीएम को शिकायती पत्र देकर गांव में हुए विकास कार्यों में गड़बड़ी का आरोप लगाया था।

उर्दू विभाग की स्थापना हेतु कुलपति को ज्ञापन सौंपा

बलिया। अंजुमन तरक्की ए उर्दू बलिया का एक प्रतिनिधिमंडल डॉ. हैदर अली खान के नेतृत्व में बुधवार को जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. संजीत कुमार गुप्ता से मिला और विश्वविद्यालय में उर्दू विभाग की स्थापना कर शिक्षण व शोध प्रारम्भ करने के लिए ज्ञापन सौंपा। डॉ. अब्दुल अवल ने अंजुमन तरक्की ए उर्दू बलिया द्वारा उर्दू के प्रचार–प्रसार एवं विकास में किये गये कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उर्दू को एक ऐसी भारतीय भाषा बताया, जिसका स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों एवं उर्दू प्रेमियों का परिचय कराया। डॉ हैदर अली खान ने बीएचयू में उर्दू विभाग की स्थापना के समय उर्दू विरोधियों को पं मदन मोहन मालवीय का यह जवाब उद्धरित किया कि मैं एक विश्वविद्यालय खोल रहा हूं, जहां दुनिया के सभी ज्ञान विज्ञान और भाषाएं पढ़ाई जाएंगी।

कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बेसिक शिक्षा-जिला टास्क फोर्स की बैठक

निजी स्कूलों में गरीब बच्चों के एडमिशन से जुड़ी शिकायतें तुरंत निस्तारित करें: डीएम

♦ निर्धारित निरीक्षण के लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/बलिया

जिलाधिकारी रवींद्र कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बेसिक शिक्षा-जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अतिरिक्त कक्षा-कक्ष निर्माण प्रोग्रेस रिपोर्ट, बीआरसी की मरम्मत, पीएम श्री के तहत विद्यालयों के निर्माण की प्रगति रिपोर्ट, डीबीटी की फ्रेश पेंडेंसी और वेरीफिकेशन-2024, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के विभिन्न पैरामीटर पर सेचुरेशन और ऑपरेशन कायाकल्प में 19 पैरामीटर पर स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर आदि की समीक्षा की गई। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि रसोइयों के फरवरी माह के मानदेय का भुगतान हो चुका है और जून 2024 तक खाद्यान्न का उठान भी हो गया है।

जिलाधिकारी ने सत्र 2024-25 में शिक्षा के अधिकार के तहत निजी स्कूलों में गरीब बच्चों के होने वाले एडमिशन के संबंध में आने वाली शिकायतों व समस्याओं को निस्तारित कराने हेतु सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया। शिक्षा के अधिकार के तहत गरीब बच्चों के एडमिशन के संबंध में जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को समीक्षा कर विद्यालयवार रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्कूलों के निरीक्षण में जिला टास्क फोर्स और ब्लॉक टास्क फोर्स के अंतर्गत आने वाले अधिकारियों को निर्धारित निरीक्षण के लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया।

अतिरिक्त कक्षा-कक्ष निर्माण प्रोग्रेस रिपोर्ट की समीक्षा के दौरान उन्होंने जिन स्कूलों के एबीएसए और अध्यापक की वजह से पैसा वापस गया है उन सभी पर कार्रवाई करते हुए शासन में रिपोर्ट भेजने का निर्देश बीएसए को दिया। जिलाधिकारी ने स्कूलों में डीबीटी पेंडेंसी एनालिटिक्स में बच्चों के आधार वेरीफिकेशन की लंबित मामलें को निस्तारित करने एवं एआरपी की उपलब्धता और शिक्षण सामग्री मुहैया कराने में प्रगति लाकर जनपद की रैंकिंग में सुधार करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के 31 बिंदुओं के सापेक्ष कम सेचुरेशन वाले ब्लॉकों को प्रगति लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षा महानिदेशक, उत्तर प्रदेश के द्वारा 25 से 30 जून के बीच स्कूलों में विभिन्न कार्रवाइयों के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया गया है, जिसका जनपद में शिक्षा विभाग द्वारा कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराना है।

उन्होंने 28 जून को खुलने वाले स्कूलों में प्रत्येक अध्यापक की उपस्थिति के लिए सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारियों को फील्ड में रहने और जांच करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि निपुण भारत मिशन में जितने भी पैरामीटर हैं उनमें से सबसे कम प्रदर्शन करने वाले खंड शिक्षा अधिकारियों की सूची बनाई जाए कि वे किन-किन पैरामीटर में पीछे हैं, तभी स्पष्ट जिम्मेदारी तय हो सकेगी। इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज,बेसिक शिक्षा अधिकारी मनीष सिंह सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जिला सलाहकार समिति एवं बैंकर्स समिति की बैठक

बलिया। वित्तीय वर्ष 2023–24, में किये गए कार्यों की समीक्षा जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार की अध्यक्षता में जिला सलाहकार समिति एवं बैंकर्स समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। इस बैठक में जिलाधिकारी द्वारा बैंक एवं शासन की योजनाओ की बिन्दुवार समीक्षा की गई। बैठक में ऋण जमानुपात, जिले में काम कर रहे प्रत्येक बैंक शाखाओं एवं बैंक एटीएम, बैंक मित्रों के कार्य, माटीकला,मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एनआरएलएम, मुद्रा योजना, माइक्रो लोन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना आदि के द्वारा प्राप्त लक्ष्य की समीक्षा की और आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिया। उन्होंने कहा कि जिन बैंकों के सीडी रेशियों 40 प्रतिशत से कम है, वे सभी बैंक के अधिकारी कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य को प्राप्त करें। साथ ही विभिन्न बैंकों में लंबित आवेदनों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी के द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में आम आदमी को लोन प्राप्त करने के लिए काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, उन्होंने लोगों को आसानी से लोन मिल सके इसके लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज,सीआरओ त्रिभुवन, सिटी मजिस्ट्रेट इंद्रकांत द्विवेदी सहित अन्य अधिकारी और बैंकर्स मौजूद रहे।

29 जून को व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनेगी भामाशाह की जयंती

बलिया। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में दानवीर भामाशाह की जयंती को व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाये जाने को लेकर बैठक की गई। शासन के निदेर्शानुसार यह 29 जून को मनाया जाएगा। यह कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी द्वारा इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कराने के लिए नोडल अधिकारी नामित किया गया। उन्होंने इन्वेस्टर्स समिट और उद्यमियों का चयन कर उनको सम्मानित करने हेतु राज्य कर विभाग और उद्योग मित्र को निर्देशित किया। उन्होंने डीसी एनआरएलएम को कलेक्ट्रेट सभागार के बाहर बरामदे में स्वयं सहायता समूह के द्वारा बनाये गये उत्पादों की प्रदर्शनी लगाने के लिए नोडल नामित किया।ओडीओपी टूलकिट के लिए उन्होंने जीएम डीआईसी को निर्देशित किया।यहां पर दानवीर भामाशाह की जीवन यात्रा से संबंधित अभिलेखों की प्रदर्शनी भी कार्यक्रम स्थल पर लगाई जाएगी। उन्होंने कार्यक्रम में नृत्य,नाटक एवं स्थानीय कला से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक को नोडल नामित किया। उन्होंने इस कार्यक्रम से संबंधित विभागों के अधिकारियों को दी गई जिम्मेदारियों का पूर्ण रूप से निर्वहन करते हुए कार्यक्रम को संपन्न कराने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज, सीआरओ त्रिभुवन, सिटी मजिस्ट्रेट इंद्रकांत द्विवेदी,जीएमडीआईसी मायाराम सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बच्चछलपुर गंगा घाट पर नदी में स्नान करते किशोर डूबा

गाजीपुर। मुहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के बच्चानपुर गांव के पास 16 वर्षीय बालक गंगा नदी में स्नान करते वक्त डूब गया। बालक के डूबने की सूचना पर मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हो गए। सूचना मिलने के बाद पहुंची कोतवाली पुलिस ने नदी में गोताखोरों की मदद से बालक की तलाश में जुट गई। बता दें कि कोतवाली क्षेत्र के बड़की बारी गांव का रहने वाला हरेंद्र यादव (16) पुत्र अखिलेश यादव गंगा स्नान करने गया था कि गहरे पानी में चले जाने के कारण वह डूब गया। अगल-बगल स्नान करने वाले लोगों ने उसे डूबता देख चिल्लाने लगे

आवाज सुनकर नदी किनारे ग्रामीणों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। हरेंद्र यादव तीन भाई में सबसे छोटा था। उसके डूबने की खबर सुनकर परिवारीजनों में कोहराम मच गया। समाचार लिखे जाने तक गंगा में डूबे हरेंद्र की तलाश जारी थी।

रेलवे ट्रैक पर अज्ञात महिला की मिली लाश

गाजीपुर। जमानियां कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत हरबलमपुर गांव के सामने रेलवे ट्रैक पर बुधवार को एक 35 वर्षीय अज्ञात महिला का छत-विक्षत शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना पर घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठी हो गई। घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीणों ने जब इसकी सूचना पुलिस को दी तो महकमें में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को ट्रैक से किसी तरह हटवाया। हालांकि इस दौरान ट्रेन के परिचालन में किसी तरह का व्यवधान नहीं हुआ। पुलिस ने शव के शिनाख्त के लिए काफी प्रयास किया, मगर नहीं हो सका। इसके बाद मृत महिला के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने गाजीपुर स्थित मर्चरी हाउस में उसकी पहचान होने के लिए अगले 72 घंटे के लिए सुरक्षित रखवा दिया।

पुण्यतिथि पर याद किए गए किसान आंदोलन के प्रणेता स्वामी सहजानन्द सरस्वती

सर्वहारा वर्ग के मसीहा थे स्वामी सहजानन्द सरस्वती : प्रो. अजय राय

केटी न्यूज/ गाजीपुर

भारत वर्ष के किसान आंदोलन के प्रणेता तथा स्वाधीनता आंदोलन के दौरान सामाजिक-राजनैतिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य के शिखर पुरुष स्वामी सहजानन्द सरस्वती (1889-1950) की 74वीं पुण्यतिथि बुधवार को स्वामी सहजानन्द पीजी कालेज गाजीपुर में समारोह पूर्वक मनाई गयी। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर स्थित स्वामी जी के मंदिर में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा श्रद्धा स्वरूप स्वामी जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण किया गया। पुण्यतिथि पर अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक तथा अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय राय ने स्वामी जी को दीन- दलित- मजदूर सहित सर्वहारा वर्ग का मसीहा बताया तथा स्वाधीनता आंदोलन के दौरान उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। समीर राय ने स्वामी जी को भारत में संगठित किसान आंदोलन का जनक बताते हुए उन्हें खेतिहर मजदूर वर्ग का समर्थक कहा। कार्यक्रम में प्रो. अजय राय, रामधारी राम, डॉ. विलोक सिंह, डॉ. सुरेश प्रजापति, शशांक राय, सतेंद्र बहादुर राय, समीर राय, शरद राय, संजय कुमार राय आदि उपस्थित थे।

सहजानंद सरस्वती किसानों के मसीहा थे, हमें उनके बताए मार्गो पर चलना चाहिए : स्वामी अनंतानंद

गाजीपुर। दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के देवा गांव में स्वामी सहजानंद सरस्वती के निर्वाण दिवस एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित की गई। वाराणसी राजगुरु मठ के पीठाधीश्वर शंकराचार्य अनंतानंद सरस्वती आज सुबह दुल्लहपुर रेलवे स्टेशन के बाहर स्थित स्वामी सहजानंद सरस्वती की प्रतिमा पर विधिवत पूजन अर्चन किए। उपस्थित लोगों को प्रसाद के वितरण किया। साथ ही बीजेपी के वरिष्ठ नेता अनिल कुमार पांडेय, सरोज मिश्रा, दीपक चौरसिया, विजय त्रिपाठी, मनोज यादव, सरवन सिंह, शारदा राय, अरविंद राय माल्यार्पण किए। इसके बाद बिहार, वाराणसी सहित कई जिलों के आए वीआईपी के साथ पीठाधीश्वर स्वामी अनंता नंद सरस्वती देवा गांव स्थित स्वामी सहजानंद सरस्वती के जन्मस्थली गांव पहुंचे और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ ही स्वामी सहजानंद के वंशज के साथ वैदिक मंत्रों के बाद स्वामी सहजानंद की प्रतिमा को स्नान कराने के बाद वस्त्र धारण कराए और विधवक पूजन- अर्चन किया। इस मौके पर पीठाधीश्वर अनंतानंद सरस्वती ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती विश्व में एकमात्र ऐसे महापुरुष थे, जिन्होंने किसानों को भगवान कहा और किसानों को भगवान इसलिए कहे की बिना अन्न का कोई भी मानव इस पृथ्वी पर जीवित ज्यादा दिन तक नहीं रह सकता। किसान कठिन मेहनत परिश्रम के बाद अन्न उगता है, जिसको गरीब से लेकर आमीर, राजा–महाराजाओं तक का पेट भरता है। किसानों के अलख जगाने वाले स्वामी जी ने किसानों के हक की लड़ाई के लिए तमाम आंदोलनों में भाग लिए और महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू सहित कई महापुरुषों के साथ रहे हैं।

मुहम्मदाबाद तहसील में तैनात राजस्व लेखपाल सुरेंद्र सिंह 5000 रु. घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

केटी न्यूज / गाजीपुर

मुहम्मदाबाद तहसील में तैनात राजस्व लेखपाल / रिकॉर्ड कीपर सुरेंद्र सिंह यादव को एंटी करप्शन टीम ने बुधवार को 5000 घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। एंटी करप्शन टीम ने गिरफ्तार लेखपाल को मुहम्मदाबाद कोतवाली में ले जाकर दाखिल किया, जहां पर एंटी करप्शन टीम के प्रभारी सहबिर सिंह ने वादी बनकर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कराया।

विदित हो की करीमुद्दीनपुर गांव निवासी शिवकुमार सिन्हा पुत्र रविंद्र नाथ सिन्हा जो की चित्रगुप्त मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं। चित्रगुप्त मंदिर के पास कुछ जमीन थी जिसमें 108 एयर जमीन ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस- वे में चली गई थी। इसकी कीमत 27 लाख रुपये के लगभग बताई गई। इसके अधिग्रहण के बाद मुआवजे की फाइल को आगे बढ़ाने के एवज में रिकॉर्ड कीपर का काम देख रहे लेखपाल सुरेंद्र सिंह यादव ने ?5000 रिश्वत की मांग की। जिस पर नाराज होकर शिवकुमार सिंह ने एंटी करप्शन टीम वाराणसी को लिखित शिकायत दर्ज कराया।

एंटी करप्शन टीम ने बुधवार को सहबीर सिंह के नेतृत्व में तहसील मुहम्मदाबाद में जाकर उक्त लेखपाल सुरेंद्र सिंह यादव को पांच हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। उधर तलाशी के

दौरान उसके पैकेट से 19000 नगद बरामद किया गया। उक्त कार्रवाई से तहसील परिसर में हड़कंप मच गया। मुहम्मदाबाद कोतवाली में बंद अपने साथी को देखने के लिए पूरे दिन लेखपाल कोतवाली परिसर में जमावड़ा लगाए रहे। उधर लोगों में चर्चा था कि मुहम्मदाबाद तहसील भ्रष्टाचार के मामले में नंबर वन था। किसी काम के लिए बगैर पैसे लिए कोई भी कर्मचारी कार्य नहीं करते थे। एंटी करप्शन टीम के सदस्यों में प्रमुख रूप से मैनेजर सिंह, प्रमोद कुमार, नीरज सिंह, शैलेंद्र कुमार राय, विनोद कुमार, अजय यादव, आशीष शुक्ला, मिथिलेश यादव, सूरज गुप्ता, चालक अश्वनी कुमार, चालक विनय कुमार शामिल रहे।

9 साल के प्रभात रंजीत बने एक दिन के लिए वाराणसी जोन के एडीजी, दिए निर्देश

- कैंसर पीड़ित रंजीत कुमार भारती ने एडीजी जोन की वर्दी में एडीजी कार्यालय पहुंच संभाला कार्यभार
- लाव-लश्कर के साथ आफिस से निकलकर आसपास का क्षेत्र घूमा

केटी न्यूज / वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 9 साल के बच्चे को एक दिन के लिए एडीजी जोन बनाया गया। इस दौरान कैंसर पीड़ित प्रभात रंजीत भारती एडीजी जोन की वर्दी में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कार्यालय पहुंचे और वहां अपना कार्यभार संभाला। इस खास पल के दौरान एडीजी ऑफिस में सभी अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। दरसअल, वाराणसी के एडीजी जोन पीयूष मोर्डियो ने अपने विशेष अधिकार का प्रयोग कर कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे रंजीत कुमार भारती को वाराणसी जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक का कार्यभार दिया था।

कार्यभार संभालने के बाद एडीजी ऑफिस के पुलिसकर्मियों ने 9 साल के रंजीत को सलामी दी। चार्ज संभालने के बाद रंजीत ने एडीजी ऑफिस के अफसरों से बातचीत की और उन्हें कुछ जरूरी निर्देश भी दिए। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में नन्हा अधिकारी जिधर से गुजरा लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। रंजीत ने एडीजी ऑफिस के अफसर और कर्मचारियों को प्राथमिकता के तौर पर जनता की शिकायतों को सुनने और उसे गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द निस्तारण की बात कही। इस दौरान एडीजी ऑफिस के अफसरों ने सैल्यूट देकर उन्हें इन निर्देशों का पालन करने के लिए आश्वस्त किया।

एसीपी प्रद्युम्न जैसा महसूस कर रहे हैं : प्रभात

प्रभात के लिए आइपीएस की वर्दी, जूते बनवाए गए। कैंटोनमेंट स्थित एडीजी जोन आफिस पहुंचने पर वहां तैनात पुलिस कर्मियों ने सैल्यूट किया। बाकायदा चार्ज देकर एडीजी की कुर्सी पर बिठाया गया। थोडी देर बाद कार्यालय में समय बिताने के बाद प्रभात ने कानून व्यवस्था का निरीक्षण करने की इच्छा जताई। उसके लिए तत्काल जिप्सी उपलब्ध कराई गई और लाव-लश्कर के साथ आफिस से निकलकर आसपास से क्षेत्र का भ्रमण किया। वर्दी में सजे-धजे नन्हे पुलिस अधिकारी प्रभात ने अपनी अनुभूति को व्यक्त करते हुए कहा वह खुद को टीवी धारावाहिक सीआइडी का एसीपी प्रद्युम्न जैसा महसूस कर रहे हैं।

सभी कर्मचारियों और अफसरों से की बात

रंजीत वाराणसी जोन के महानिदेशक ऑफिस में तैनात सभी अफसर और कर्मचारियों से मिले और पुलिस के वैन में घूमकर भी जानकारी ली। एडीजी जोन वाराणसी पीयूष मोर्डियो ने बताया कि रंजीत कैंसर से पीड़ित हैं और उनकी हौसला अफजाई के लिए उन्हें एक दिन के लिए पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन का पदभार दिया गया था। उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ और मां गंगा से यही कामना है कि रंजीत इस खतरनाक बीमारी को मात दें सकें।

एक नजर

चंदौली में नशे की लत से समाज को दूर करने की पुलिसकर्मियों ने ली शपथ

चंदौली। नशा निषेध दिवस पर अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन ने बुधवार को पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों को शपथ दिलाई। इसके साथ ही

जनपद के समस्त थानों व कार्यालयों में बुधवार को पुलिसकर्मियों को शपथ दिलाई गई कि वे नशीली दवाओं व नशे से दूर रहने के बारे में जागरूकता फैलाने का काम करेंगे। विदित हो कि नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा 12 जून से 26 जून के बीच चलाये जा रहे नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के दौरान नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए विशेष मुहिम चलाई गई है, ताकि नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए लोगों को नशे से दूर रहने के लिए सजग किया जा सके। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन चन्दौली विनय कुमार सिंह ने बताया कि चन्दौली में भी नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाया गया है। बताया कि 26 जून को विश्व नशा मुक्ति दिवस पर जनपद के समस्त थाना व कार्यालयों में पुलिस कर्मियों को नशे से दूर रहने तथा जनता को नशा व नशीली दवाओं के दुष्परिणाम के बारे में जागरूक करने की शपथ दिलाई। बताया कि हर वर्ष 26 जून का दिन दुनियाभर में नशा निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है। नशे की लत बहुत ही बुरी होती है जिससे निकलना बहुत मुश्किल होता है। आज युवा वर्ग इससे सबसे ज्यादा प्रभावित है। नशा कोई भी हो वो आपकी सेहत और मेंटल हेल्थ पर बहुत बुरा प्रभाव डालता है। जिसे देखते हुए नशे के दुष्प्रभावों को बताना और उन्हें रोकना है।

65 लाख रुपए की हेरोइन के साथ तस्कर चढ़ा पुलिस के हत्थे

चंदौली। धानापुर थानाध्यक्ष प्रशांत सिंह के नेतृत्व में चल रहे चेकिंग अभियान में बुधवार को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गुरैनी पम्प कैनाल के पास से एक हीरोइन तस्कर को धर दबोचा, जिसके पास से एक पाउच में 260 ग्राम हीरोइन बरामद किया गया। जिसकी अन्तर्राष्ट्रीय कीमत लगभग 65 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर तस्कर को जेल भेज दिया। दरअसल उपनिरीक्षक रमेश यादव पुलिस टीम व एएनटीएफ गाजीपुर व आपरेशनल यूनिट वाराणसी की संयुक्त टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ लेकर थाना क्षेत्र के मन्नी पट्टी नहर पुलिया गुरैनी पम्प कैनाल के पास बैठा है और किसी को बेचने वाला है। सूचना पर पुलिस टीम मन्नी पट्टी नहर पुलिया गुरैनी पम्प कैनाल के पास पहुंची कि पुलिस टीम को अचानक अपने तरफ आता देखकर हीरोइन तस्कर भागना भागने लगा, जिससे पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया। जिसकी पहचान जमानियां थाना क्षेत्र के भैदपुर गांव निवासी के रूप हुई। पुलिस ने जब उसका तलाशी लिया तो उसके पास से एक पन्नी में भूरे रंग का पाऊडर बरामद किया गया, जो नशीला पाउडर हिरोइन था। जिसका वजन किया गया तो कुल 260 ग्राम पाया गया। पकड़े गये तस्कर से बरामद हिरोईन के बाबत वैध कागजात मांगा गया तो कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर पाया। पूछताछ में उसने बताया कि वह बिहार व झारखण्ड प्रांत से खरीदकर छोटी छोटी पुड़िया बनाकर आस पास के जनपदों व गांवों में बेचता है। पुलिस ने उक्त तस्कर को गिरफ्तार कर विभिन्न धाराओं में जेल भेज दिया। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष एएनटीएफ जनपद गाजीपुर सुरेश गिरी, उपनिरीक्षक रामनक्षत्र, केशव प्रसाद सिंह, महेश तिवारी, अमित चौरसिया, सुनील त्रिपाठी, इन्द्रजीत कुमार, आनन्द तिवारी, शक्तिधर पाण्डेय, मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

न्यायालय निर्माण की मांग को लेकर न्यायिक कार्य से हटे अधिवक्ता

चंदौली। संयुक्त बार एसोसिएशन की बैठक बुधवार को अध्यक्ष राकेश रत्न तिवारी व शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान अध्यक्ष राकेश रत्न तिवारी ने न्यायालय निर्माण न होने से न्यायालय का कार्य तहसील परिसर व अन्य जगहों पर संचालित हो रहा है, जहां समुचित व्यवस्था न होने के कारण बुधवार को बारिश के कारण कचहरी परिसर में जलजमाव व पानी की समुचित निकासी न होने के कारण अधिवक्ता न्यायिक कार्य करने में असमर्थ है जिसको लेकर अधिवक्ताओं में रोष व्याप्त है। अधिवक्ताओं ने मांग किया कि अविलम्ब जिला न्यायालय का निर्माण कराया जाय। अंत में अधिवक्ताओं ने सर्वसम्मति से न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया। इस अवसर पर अनिल कुमार सिंह, राजेंद्र तिवारी, राज बहादुर सिंह, श्रीनिवास पांडेय, जय प्रकाश सिंह, विनय सिंह, मुरली मौर्य, अजय कुमार मौर्य, अमित, कामता यादव, संतोष कुमार सिंह, राहुल सिंह, सुरेश सिंह, इमरान सिद्दीकी, दिनेश यादव, सत्यप्रकाश, चन्द्रभानु सिंह, उज्जवल सिंह आदि उपस्थित रहे। संचालन महामंत्री हरेंद्र प्रताप सिंह ने किया।

कृषि केंद्र व एग्री जंक्शन के लिए करें आवेदन

चंदौली। जिले के उप कृषि निदेशक ने बताया कि प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलंबन योजना वर्ष 2024-25 अन्तर्गत जनपद चंदौली के सभी विकास खंडों पर कृषि केन्द्र व एग्री जंक्शन की स्थापना हेतु कृषि स्नातक, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन स्नातक, स्नातक जो कृषि एवं सहबद्ध विषयों यथा उद्यान, पशुपालन, वानिकी, दुग्ध, पशुचिकित्सा, मुर्गी पालन आदि शैक्षिक योग्यता प्राप्त युवा पात्र होंगे। इसके अतिरिक्त अनुभव प्राप्त डिप्लोमाधारी व कृषि विषय में इंटरमीडिएट योग्य प्रार्थी पर भी विचार किया जाएगा, जिनकी उम्र 40 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

हाल चंदौली का... नगर पंचायत अध्यक्ष सहित विभागीय अधिकारी कुंभकर्णी निद्रा में लीन

पहली बरसात ने पालिका के साफ सफाई की खोली कलई, जलमग्न हुआ दीनदयाल नगर

- नगर के लॉट नम्बर 1, जायसवाल स्कूल रोड, महमूदपुर, सर्कस रोड, चंधासी, पथरा, 40 फीट रोड, हानुमानपुर, आदि इलाका हो गया पूरा जलमग्न

केटी न्यूज / चंदौली

आसमान से लगातार दो माह से बरस रहे अंगारे व भीषण गर्मी ने निजात पाने के लिये इंद्रदेव के कृपा की आस लगाये लोगों को बुधवार की रात्रि हुए मानसून की पहली बरसात ने जहां किसानों के चेहरे पर मुस्कान ला दी है वहीं नगर पालिका परिषद के लोगों को गर्मी से कुछ राहत तो जरूर मिली लेकिन पालिका द्वारा बरसात पूर्व नालियों की समुचित साफ सफाई नहीं किये जाने से सड़कों पर जमा बरसात का पानी मुसीबत बन रही है। नगर के लॉट नम्बर 1, जायसवाल स्कूल रोड, महमूदपुर, सर्कस रोड, चंधासी,पथरा, 40 फीट रोड, हानुमानपुर, मुस्लिम महाल आदि इलाका पूरा का पूरा जलमग्न हो गया। हकांकि बरसात भी काफी हुई लेकिन नालियां जाम होने के कारण पानी की निकासी नहीं हुई जिससे इस प्रकार की स्थिति बन गई।विदित हो कि मंगलवार की रात्रि 12 बजे के बाद से गरज

चमक के साथ हुई भयंकर बरसात के बीच कई बार अकाशीय बिजली भी गिरी। कई जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने से विद्युत ट्रांसफॉर्मरों के डीओ उड़ गए जिससे पूरा शहर अंधेरे में डूब गया। इस प्रकार बादल कड़कने व आकाशीय बिजली गिरने से लोग रातभर दहशत में रहे। 12 बजे रात्रि से शुरू हुई बरसात उसी वेग से लगभग 5:30 बजे तक होती रही। जिससे छोटे मोटे गड्ढे,पोखरे आदि पूरी तथ भर चुके हैं। नालियां ओवरफ्लो होकर उसका गंदा पानी सड़क पर जम गया है। जिससे कहीं कहीं सड़क पूरी तरह नहर में तब्दील हो गया था। लोग घरों में कैद होकर रह गए थे। लगभग 4-6 घण्टे के बाद धीरे धीरे पानी निकलने के बाद लोग घरों से निकल पाये। लोगों का कहना है कि पालिका द्वारा पूर्व में बरसात के पहले नाले की अच्छे से सफाई की जाती थी लेकिन विगत कुछ वर्षों से सफाई के नाम पर कुछ नहीं किया जाता सिर्फ खानापूर्ति भर कर दी जाती है। ऐसे में लोगों ने नालियों के सफाई की मांग की है।

पोखरे में तब्दील हुई कजगांव नगर पंचायत की सड़क, राहगीर परेशान

जौनपुर। जिले के कजगांव नगर पंचायत में निमार्णाधीन पंचायत कार्यालय के समीप स्थित सम्पर्क मार्ग पर पानी डूबने के कारण इस मार्ग पर आने-जाने वाले लोगों के मुसीबत का कारण बना

हुआ है कब किसकी इस मार्ग पर गिरने से मौत हो जाय कुछ भी नही कहाँ जा सकता यह सड़क लोगों को मौत का दावत भी दे रहा है बताया जाता है कि सड़क के किनारे नगर पंचायत द्वारा बाजार का कूड़ा कचरा फेके जाने से इस सम्पर्क मार्ग से आवागमन करने वाले राहगीर कूड़े के बदबू से भी पुरी तरह से परेशान नजर आते है। उपरोक्त समस्या का निराकरण करने की बजाय नगर पंचायत अध्यक्ष सहित सभी जिम्मेदार लोग पूरी तरह से कुम्भकर्णी निद्रा में लीन पड़े हुए हैं।मालूम हो कि नगर पंचायत में कचरा स्थल न होने के कारण हर दिन कस्बे से निकलने वाले कूड़ा कचरा को निमार्णाधीन पंचायत कार्यालय के समीप स्थित सम्पर्क मार्ग के किनारे फेका जाता है। कूडा निस्तारण की व्यवस्था न होने के कारण सड़क के किनारे फेका गया कूड़ा-कचरा सड़क पर आ जाता है जिसके चलते इस समय सड़क पर भयंकर रूप से पानी डूबा हुआ है जिससे राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है उक्त प्रकरण की ओर क्षेत्रवासियों ने विभागीय लोगों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अतिशीघ्र इस प्रकार की समस्या का निस्तारण कराने की मांग की है।

किसान आंदोलन के जनक थे स्वामी सहजानंद सरस्वती

केटी न्यूज/चंदौली

किसान एवं मजदूरों के मसीहा स्वामी सहजानंद सरस्वती की 74वीं पुण्यतिथि पर बुधवार को ग्राम नौबतपुर में गोष्ठी का आयोजन किया गया।इसमें भूमिहार ब्राह्मण युवा सेना द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्वामी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

इस दौरान भूमिहार ब्राह्मण युवा सेना के सदस्य अखिलेश सिंह शांडिल्य ने कहा कि स्वामी जी किसान आंदोलन के जनक थे। वे स्वतंत्रता संग्राम से लेकर किसान आंदोलन में अपनी भूमिका निभाई। आजाद भारत में उन्होंने किसान-मजदूरों की खाई को पाटने के लिए कई कदम उठाए। जमींदारी प्रथा के उन्मूलन करने में उन्होंने प्रमुख भूमिका निभाई। वे आजीवन किसानों के हित के लिए जमींदारों से संघर्ष करते रहे। किसान मजदूरों के खेत में हरिआली एवं चेहरे पर खुशहाली लाने के लिए वे सदैव संघर्षरत रहे। पूर्व प्रधान अलख राय ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वामी को समाज के सभी वर्गों के सुख चैन की चिंता रहती थी। इसी वजह से उन्हें प्रख्यात समाज सुधारक के रूप में भी जाना जाता है। वे सादा जीवन उच्च विचार के धनी थे। उनके जीवन आदर्श से आज भी लोगों को प्रेरणा लेने की जरूरत है। इस दौरान अमित सिंह मिंटू, जुगनू सिंह,अंकित सिंह हनी, पमंपम राय, राजन सिंह उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन को लेकर सरकार के फैसले पर माध्यमिक शिक्षक संघ ने जताई खुशी

जौनपुर। यूपी केबिनेट ने एक अप्रैल 2005 से पूर्व नियुक्त हुए कर्मचारियों को पुरानी पेंसन सुबिधा लागू करने के फैसले पर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा संघ ने खुशी जताई है। लेकिन

साथ ही एक अप्रैल 2005 के बाद नियुक्त हुए कर्मचारियों को भी लाभ देने की मांग की है। आपको बता दे मंगलवार को योगी आदित्यनाथ की कैबिनेट ने बड़ा फैसला लिया है। 28 मार्च 2005 से पहले जिन नौकरियों के लिए विज्ञापन हुआ था।चाहे उनकी नियुक्ति 1 अप्रैल 2005 के बाद हुई हो उन सभी को पुरानी पेंसन का लाभ दिया जाएगा।जिसको लेकर आज उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा संघ ने खुशी जताई है।माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यूपी सरकार के इस आधे फैसले से हम सभी खुस है। हम सभी लोग बहुत दिनों से इसके लिए संघर्ष कर रहे थे।और लगातार पुरानी पेंसन बहाली की मांग कर रहे थे।हम लोग आज भी वही मांग कर रहे है कि पुरानी पेंसन का लाभ सभी कर्मचारियों को मिलना चाहिए।क्योंकि पेंसन बुढ़ापे की लाठी होती है।उन्होंने कहा कि जब सांसद विधायको को यह लाभ दिया जा सकता है तो हम लोग भी इसके हकदार हैं।लेकिन आज भी हम सभी की मांग है कि यह लाभ सभी कर्मचारियों को मिलना चाहिए।

भारी बरसात से जल भराव, कीचड़ फिसलन, लोगों की बढ़ी मुश्किलें

चंदौली। झमाझम बारिश के बाद जल भराव की समस्या के समाधान की नगर पंचायत के दावे की पोल खुल गई। जनपद में बुधवार की सुबह जोरदार बारिश से रिहायशी इलाकों में जल भराव की स्थिति कायम हो गई। वहीं मुख्यालय स्थित नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों में नालियों का ओवरफ्लो कर सड़कों पर आ गया, जिससे गलियों व सड़कों पर जल भराव व कीचड़ फैल गया।इससे आवागमन में लोगों को भारी असुविधा हुई। नगर के प्रमुख वार्डों के साथ प्रमुख स्थानों पर बुधवार की सुबह हुई तेज बारिश से जल भराव हो गया।

कजगांव में सरदार सेना के कार्यकताओं ने धूमधाम से मनाई छत्रपति साहू जी महाराज की जयंती

भारत के सच्चे प्रजातंत्रवादी व समाज सुधारक थे साहू जी महाराज : अरविन्द

- साहू जी ने दलित-शोषित वर्ग के कष्ट को समझ उनसे निकटता बनाए रखी

केटी न्यूज/जौनपुर

जिले के नगर पंचायत कजगांव में सरदार सेना के कार्यकताओं के द्वारा छत्रपति शाहूजी महाराज की जयन्ती धूमधाम से मनाई गयी जयन्ती समारोह के अवसर पर सरदार सेना के जिलाध्यक्ष अरविन्द कुमार पटेल ने साहू जी महाराज की जीवन काल में किये गये तमाम कार्यों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि छत्रपति साहू महाराज एक भारत के सच्चे प्रजातंत्रवादी और समाज सुधारक के रूप में जाने जाते थे। वे कोल्हापुर के इतिहास में एक अमूल्य मणि के रूप में आज भी प्रसिद्ध हैं। छत्रपति साहू महाराज ऐसे व्यक्ति थे,जिन्होंने राजा होते हुए भी दलित और शोषित वर्ग के

कष्ट को समझा और सदा उनसे निकटता बनाए रखी। उन्होंने दलित वर्ग के बच्चों को मुफ़्त शिक्षा प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू की थी।गरीब छात्रों के लिये छात्रावास स्थापित किये और बाहरी छात्रों को शरण-प्रदान करने के आदेश दिये। साहू जी महाराज के शासन के दौरान 'बाल विवाह' पर ईमानदारी से प्रतिबंधित लगाया गया। बाल्य-अवस्था में ही बालक यशवंतराव को छत्रपति साहू जी महाराज की हैसियत से कोल्हापुर रियासत की राजगद्दी को सम्भालना पड़ा था छत्रपति साहू जी महाराज की माता राधाबाई मुधोल राज्य की राजकन्या थी। पिता जयसिंग रॉव उर्फ अबासाहेब घाटगे कागल निवासी थे। उनके दत्तक पिता शिवाजी चतुर्थ व दत्तक माता आनंदी बाई थी। राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज केवल 3 वर्ष के थे तभी उनकी सगी माँ राधाबाई 20 मार्च 1977 को मृत्यु को प्राप्त हुई। छत्रपति संभाजी की माँ का देहांत बचपन में ही हुआ था। इस लिए उनका लालन-पालन जिजाबाई ने किया था।छत्रपति साहू जी महाराज की उम्र जब 20 वर्ष थी,उनके पिता अबासाहेब घाटगे की मृत्यु (20 मार्च1886) हुई थी।छत्रपति शिवाजी महाराज (प्रथम) के दूसरे पुत्र के वंशज शिवाजी (चतुर्थ) कोल्हापुर में राज्य करते थे. ब्रिटिश षडयंत्र और अपने दीवान की गद्दारी की वजह से जब शिवाजी (चतुर्थ) का कत्ल हुआ तो उसकी विधवा आनंदीबाई ने अपने एक जागीरदार अबासाहेब घाटगे के पुत्र यशवंतराव को 17 मार्च सन 1884 में गोद लिया था अब उनका नाम शाहू छत्रपति महाराज हो गया था।छत्रपति शाहू जी महाराज की शिक्षा राजकोट के राजकुमार विद्यालय में हुई थी। प्रारंभिक शिक्षा के बाद आगे की पढ़ाई रजवाड़े में ही एक अंग्रेज शिक्षक 'स्टुअर्ट मिटफर्ड फ्रेजर ' के जिम्मे सौपी गई थी। अंग्रेजी शिक्षक और अंग्रजी शिक्षा का प्रभाव छत्रपति शाहू जी महाराज के दिलों-दिमाग पर गहराई से पड़ा था। वैज्ञानिक सोच को न सिर्फ वे मानते थे बल्कि इसे बढ़ावा देने का हर संभव प्रयास करते थे। छत्रपति साहू जी महाराज का निधन 10 मई, 1922 मुम्बई में हुआ। महाराज ने पुनर्विवाह को कानूनी मान्यता दी थी। उनका समाज के किसी भी वर्ग से किसी भी प्रकार का द्वेष नहीं था उन्होंने सामाजिक परिवर्तन की दिशा में जो क्रन्तिकारी उपाय किये थे,वह इतिहास में याद रखे जायेंगे। अपने उद्बोधन के दौरान जिलाध्यक्ष ने यह कहां कि आज का दिन सभी समाज के लोगों इसे एक त्योहार के रूप में मनाने का काम करें इस दौरान तमाम पदाधिकारी व कार्यकताओं ने अपनी अपनी बातें रखें कार्यक्रम के दौरान श्याम सुन्दर पटेल,वृजेन्द्र पटेल,जंगबहादुर,मुन्ना लाल, विकास पटेल, अमन पटेल, सुर्यमणि, लालमन पटेल, बंशराज गौतम, भोदू यादव, दिनेश राजभर, त्रिलोकी, जूनैद, जिलई, अभिमन्यु पटेल, छोटे लाल,सुरज,सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

सुभाषितम्

मनुंष्य का सच्चा जीवन साथी विद्या ही है, जिसके कारण वह विद्वान कहलाता है। - स्वामी दयानन्द

163 वर्ष पुरानी ताजीरात-ए-हिंद के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता

163 वर्ष पुराने अंग्रेजों के बनाए कानून ताजीरात-ए-हिंद अब इतिहास की वस्तु बन जायेगा। इसके स्थान पर 1 जुलाई 2024 से भारतीय न्याय संहिता लागू हो जाएगी। 1860 का अंग्रेजों का बनाया हुआ दंड संहिता का कानून लागू था। उसमें बहुत सारे शब्द उर्दू के थे। पुलिस जब भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत कार्रवाई करती थी। वह भी सैकड़ों वर्ष पुरानी अंग्रेजों की बनाई व्यवस्था के अनुसार थी। भारतीय न्याय संहिता के नए कानूनों में उनके स्थान पर अब नए शब्द शामिल किए गए हैं। जो नए कानून 1 जुलाई 2024 से लागू हो रहे हैं। उसमें काफी परिवर्तन किए गए हैं। जिसके कारण पुलिस को प्रशिक्षित करने की जरूरत पड़ रही है। न्यायालय और अधिवक्ताओं को भी नए कानून के अनुसार सारी चीजों को समझाना पड़ रहा है। आने वाले दिनों में नए कानून होने के कारण वादी, प्रतिवादी, पुलिस, जांच एजेंसियों, अधिवक्ताओं और न्यायालयों को नए कानून और उसकी प्रक्रिया को समझने में काफी वक्त लगेगा। इसका असर कहीं ना कहीं न्यायालयीन कार्रवाई पर पडना तय है। अधिवक्ताओं के अनुसार हत्या, दुष्कर्म, चोरी, मानहानि, 420 और मोटर व्हीकल एक्ट जैसे मामलों की धाराओं में परिवर्तन किया गया है। आजादी के पूर्व भारतीय दंड विधान बन चुका था। समय-समय पर इस पर संशोधन भी होते रहे हैं। फिर भी कुछ कारणों से भारतीय दंड संहिता में कहीं ना कहीं गुलामी जैसे शब्द भी देखने को मिलते थे। न्यायालयीन प्रक्रिया में अंग्रेजी शासन जैसी छाप भी देखने को मिलती थी। जिससे गुलामी का आभास होता था। 163 वर्षों में भारतीय दंड संहिता में लगभग 75 संशोधन किए गए थे। इसमें अधिकांश संशोधन आजादी के बाद हुए थे। पिछले दो-तीन दशकों में तेजी के साथ हुए विकास क्रम में नए-नए कानून का निर्माण करना पड़ है। डिजिटल तकनीक का उपयोग भी कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए होने लगा है। संचार माध्यमों की भी एक नई भूमिका न्यायालय एवं जांच व्यवस्था में आ गई है। इन्हें एक स्वरूप में लाना चुनौतीपूर्ण कार्य था। मोदी सरकार ने भारतीय न्याय संहिता में इसका समावेश करने का प्रयास किया है। समय-समय पर इस तरीके के संशोधन करना समय की मांग होती है। भारतीय न्याय संहिता का पहला उद्देश्य पीड़ित नागरिक को न्याय दिलाना, मुख्य उद्देश्य होता है। भारतीय दंड संहिता में पहले 511 धाराएं थी। भारतीय न्याय संहिता में अब 358 धाराएं रह गई हैं। 20 नए अपराध भारतीय न्याय संहिता में जोड़े गए हैं। भारतीय दंड संहिता के 19 प्रावधानों को हटाया गया है। 33 अपराधों की सजा बढ़ाई गई है। 83 अपराधों में जुरमाने की सजा को भी बढ़ाया गया है। 23 तरह के अपराधों में सामुदायिक सजा का प्रावधान किया गया है। राजद्रोह का नाम बदला गया है। पुलिस के अधिकार बढ़ाए गए हैं। नागरिकों को सुलभ न्याय मिले इसके प्रावधान किए गए हैं। न्यायालय से जल्दी मामलों का निपटारा हो,इसका भी नए कानूनो में ध्यान रखा गया है। तीन नए कानून में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम में नए प्रावधान किए गए हैं। नए कानून लागू होने के पहले ही इनका विरोध होना शुरू हो गया है। मोटर परिवहन एक्ट में जिस तरह के बदलाव किए गए हैं, उसके बाद सड़क पर गाड़ी चलाना वाहन चालकों के लिए बहुत मुश्किल होगा। पुलिस अभी किसी आरोपी को अपनी हिरासत में लेती थी। उसे 24 घंटे के अंदर मजिस्ट्रेट के पास पेश करना होता था। इस अवधि को बढ़ा दिया गया है। जिसके कारण पुलिस को हिरासत में रखने के अधिक अधिकार मिल गए हैं। इस प्रावधान के कारण नागरिकों का उत्पीड़न भी हो सकता है। वहीं कुछ कानून कड़े कर दिए गए हैं। पुलिस बिना किसी सबूत, केवल आरोप के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेज सकती है। कुछ मामलों में अदालत के अधिकार भी सीमित किए गए हैं। भारतीय न्याय संहिता जब संसद से स्वीकृत हुईं थी।

चिंतन-मनन

प्रोध का जवाब प्रोध नहीं

एक बार एक ब्राह्मण ने महात्मा बुद्ध को अपने घर आकर, भोजन करने का निमंत्रण दिया। जब बुद्ध वहां पहुंचे तो उन्होंने पाया कि ब्राह्मण ने उन्हें किसी अन्य मकसद से वहां बुलाया था। ब्राह्मण उनकी निंदा करने लगा और उन्हें अपशब्द कहने लगा। बुद्ध ब्राह्मण के वचनों के वार चुपचाप सहते रहे। अंत में बुद्ध ने कहा,हे ब्राह्मण जी, क्या आपके घर में मेहमान आते रहते हैं? हां, आते हैं। ब्राह्मण ने उत्तर दिया। बुद्ध ने पूछा,जब मेहमान आते हैं तो आप उनके लिए क्या भोजन बनाते हैं? ब्राह्मण ने उत्तर दिया,हम एक बड़े भोज की तैयारी करते हैं। बुद्ध ने पूछा, अगर वे नहीं आते तो आप क्या करते हैं? ब्राह्मण बोला, हम भोज स्वयं खा लेते हैं। बुद्ध बोले,अच्छा, तुमने मुझे भोजन पर बुलाया पर तुमने मेरा स्वागत कठोर वचनों और आलोचना से किया। लगता है कि जो भोज तुम मुझे परोसने वाले थे, वह इसी का है। मैं तुम्हारे द्वारा परोसे भोजन को नहीं खाना चाहता। कृपया इसे वापस ले लो और स्वयं खाओ। बुद्ध ने महसूस किया कि जो भोज उन्हें दिया गया था, वह खाद्य पदार्थों का नहीं, बल्कि गालियों का था। उन्होंने वापस मुड़कर ब्राह्मण का तिरस्कार करने और उसे अपशब्द कहने के बजाय उसके प्रोध को स्वीकार नहीं किया। बल्कि वे उस स्थान से चले गए। इस प्रकार, प्रोध उसी के साथ रहा जो उसे प्रकट कर रहा था। महात्मा बुद्ध के शिष्य यह देख रहे थे। बुद्ध ने उन्हें सलाह दी, कभी उस रूप में बदला न लो जिस रूप में सलूक आपके साथ हुआ हो। घृणा कभी घृणा से खत्म नहीं होती। कई बार हमारा सामना ऐसे लोगों से होता है जो हमें बुरा-भला कहते हैं। उनके स्तर पर उतरने की जगह हमें उनके उपहारों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। तब उनका प्रोध उनके साथ ही रहेगा। जब हम घटना स्थल से हट जाएंगे तो वे अपने आपको, अपने प्रोध के साथ अकेला पाएंगे। वे चकित होंगे कि उनके प्रोध के बावजूद हम प्रेममय बने रहे। वे हमें आदर देने के लिए हमारे पास आ सकते हैं।

योग दिवस पर एक ही दिन में बने कई विश्व रिकॉर्ड

- योगेश कुमार गोयल

योग का भारत में संस्कृति के साथ सदियों पुराना जुड़ाव है बल्कि यूं भी कह सकते हैं कि भारत में योग की शुरूआत भारतीय संस्कृति के साथ ही जुड़ी है। भारत ने पूरी दुनिया को योग करना सिखाया है और भारत के कारण ही दुनिया के तमाम देश अब योग की महत्ता को समझने लगे हैं। करीब 5000 वर्ष पहले भारत से शुरू हुई योग की परंपरा शरीर और मन के बीच सामंजस्यपूर्ण संतुलन प्राप्त करने के लिए शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अनुशासन को जोड़ती है। ह्ययोगह्ल शब्द संस्कृत से लिया गया है, जिसका अर्थ है ह्यजुड़नाह्ल अथवा ह्यएकजुट होनाह्ल, जो शरीर और चेतना के मिलन का प्रतीक है। भारत की प्राचीन परंपराओं में गहराई से निहित योग वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य और आध्यात्मिक कल्याण के प्रतीक के रूप में कार्य करता है। 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग को वैश्विक मान्यता मिलने के बाद से पिछले 10 वर्षों में योग दिवस पर कई रिकॉर्ड बने हैं। 2015 से लेकर अब तक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के नाम कई रिकॉर्ड ह्यगिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्सह्ल में दर्ज हो चुके हैं। 2015 में पहले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिल्ली में राजपथ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कुल 35985 भारतीयों ने एक साथ योग करके सबसे बड़े योग सत्र का पहला विश्व रिकॉर्ड बनाया था जबकि दूसरा रिकॉर्ड एक ही स्थान पर योग सत्र में कुल 84 देशों के भाग लेने पर बना था। योग को लेकर एक विश्व रिकॉर्ड तब बना था, जब 2018 में राजस्थान के कोटा में करीब 1.05 लाख लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया था। 2023 में दुनियाभर से कुल 23.4 करोड़ लोगों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेकर भी विश्व रिकॉर्ड कायम किया था, वहीं 2023 में ही गुजरात के सूरत में योग दिवस कार्यक्रम में योग सत्र में 1.53 लाख लोगों ने एक साथ हिस्सा लेकर नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। उस योग कार्यक्रम के लिए करीब 300 मीटर चौड़ी दो सड़कों के 4 किलोमीटर लंबे हिस्से को योग प्रतिभागियों कालीन से ढ़का गया था। उससे पहले यह रिकॉर्ड 2018 में राजस्थान के कोटा शहर के नाम दर्ज था, जहां योग सत्र में करीब एक लाख लोग जुटे थे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर इस वर्ष तो कई रिकॉर्ड बने। देश-विदेश में फैली आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारीज ने भी इस अवसर पर एक नया रिकॉर्ड कायम किया। ब्रह्माकुमारीज के आबूरोड़ स्थित अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय के साथ 140 देशों में फैले इसके 9000 केंद्रों पर करीब एक करोड़ लोगों ने एक साथ योग किया जबकि आबूरोड़ स्थित मुख्यालय पर 10 हजार लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया। वहीं, हिमालयन सिद्ध योग गुरु अक्षर के दूरदर्शी नेतृत्व में तो अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक नया इतिहास रचा गया। ह्यअक्षर योग केंद्रह्ल ने 5 विशिष्ट योगासनों का वैश्विक मानकों पर सफलतापूर्वक प्रदर्शन करके 5 नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए और 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला में आयोजित इस स्पर्धा के जरिये योग की सार्वभौमिक अपील यानी शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए इसके गहन लाभों का संदेश पूरी दुनिया देने का प्रयास किया गया। इन पांच वैश्विक कीर्तिमान स्थापित करने वाले आसनों में नौकासन, कौंडिन्य आसन (ऋषि कौंडिन्य मुद्रा), चक्रासन, भगवान शिव की एक मुद्रा नटराजासन, पांच मिनट तक लगातार सूर्य नमस्कार का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया।

हालांकि अक्षर योग केंद्र ने त्रिपुरा वासिनी, पैलेस ग्राउंड, बेंगलुरु में प्रभावशाली वैश्विक भागीदारी में सांस्कृतिक और भौगोलिक सीमाओं को पार करने की योग की क्षमता को प्रदर्शित करते हुए कुल सात आसनों के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए प्रयास किया था लेकिन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की अंतर्राष्ट्रीय टीम ने सभी मानकों का अध्ययन करने के बाद इनमें से पांच आसनों में रिकॉर्डों को मान्यता प्रदान की जबकि दो आसनों पर रिकॉर्ड की मान्यता अभी समीक्षाधीन है, जिन्हें विचार के लिए लंदन भेजा जाएगा। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के वरिष्ठ निर्णायक स्वप्निल डांगरीकर और ऋषिनाथ के मुताबिक 5 रिकॉर्ड सफलतापूर्वक पूरे किए गए थे। इसकी पुष्टि करते हुए स्वप्निल डांगरीकर का कहना था, ह्यह्यमुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि टीम अक्षर योग केंद्र ने सफलतापूर्वक 5 नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड खिताब स्थापित किए हैं और मुझे याद नहीं आता कि मैंने एक ही दिन में इतने सारे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रमाणपत्र दिए हैं।ह्लह्ल

अक्षर योग केंद्र द्वारा ये विश्व रिकार्ड बनाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में सभी क्षेत्रों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था, जिनमें छात्र, अनाथालयों के बच्चे, व्यापारिक समुदाय के सदस्य और कॉरपोरेट घराने भी शामिल थे। इसमें भाग लेने वाले एनसीसी ग्रुप ह्यएह्ल बेंगलुरू के 1200 से अधिक एनसीसी कैडेटों का भी विशेष योगदान रहा। उनके साथ उप महानिदेशक, एनसीसी डीटीई कर्नाटक और गोवा, ग्रुप कमांडर, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय ह्यएह्ल बेंगलुरु, कमांडिंग ऑफिसर, एसोसिएट एनसीसी अधिकारी, ग्रुप ह्यएह्ल एनसीसी बटालियन के स्थायी प्रशिक्षक भी इस भव्य आयोजन का हिस्सा थे। इस गरिमामय समारोह में 20 से अधिक विभिन्न देशों के प्रतिभागी शामिल हुए थे। हिमालयन सिद्ध योग गुरु अक्षर के अनुसार योग दिवस के मौके पर ये रिकॉर्ड बनाने का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर योग के असंख्य लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, दुनियाभर के लोगों को समग्र स्वास्थ्य और आंतरिक शांति के लिए इस अभ्यास को एकीकृत करने के लिए प्रोत्साहित करना है। हिमालयन सिद्ध अक्षर के नेतृत्व में इस अवसर पर योग के गहन प्रभावों पर भी प्रकाश डाला गया, साथ ही समर्पित अभ्यास के माध्यम से अनुशासन का प्रदर्शन किया गया। उल्लेखनीय है कि शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्पष्टता और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित अक्षर योग केंद्र इसके विविध लाभों को प्रदर्शित करने के लिए नियमित रूप से फिटनेस शिविर, मुद्रा कार्यशालाएं और ध्यान सत्र आयोजित करता है। हिमालयन सिद्ध अक्षर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित एक आध्यात्मिक योग गुरु हैं, जो अक्षर योग केंद्र के संस्थापक, अध्यक्ष, पाठ्यक्रम निदेशक, विश्व योग संगठन के अध्यक्ष तथा अंतरराष्ट्रीय सिद्ध फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं। योग गुरु अक्षर का कहना है कि योग शरीर, मन और आत्मा का एक अभिन्न अंग है। योग इन तत्वों को एकजुट करता है और मानवता के लिए एक अनमोल उपहार के रूप में कार्य करता है। एक साथ पांच विश्व रिकॉर्ड कायम करने की उपलब्धि को लेकर उनका कहना है कि यह अविस्मरणीय घटना वास्तव में लोगों के लिए एक आशीर्वाद है, जो उन्हें योग के अभ्यास को अपनाने के लिए प्रेरित करती है। यह दुनियाभर में एक शक्तिशाली संदेश भेजती है, जिससे हर किसी को योग के गहन महत्व और इसके लाभों का अहसास होता है। इसके अलावा यह उपलब्धि हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उजागर करती है, साथ ही समग्र स्वास्थ्य और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने में वैश्विक नेता के रूप में भारत की स्थिति को भी मजबूत करती है। अक्षर योग केंद्र द्वारा एक साथ बनाए गए पांच विश्व रिकॉर्ड के अलावा एशियन योग चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता 20 वर्षीया भूमि तिवारी ने भी जश्न-ए-आजादी ट्रस्ट और भारतीय आदर्श योग संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में मोती महल के लॉन में आयोजित 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के दौरान ह्यरामदूत आसनह्ल की मुद्रा को निरंतर 35 मिनट और 27 सैकेंड तक बनाए रखते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। भूमि के मुताबिक ह्यरामदूत आसनह्ल में पैरों को विपरीत दिशाओं में सबसे ज्यादा फैलाना और फिर सामने वाले पैर की उंगलियों को छूने के लिए झुकना होता है और यह सबसे कठिन, ह्यडीह्ल श्रेणी का आसन है, जिसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 0.9 अंक प्राप्त हुआ है। भूमि तिवारी द्वारा बनाए गए इस नए रिकॉर्ड की सूचना ह्ययोगासन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड काउंसिलह्ल को दी गई है।

पौधरोपण बहूत जरूरी है, इससे मिलता जीवन

-संजय गोस्वामी

वृक्ष आपको चैन की सांस दे सकता है। चूँकि वन हमारी भूमि के फेफड़े हैं। पेड़ हानिकारक गैसों को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन उत्सर्जित करते हैं। अधिक वृक्षारोपणऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाने में मदद कर सकता है वृक्षों ने हमें जीवन की सबसे महत्वपूर्ण चीजें खाना और ऑक्सीजन दिया है। न सिर्फ यह दो चीज बल्कि वृक्षों के कारण ही हमें रहने को घर, दवाइयाँ, और कई प्रकार के अन्य औजार प्राप्त होते हैं। आज विश्व भर में बढ़ते जनसंख्या के कारण और लोगों द्वारा पेड़ो को काटने के कारण आज पेड़ो की आवश्यकता बढ़ते चले जा रही है। इस आधुनिक युग के जीवन काल के कारण मनुष्य पेड़ो को बहुत तेजी से काट रहे हैं जिसके कारण आने वाले कुछ वर्षों में मनुष्य को बहुत सारे कठिनाइयों से गुजरना पड़ सकता है। पेड़-पौधे हर समाज के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। हमारे आस-पास के जगहों जैसे गलियों, पार्क, खेल के मैदान, और बगीचे में पेड़ पौधे स्वच्छ वायु प्रदान करते हैं और वातावरण को हरा-भरा और शांत रखते हैं। वृक्षों से आस-पास का वातावरण सुन्दर और स्वच्छ रहता है जिससे जीवन जीने का स्तर बढ़ जाता है। पेड़-पौधों की छाव में अपने परिवार के साथ बैठ कर समय बिताने का एक अलग ही आनंद होता है। साथ ही शहरी क्षेत्रों में सड़क के दोनों तरफ पेड़ पौधे लगाने से सूरज की किरण को पेड़ रोकते हैं जिससे गर्मी के महीनों में शहर का तापमान ज्यादा नहीं बढ़ पाता है। पेड़-पौधें मनुष्य को स्वच्छ वायु और ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, साथ ही जलवायु सुधार, जल संरक्षण, मिट्टी के संरक्षण, और वन्य जीवन की सुरक्षा करते है। प्रकाश संश्लेषण या फोटोसिंथेसिस प्रोसेस के दौरान पेड़ पौधे कार्बन डाइऑक्साइड ले लेते हैं और ऑक्सीजन को छोड़ते हैं। यही ऑक्सीजन मनुष्य को सांस लेने और जीवित रहने में मदद करता है। अमेरिका के कृषि अनुसंधान विभाग का कहना है की एक एकड़ जंगल से लगभग 6 टन कार्बन डाइऑक्साइड खत्म होता है और 4 टन ऑक्सीजन वायु को पेड़ो के माध्यम से प्राप्त होता है। इतने ऑक्सीजन से 18 से 20 लोग आराम से 1 वर्ष तक जीवित रह सकते हैं। साथ ही पेड़ पौधे, गाड़ियों और कारखानों से उत्पत्ति होने वाले कार्बन डाइऑक्साइड गैस को भी खींच लेते हैं और ऑक्सीजन में बदल देते हैं। गर्मी के महीनों में लंबे वृक्ष सूरज की तपती किरण को धरती तक पहुंचने से रोकते है जिससे धरती का तापमान ज्यादा नहीं बढ़ पाता है। बारिश के महीने में पेड़-पौधे के जड़ मजबूती से मिट्टी को पकड़ कर रखते हैं इससे मृदा अपरदन नहीं हो पाता है। ना सिर्फ धरती के ऊपर बल्कि धरती के अंदर के पानी को भी पेड़ पौधों के जड़ पकड़ कर रखते हैं जिससे बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा नहीं हो पाती है। प्रति वर्ष कई टन पत्ते पेड़ों से गिरते हैं जिनसे अगर हम चाहें तो प्राकृतिक खाद बना सकते हैं। कई जीव-जंतु जैसे बकरी, हाथी, कोआला, बंदर, जिराफ आदि अपना पूरा जीवन पेड़ पौधों के पत्ते खाकर गुजारते हैं। कई लाख प्रजाति के पक्षी पेड़-पौधों पर रहते हैं। हर कोई व्यक्ति पेड़ पौधों को इसलिए पसंद करते हैं क्योंकि पेड़ पौधे देखने में बहुत ही सुंदर और अद्भुत होते हैं। सभी पेड़ पौधे देखने में सुंदर और अपनी जगह एक अलग ही रूप रंग और आकार के होते हैं। हमारे देश भारत में वृक्षों की पूजा की जाती है और उन्हें भगवान का दर्जा दिया जाता है। कुछ महत्वपूर्ण पेड़ पौधे जैसे बरगद, पीपल, आम, बेल, केला कुछ आसान उदाहरण है जिनका हमारे देश में बहुत ही अधिक आध्यात्मिक मूल्य है। पेड़ पौधे हमारे जीवन और पर्यावरण में एक शांत और आरामदायक वातावरण को बनाये रखते हैं। आज के इस आधुनिक युग में जब हर जगह नए शहर बन रहे हैं और घर बन रहे हैं ऐसे में पेड़ पौधों का व्यावसायिक मूल्य बहुत ही अधिक हो चुका है। आज भी विश्व के कई हिस्सों मैं लकड़ी को खाना पकाने के रूप में सबसे पहला ईंधन माना जाता है। पेड़ से हमारा घर बनता है, फर्नीचर मिलता है, कई प्रकार के औजार बनते हैं पर लाखों छोटे-मोटे उपयोगी घरेलू चीजें बनती है। पेड़ पौधों से हमें खाने के लिए फल, बादाम भी मिलते हैं जो इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। कुछ पेड़ो के अंदरुनी भाग से लैटेक्स प्राप्त होता है जिससे रबर बनाया जाता है। इसे लाखों महत्वपूर्ण रोज के कार्य हैं जो पेड़-पौधों के बिना असंभव हैं। आज मनुष्य स्वयं के स्वार्थ के लिए पेड़ो को तेजी से कटता चले जा रहा है। अत्यधिक पेड़ काट देने के कारण ग्लोबल वार्मिंग, एसिड बारिश और ग्रीन हाउस इफेक्ट जैसे मुश्किलों का सामना मनुष्य को करना पड़ रहा है। आज पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पेड़-पौधों को बचाना बहुत ही आवश्यक हो गया है। धीरे-धीरे पूरे विश्व भर की जनसंख्या बढ़ती चली जा रही है जिसके कारण लोगों को रहने के लिए नए घर बनाने पढ़ रहे हैं और इसी कारण पेड़ो को बहुत तेजी से काटा जा रहा है। कई जगहों पर बड़े-बड़े कल कारखाने बनाने के लिए लोग बड़े-बड़े जंगलों को साफ कर रहे हैं जो की आने वाले समय में कई प्रकार के प्राकृतिक आपदाओं का कारण बन सकता है। शहरी इलाकों में पेड़ो की कमी के कारण गाड़ियों से निकलने वाला प्रदूषित वायु आसमान में ही मंडराता रहता है। सोचने की बात यह है कि कहीं कोई ऐसा दिन ना आ जाए जिससे मनुष्य को ऑक्सीजन की कमी होने लगे क्योंकि पेड़ पौधे ही पर्यावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को लेकर हमें ऑक्सीजन देते हैं। अगर कोई एसा दिन आया तो वह मनुष्य का अंत होगा और उसका कारण मनुष्य द्वारा फैलाया हुआ प्रदुषण और पेड़ों की कटाई होगा। कबीर दास का दोहा है- वृक्ष कबहुं न फल भखै, नदी न संचय नीर, परमार्थ के कारने साधु न धरा शरीरङ्घ जिसका अर्थ है कि साधु का स्वभाव परोपकारी होता है, जैसे वृक्ष कभी अपना फल स्वयं नहीं खाता है और नदी जिस प्रकार से स्वयं के नीर का संचय नहीं करती है।ऐसे दिन को कभी भी ना आने देने के लिए आज हम सभी को यह प्रण लेना होगा कि हम किसी को भी पेड़ काटने नहीं देंगे और प्रति महीने एक पौधा अपने मोहल्ले में जरूर लगाएंगे।

मप्र मोहन संहिता का अनुकरणीय पाठ

- राकेश अचल

`सत्ता प्रतिष्ठान के खिलाफ लिखने का दायित्व मिला है इसलिए सत्ता प्रतिष्ठान के फैसलों की तारीफ करने के अवसर कम ही मिलते हैं । खासतौर पर जब कि किसी प्रदेश की सत्ता में डबल इंजिन लगे हों। मप्र में आजकल डबल इंजिन की ही सरकार है। और इस सरकार को चला रहे हैं डॉ मोहन यादव, जो पहली बार मुख्यमंत्री बने हैं ।उनके सामने 18 साल से ज्यादा समय तक मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान द्वारा खींची गयी लोकप्रियता की लम्बी लकीर से आगे जाने की चुनौती भी है । लोकसभा चुनाव से फारिग होते ही मप्र की मोहन सरकार ने एक फैसला किया है कि अब प्रदेश सरकार के मंत्रियों के आयकर की राशि नहीं भरेगी, बल्कि मंत्रियों को खुद भरना पड़ेगी। आर्थिक बोझ के कारण दोहरे हो रहे मध्यप्रदेश में ये एक साहसिक कदम है ,हालाँकि इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था की सेहत पर कोई खास फर्क नहीं पडेगा। लेकिन पहल तो पहल होती है और ये पहल अनुकरणीय कही जा सकती है। क्योंकि अभी तक देश की विधानसभाएं हों या संसद सभी के सदस्य सरकार पर बोझ बढ़ाते ही हैं,कम नहीं करते। जब से मप्र का गठन हुआ है तब से यानी कोई 52 साल से अपने मंत्रियों के आयकर की राशि प्रदेश की सरकार ही भरती आ रही थी । आज से पहले चाहे कांग्रेस की सरकार रही हो या भाजपा की या किसी गठबंधन की सरकार ,किसी ने इस व्यवस्था से छेड़छाड़ करने की जरूरत नहीं समझी ।लेकिन किसी ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को ये जरूरत समझा दी। मोहन यादव ने इस फैसले से मिलने वाली वाह-वाही का अंदाजा लगते ही 52 साल बाद ये फैसला कर दिखाया ।अब आप इसे ऐतिहासिक फैसला कह सकते है। अभी मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री और मंत्रियों का इनकम टैक्स सरकार भरती थी। इस पर करोड़ों रुपए का खर्च आता था। मध्यप्रदश के मुख्यमंत्री हालाँकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गोत्र के नहीं हैं । प्रधानमंत्री का गोत्र गरीबो का गोत्र है । उनके पास बहुत ज्यादा सम्पत्ति भी नहीं है। वे चाय बेचते हुए सियासत में शीर्ष तक पहुंचे हैं , किन्तु मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आमीर आदमी हैं । उनके पास कोई 42 करोड़ रुपए की सम्पत्ति है। ये सम्पत्ति उनकी खानदानी सम्पत्ति है या इसे उन्होंने खुद अर्जित किया है इसके बारे में मुझे कुछ नहीं पता,लेकिन उनके ऊपर 9 करोड़ का कर्ज भी है। इसलिए वे प्रदेश सरकार और जनता के ऊपर पड़ने वाले कर्ज के बोझ की तकलीफ को शायद समझते हैं। मध्यप्रदेश सरकार के इस फैसले से सरकार कितना पैसा बचा लेगी इसकी जानकारी फिलहाल नहीं दी गयी है । इस फैसले को आप कह सकते हैं किये फैसला किसी मुर्दे की मूंछ उखाड़ने से मुर्दे का वजन कम करने कि कोशिश जैसा है। लेकिन एक कोशिश तो है वजन कम करने की। कम से कम मोहन यादव ने इस बारे में सोचा और फैसला भी किया ,अन्यथा मंत्री हों या विधायक सरकार को ज्यादा से ज्यादा तूप लेने में विश्वास रखते हैं। मंत्रियों को जनसेवा के बदले सब कुछ तो फोकट में मिलता है । घर,कार, ड्रायवर, बिजली,फोन,पेट्रोल ,दवा-दारू ,विधायक के नाते अपने क्षेत्र में दौरा करने का भत्ता ,सर्किट हॉउस में निशुल्क रहने की सुविधा और न जाने क्या-क्या ? ये केवल मध्यप्रदेश की ही बात नहीं है बल्कि समूचे देश की बात है। इस बारे में सोचे जाने की जरूरत है। अच्छी बात ये है कि आधी सदी बाद ही सही लेकिन सरकार ने इस दिशा में न सिर्फ सोचा बल्कि फैसला करने का साहस भी दिखाया। मध्यप्रदेश के मुख्यमत्री डॉ मोहन यादव नसीब से मुख्यमंत्री बने है।

आज का राशिफल

मेष आज दिन सफलता से भरा होगा और आज आपके लिए लाभ के योग हैं। नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति होगी।

तुला संभलकर कार्य करने का है। आपकी इच्छा के विरूद्ध आपको कोई कार्य मिल सकता है।

वृषभ आज लाभ के योग हैं और आपकी संपत्ति सुख में विस्तार होगा। परिवार में सुख शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक हर काम बहुत सतर्कता से करने की जरूरत है। वरना आपको भारी नुकसान हो सकता है।

मिथुन भाग्य आज साथ दे रहा है और आज नौकरी में आपके लिए उच्च पद की प्राप्ति के योग बने हैं।

धनु आज करियर में परेशानी और कठिनाई हो सकती है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

कर्क वृद्धि के योग हैं। आपकी सुख सुविधाएं बढ़ेंगी और आपको कहीं से वस्त्रादि का उपहार मिलेगा।

मकर आज भाग्य साथ दे रहा है और आज आपके सुख और आनंद में वृद्धि होने से सफलता प्राप्त होगी।

सिंह आज आपके घर में मांगलिक कार्यों के आयोजन से मन में प्रसन्नता रहेगी।

कुंभ आज कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलने से आपका काम बढ़ सकता है।

कन्या परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में भी इजाफा होगा और आपको मन के अनुकूल लाभ होगा।

मीन दिन मिश्रित फलकारक है और आपके भाग्य में वृद्धि होगी। धर्म-कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी।

विशेष

भाजपा के लिए कोई काम के नहीं रहे अजीत पवार

लोकसभा चुनाव परिणाम ने भाजपा को एहसास कर दिया है।एनसीपी अजीत पवार भाजपा के लिए अनुकूल साबित नहीं हुए।उल्टे भाजपा को अजित पवार के कारण महाराष्ट्र में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। भाजपा के समर्थन से अजीत पवार की अलग पार्टी बनी थी। चुनाव आयोग से उनकी मदद कराई गई थी। इसके बाद भी लोकसभा चुनाव में गुस्सा भाजपा के ऊपर उतरा।शरद पवार के सामने अजीत पवार की कोई हैसियत महाराष्ट्र में नहीं है।यह भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जान लिया है।अब अजीत पवार से जल्दी से जल्दी पीछा छुड़ाने के लिए भाजपा ने कमर कस ली है। कभी भी अजीत पवार को गठबंधन से बाहर किया जा सकता है। भाजपा ने उनको इसलिए उपमुख्यमंत्री बनाया था। लोकसभा की 12 सीटों और विधानसभा की 70 सीटों पर इसका लाभ भाजपा गठबंधन को मिलेगा। फायदा होना तो दूर,उल्टा भाजपा को नुकसान उठाना पड़ा।महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के पहले दोनों गठबंधन अपनी नई रणनीति बना रहे हैं। जिसमें अजीत पवार के दोनों हाथ खाली रहने वाले हैं। यह चर्चा महाराष्ट्र में बड़ी तेजी के साथ हो रही है। दोई दीन से गए पांडे, हलुआ मिला ना माडे। पारिवारिक रिश्ते भी चाचा से खराब हो गए। राजनीतिक कैरियर भी समाप्त हो गया।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1549: चार्ल्स प्रथम रोम के शासक बने. 1838: ब्रिटेन की रानी विक्टोरिया की वेस्ट मिनिस्टर एबे में ताजपोशी हुई. 1902: अमेरिका ने पनामा नहर बनाने का ठेका फ्रांस की एक कंपनी से हासिल कर लिया. 1932: थाईलैंड में नया संविधान लागू. 1943: अमेरिकी विमानों ने जर्मन अधिकृत एथेन्स पर हमला किया. 1964: तीन मूर्ति हाऊस नेहरू स्मारक संग्रहालय बना. 1967: भारत में निर्मित पहला यात्री विमान एवरों 748 इंडियन एयरलाइंस को सौंपा गया. 1989: चीन में लोकतंत्र आंदोलन में शामिल अनेक लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाया गया. 1993: अमेरिका ने इराकी खुफिया विभाग के कार्यालय पर टोम हाक क्रूज प्रक्षेपास्त्र दागे. 1995: प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव द्वारा टिहरी परियोजना की समीक्षा हेतु दिये आश्वासन के बाद पर्यावरणविद्? सुंदरलाल बहुगुणा ने अनशन तोड़ा.

दैनिक पंचांग

27 जून 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.43 बजे से
चंद्र	कुंभ में	सिंह	09.00 बजे से
मंगल	मेष में	कन्या	11.11 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	13.22 बजे से
गुरु	वृष में	वृश्चिक	15.37 ब.से
शुक्र	मिथुन में	धनु	17.53 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	19.58 बजे से
राहु	मीन में	कुंभ	21.44 बजे से
केतु	कन्या में	मीन	23.17 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मेष	00.48 बजे से
		वृष	02.28 बजे स
		मिथुन	04.26 बजे से

गुरुवार 2024 वर्ष का 179 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** षष्ठी 18.40 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 11.37 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 00.28 बजे रात्र को समाप्त। **करण** गर 07.48 बजे तदनन्तर वणिज 18.40 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 20.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 19' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872023 **जूलियन दिन** 2460488.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 20 **विशेष** मधुमेह जागृति दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

केंद्रीय विद्यालय में कैसे बनते हैं टीचर?

अगर आप भी केंद्रीय विद्यालय में टीचर बनने की सोच रहे हैं और आपको नहीं पता है कि केंद्रीय विद्यालय में टीचर कैसे बनते हैं तो आपको हम यहां पर बता रहे हैं कि कैसे केंद्रीय विद्यालय में टीचर बना जा सकता है।

बहुत से युवाओं का सपना होता है कि वे टीचर बनकर बच्चों को पढ़ाएं। अगर आप भी टीचर बनना चाहते हैं और शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान देना चाहते हैं तो केंद्रीय विद्यालय में टीचर बनकर आप अपना यह सपना पूरा कर सकते हैं। केंद्रीय विद्यालय में समय-समय पर टीचर के पद की वैकेंसी निकलती रहती हैं। केंद्रीय विद्यालय की वैकेंसी निकलते ही आपको अप्लाई करना होगा। अप्लाई करने के बाद रिटेन परीक्षा में उत्तीर्ण होकर इंटरव्यू क्लियर करना होगा। इंटरव्यू और मेडिकल के बाद आपको जॉइनिंग लेटर मिलेगा।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

केंद्रीय विद्यालय में टीचर बनने के लिए अप्लाई करने वाले कैंडिडेट को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम से कम 50% मार्क्स के साथ ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही हिंदी और अंग्रेजी दोनों का ज्ञान होना चाहिए। कैंडिडेट की मैक्सिमम उम्र 35 वर्ष होना चाहिए। इसके अलावा कैंडिडेट्स को बैचलर ऑफ़ एजुकेशन कोर्स किया होना चाहिए। साथ ही अभ्यर्थी को सीटेट की परीक्षा भी पास किए होना चाहिए।

क्या बीएड?

यह एक ग्रेजुएशन डिग्री प्रोग्राम है, जो आम तौर पर तीन से चार साल तक चलता है। इसमें छात्रों को स्कूलों में टीचर के रूप में काम करने के लिए ट्रेन किया जाता है। क्ब्श्स्र में एडमिशन के लिए अभ्यर्थियों को ग्रेजुएट डिग्री कम से कम 50 परसेंट मार्क्स और कुछ सब्जेक्ट्स में 55 परसेंट मार्क्स के साथ पास करना ज़रूरी है।

सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट एग्जाम

केवी का टीचर बनने के लिए छात्र का CTET एग्जाम पास करना जरुरी है। CTET एक परीक्षा होती है, जिसे पास करने के बाद आप केंद्र और राज्य स्तर के विद्यालयों में शिक्षक पद के लिए अप्लाई कर सकते हैं। CTET का आयोजन साल में दो बार होता है। इसमें दो पेपर होते हैं। पहला पेपर प्राइमरी एजुकेशन यानी 5वीं तक पढ़ाने के लिए अप्लाई करने वाले कैंडिडेट्स के लिए होता है। दूसरा पेपर सीनियर क्लासेज में पढ़ाने वाले कैंडिडेट्स के लिए होता है।

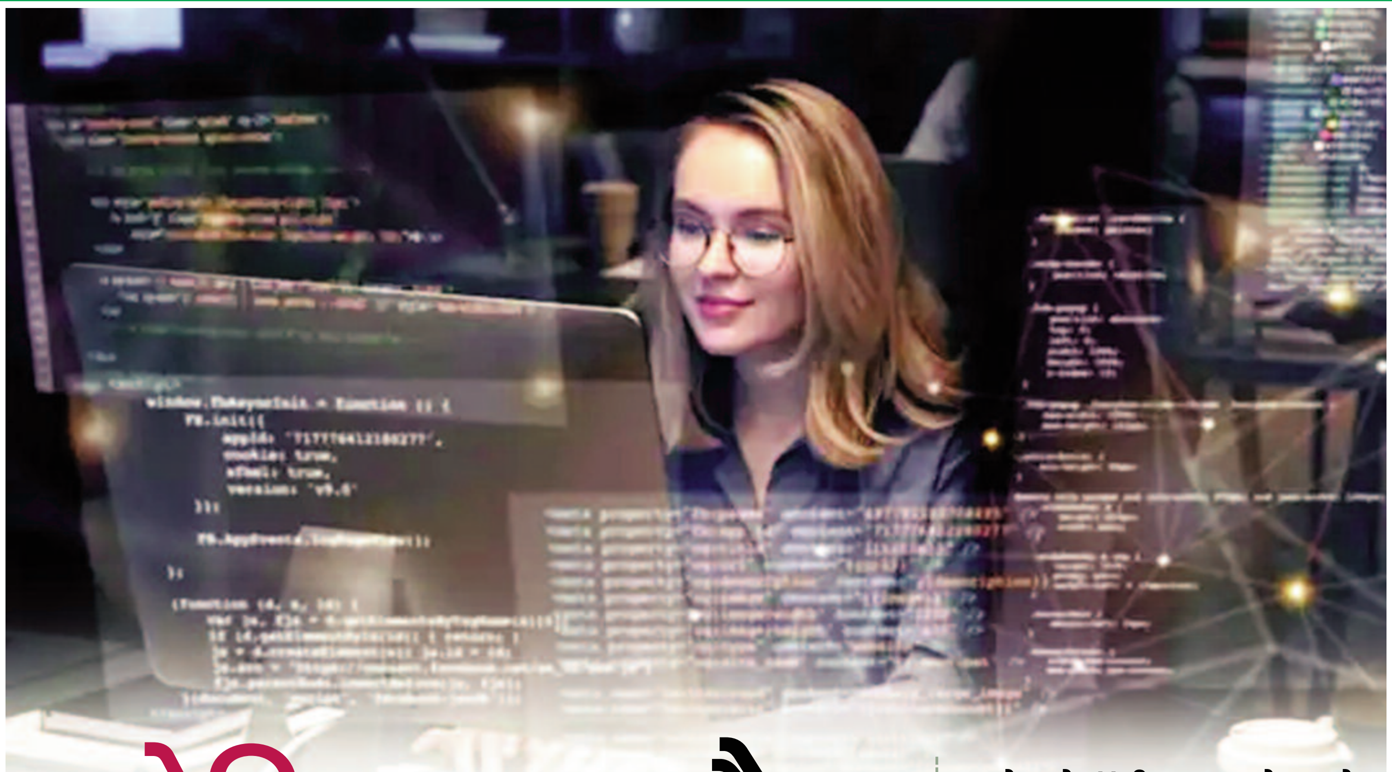

इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में क्या अंतर है?

टेक्नोलॉजी एडवांसमेंट्स के साथ इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों की मांग बढ़ रही है लेकिन बीटेक के लिए ईई या ईसीई कौन बेहतर है और क्या अंतर है?

अगर आप इंजीनियरिंग कोर्स को लेकर कन्फ्यूज हैं, तो हम आपकी उलझन थोड़ी दूर कर देते हैं। ये आर्टिकल इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के बारे में है। जान लें- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में क्या अंतर है? दोनों में कौन सी ब्रांच बेहतर है?

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग क्या है?

यह मुख्य रूप से उन उपकरणों, डिवाइस और सिस्टम स्टडी, डिजाइन एंड एप्लिकेशन से संबंधित है, जो बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत चुंबकत्व का उपयोग करते हैं। यह उन्हें इलेक्ट्रिकल उपकरण डिजाइन करने में मदद करता है, जैसे कि इलेक्ट्रिक मोटर, रडार और नेविगेशन सिस्टम, कम्युनिकेशन सिस्टम, बिजली उत्पादन उपकरण, ऑटोमोबाइल और विमान। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों के पास नौकरी के बहुत से विकल्प हैं और उन्हें कई क्षेत्रों में काम मिल सकता है। वे कंट्रोल इंजीनियरिंग, प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग, टेस्ट इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, टेली कम्युनिक्शन इंजीनियरिंग, डिजाइन इंजीनियरिंग, सिस्टम इंजीनियरिंग, एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, रीन्युएबल एनर्जी सेक्टर, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स में काम कर सकते हैं। भारत में एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर ग्रेजुएट की शुरुआती सैलरी औसत 4.5 लाख रुपये प्रति वर्ष है। यह इस बात पर निर्भर कर सकता है कि वे कहां काम करते हैं, उनके पास कितना अनुभव है, और वे किस उद्योग में हैं। शुरुआती वेतन अक्सर अच्छा होता है और अधिक अनुभव के साथ वे अधिक कमाते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग क्या है?

ये एक विविध इंजीनियरिंग क्षेत्र है जो इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और संचार नेटवर्क को डिजाइन करने, विकसित करने और लागू करने पर केंद्रित है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग ग्राहक और परियोजना आवश्यकताओं की पहचान करते हैं, समाधान खोजते हैं, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट और सिस्टम डिजाइन करते हैं, फर्मवेयर और एम्बेडेड सॉफ्टवेयर विकसित करते हैं, प्रोटोटाइप का परीक्षण करते हैं, और निर्माण की देखरेख करते हैं। वे अगली पीढ़ी के गैजेट और बुनियादी ढांचे का आविष्कार करने के लिए अत्याधिक उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर और संचार तकनीकों को एकीकृत करने का काम करते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग एक बहुत ही बहुमुखी क्षेत्र है। ईसीई

इंजीनियरों को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और संचार बुनियादी ढांचे को विकसित करने वाले उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में रोजगार मिलता है। कुछ शीर्ष क्षेत्र हैं दूरसंचार, एयरोस्पेस, डिफेंस, मोटर व्हीकल, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली व्यवस्था और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग। भारत में एक इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियर के लिए औसत शुरुआती वेतन 4 लाख प्रति वर्ष है। EE की तरह, वेतन स्थान, अनुभव के वर्षों, कौशल और नियोक्ता के आधार पर अलग-अलग होता है।

EE और ECE में कौन सी इंजीनियरिंग ब्रांच बेहतर है?

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (EE) और इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ECE) दोनों शाखाएं समान रूप से अच्छी हैं। लेकिन, यह सब व्यक्ति की रुचि के क्षेत्र पर निर्भर करता है। मुझे लगता है कि छात्र को भविष्य के लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए। एक बार जब वह इसके बारे में सुनिश्चित हो जाता है, तो वह अपनी पसंद की स्ट्रीम चुन सकता है।

वॉटर डिप्लोमैट के रूप में बनाएं शानदार

अगर आप लीक से हटकर करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए यह आर्टिकल जरूरी साबित हो सकता है। क्योंकि हम यहां पर आपको पानी से जुड़ी करियर के बारे में बता रहे हैं। आप भी एक वॉटर डिप्लोमैट के रूप में बढ़िया करियर बना सकते हैं। अगर आप इस फील्ड में करियर बनाते हैं तो आपको बढ़िया सैलरी भी मिलेगी।

पानी की कमी और खराब गुणवत्ता जैसी समस्याएं आज पूरी दुनिया में देखी जा रही हैं। ये समस्याएं एक राज्य या फिर एक देश तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वैश्विक हैं। ऐसे में जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट विशेषज्ञों की ज़रूरत है। दुनिया भर में कई देश अपने जल संसाधनों का प्रबंधन टिकाऊ तरीके से करने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। अगर आप भी इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं तो आपके भविष्य उज्जवल हो सकता है। क्योंकि इस फील्ड में अच्छी नौकरी के साथ अच्छी सैलरी भी मिलती है। ऐसे में आइए हम आपको बताते हैं कि इस फील्ड में करियर बनाकर आप कितनी सैलरी पा सकते हैं।

वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट में वेतन अच्छा होता है। हालांकि, यह कई बातों जैसे - अनुभव, शिक्षा, कार्यक्षेत्र और जिस संस्था में आप काम करते हैं, उस पर निर्भर करता है।

शुरुआती पद

शोध सहायक या जूनियर नीति विश्लेषक जैसे शुरुआती पदों पर सालाना वेतन 40,000 से 60,000 अमेरिकी डॉलर के बीच हो सकता है।

अनुभवी पेशेवर

अनुभवी पेशेवरों के लिए जिनके पास कई सालों का अनुभव और विशेष कौशल है। उन्हें वेतन 60,000 से 1,00,000 अमेरिकी डॉलर या उससे भी ज्यादा मिल सकता है।

वरिष्ठ पद

निदेशक या वरिष्ठ नीति सलाहकार जैसे वरिष्ठ पदों पर सालाना वेतन 1,00,000 से 1,50,000 अमेरिकी डॉलर के बीच होता है। सबसे ज्यादा वेतन अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं, सरकारी एजेंसियों या परामर्श फर्मों में मिलता है। इसके अलावा, जिन लोगों के पास मास्टर्स या पीएच.डी. जैसी उच्च शिक्षा है, उनके उच्च वेतन पाने और कैरियर में तेजी से तरक्की करने की संभावना अधिक होती है।

जल प्रबंधन में प्रमाणन कार्यक्रम

इसी दिशा में काम करते हुए जल प्रबंधन संस्थान भारतीय और विदेशी नागरिकों के लिए प्रमाणित जल लेखाकार /विशेषज्ञ बनने के लिए एक प्रमाणन कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। इस कार्यक्रम में कई तरह के कोर्सेज पर ट्रेनिंग दिया जाएगा।

रूस की यूनिवर्सिटीज में पढ़ाई के लिए उपलब्ध हैं ये स्कॉलरशिप्स

भारतीय छात्रों के लिए रूस में पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप के कई अवसर मौजूद हैं इसकी जानकारी हम आपको यहां दे रहे हैं। हर साल रूसी सरकार विदेशी छात्रों के लिए राज्य से आर्थिक सहायता प्राप्त सीट्स ऑफर करती है। 2022 में 15 हजार इस तरह की सीट्स दी गई थीं।

रूस में अधिकतर विश्वविद्यालय सरकारी सहायता प्राप्त स्कॉलरशिप देती हैं और एकसमान आवेदन प्रक्रिया अपनाती हैं। कोई भी विदेशी छात्र रूस में यूनिफॉर्म स्टेट एग्जामिनेशन या एंट्रेंस एग्जाम पास करने के बाद स्कॉलरशिप के लिए उसी तरह आवेदन कर सकते हैं जिस तरह रूसी छात्र करते हैं। हर साल रूसी सरकार विदेशी छात्रों के लिए राज्य से आर्थिक सहायता प्राप्त सीट्स ऑफर करती है। 2022 में 15 हजार इस तरह की सीट्स दी गई थीं।

स्कॉलरशिप अमाउंट

सरकार से प्राप्त होने वाली स्कॉलरशिप में पूरे कोर्स की ट्यूशन फीस, मेंटनेंस अलाउंस और डोरमेटरी अलाउंस शामिल होता है। जो छात्र इन स्कॉलरशिप को प्राप्त करना चाहते हैं वो भारत में ऑथराइस्ड व्यक्ति से संपर्क कर सकते हैं और वहां उपलब्ध स्कॉलरशिप और कोर्स के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। पढ़ाई के लिए छात्र एक बार में 6 यूनिवर्सिटिज को चुन सकता है। लेकिन एक फेडरल क्षेत्र में 3 से ज्यादा नहीं चुन सकते जबकि मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग में दो से ज्यादा नहीं चुन सकते हैं। अपनी पसंद के अनुसार अपनी चॉइस भरें और इसके बाद अन्य को भरें और चयन प्रक्रिया में बुलावे का इंतजार करें। देश के आधार पर ऑपरेटर इंटरव्यू, टेस्ट और परीक्षा का शेड्यूल जारी कर सकते हैं इसकी जानकारी उनकी वेबसाइट या आपको ईमेल के जरिए मिल सकती है। जिन छात्रों को डिग्री के स्तर पर रूसी भाषा की जानकारी नहीं है उन्हें प्री पेरेटरी डिपार्टमेंट में एनरोल किया जाता है। उन्हें सामान्य शिक्षा के साथ एक साथ रूसी भाषा की पढ़ाई भी करनी पड़ती है।

- अगर आप कैंडिडेट्स की सूची में शामिल हो गए हैं तो अपने पास अतिरिक्त डॉक्यूमेंट्स तैयार रखें
- एमबीबीएस डॉक्टर का सर्टिफिकेट तैयार करवाना होगा जिसमें बताया गया होगा कि ऐसा कोई मेडिकल कारण नहीं जिसकी वजह से आपको रूसी यूनिवर्सिटिज में न चुना जाए। इसमें एचआईवी टेस्ट भी करवाना होगा।
- डॉक्यूमेंट्स की कॉपी (रूसी भाषा में ट्रांसलेटिड), ऑनलाइन इन्हे सबमिट करें और हार्ड कॉपी ऑपरेटर के पास जमा करें।
- अब यूनिवर्सिटी में अपने कन्फर्मेशन का इंतजार करें।

संक्षिप्त समाचार

बायजू के कॉरपोरेट गवर्नेंस में कई तरह की खामियां, फ्रॉड पर मिली क्लीन चिट

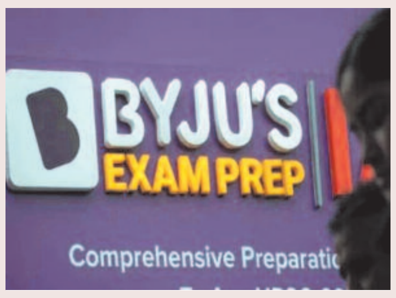

नई दिल्ली, एजेंसी। एडुटेक कंपनी बायजू के कॉर्पोरेट प्रशासन में कई तरह की खामियां पाई गई हैं। हालांकि, वित्तीय धोखाधड़ी से मुक्त कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की साल भर की जांच के दौरान फंड की हेराफेरी या वित्तीय खातों में हेरफेर जैसे गलत काम का कोई सबूत नहीं मिला है। बता दें कि जांचकर्ताओं की रिपोर्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं हुई है।

संकट में है बायजू

बता दें कि बायजू आर्थिक संकट से जूझ रही है। इसके अलावा कंपनी के मैनेजमेंट लेवल पर भी विवाद चल रहा है। कंपनी के कई निवेशकों ने बायजू के मालिक बायजू रवींद्रन के खिलाफ मोर्चा खोला है। इसी कड़ी में हाल ही में निवेश कंपनी प्रोसस ने बायजू का संचालन करने वाली कंपनी थिंक एंड लर्न में निवेश किए गए 57.8 करोड़ डॉलर (करीब 4,800 करोड़ रुपये) को बट्टे खाते में डाल दिया है। प्रोसस की सितंबर 2022 में थिंक एंड लर्न में हिस्सेदारी घटकर 9.6 प्रतिशत रह गई थी जिससे उसका महत्वपूर्ण प्रभाव कम हो गया था। प्रोसस उन चार निवेशक कंपनियों में शामिल है जिन्होंने बायजू के प्रबंधन और इसके 20 करोड़ डॉलर के राइट इश्यू के खिलाफ एनसीएलटी का दरवाजा खटखटाया हुआ है। बायजू रवींद्रन ने आर्थिक संकट में फंसने के बाद फंड जुटाने के इरादे से बेहद कम मूल्यांकन पर राइट इश्यू जारी करने का फैसला किया था। यह मामला राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के विचाराधीन है।

रियल एस्टेट में अमिताभ बच्चन की एक और डील, 60 करोड़ में खरीदी 3 प्रॉपर्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने रियल एस्टेट में बड़ा निवेश किया है। अमिताभ बच्चन ने मुंबई के पश्चिमी उपनगर अंधेरी के ओशिवारा इलाके में कॉमर्शियल प्रोजेक्ट में तीन फ्लोर की ऑफिस प्रॉपर्टी खरीदी है। यह प्रॉपर्टी लगभग 60 करोड़ में खरीदी गई है। करीब 8,429 वर्ग फुट कारपेट एरिया में फैला नया ऑफिस प्लेस रेडी-टू-मूव कॉमर्शियल टावर की 27वीं, 28वीं और 29वीं मंजिल पर है। डील के तहत खरीदार को बिल्डिंग में तीन पार्किंग स्लॉट भी मिलेंगे।ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक अमिताभ बच्चन ने 20 जून को डील के रजिस्ट्रेशन के लिए 3.57 करोड़ से अधिक की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया। बता दें कि बिग बी के पास पहले से ही उसी कॉमर्शियल टावर में 12,000 वर्ग फुट निर्मित और 10,800 वर्ग फुट कारपेट एरिया वाले 4 ऑफिस हैं। अमिताभ बच्चन ने हाल ही में अलीबाग में हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा से एक लक्जरी विला बनाने के लिए जमीन खरीदी है। जनवरी में उन्होंने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के पास एक घर बनाने के लिए लैंड पार्सल खरीदा था। अमिताभ बच्चन परिवार के पास मुंबई में कई संपत्तियां हैं। हाल ही में अमिताभ बच्चन और उनकी प प्रतिशती जया ने बेटी श्वेता नंदा को मुंबई के आलीशान जुहू इलाके में अपना आलीशान बंगला प्रतीक्षा तोहफे में दिया है।

ब्याज दर वृद्धि को नहीं कर रही बाधित, महंगाई को काबू में लाने पर बना रहेगा जोरः दास

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मंगलवार को कहा कि ऊंची ब्याज दर आर्थिक वृद्धि को बाधित नहीं कर रही है। उन्होंने यह भी साफ किया कि मौद्रिक नीति का ध्यान मुद्रास्फीति को कम करने पर बना रहेगा। दास ने उद्योग मंडल बॉम्बे चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश आर्थिक वृद्धि के स्तर पर 'प्रमुख संरचनात्मक बदलाव की दहलीज पर है। देश उस रास्ते पर बढ़ रहा है जहां सालाना आधार पर आठ प्रतिशत वास्तविक जीडीपी वृद्धि बरकरार रखी जा सकती है।

उन्होंने कहा, ''आमतौर पर यदि वृद्धि दर अच्छी है और यह बनी हुई है तो यह एक साफ संकेत है कि आपकी मौद्रिक नीति और आपकी ब्याज दरें वृद्धि के रास्ते में बाधा नहीं बन रही है। ऊंची ब्याज दर के कारण वृद्धि प्रभावित होने पर जारी बहस के बीच दास ने कहा कि ऐसी सभी चिंताएं निराधार हैं और वृद्धि की गति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि आरबीआई की 'नाउकास्टिंग टीम गतिशील तत्वों के आधार पर जून तिमाही के लिए जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगा रही है। यह केंद्रीय बैंक के अपने अनुमान 7.3 प्रतिशत से अधिक है।

दास के अनुसार, उन्हें भरोसा है कि वित्त वर्ष 2024-25 में अर्थव्यवस्था आरबीआई के अनुमान 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। उन्होंने कहा, ''एक अच्छी वृद्धि दर का परिदृश्य हमें मुद्रास्फीति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए स्पष्ट रूप से गुंजाइश देता है। दास ने आने वाले समय में मुद्रास्फीति में कमी लाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए शतरंज का उदाहरण दिया। उन्होंने साफ किया कि एक गलत कदम हमें राह से भटका सकता है। उन्होंने कहा कि महंगाई पर मुस्तैदी से ध्यान देना जरूरी है क्योंकि मौसम की एक भी प्रतिकूल घटना मुद्रास्फीति को पांच प्रतिशत से ऊपर ले जा सकती है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मौद्रिक नीति के तहत उठाये कदमों के कारण मुद्रास्फीति 2022 में 7.8 प्रतिशत के उच्चतम स्तर से कम होकर वर्तमान में 4.7 प्रतिशत रह गयी है। उन्होंने कहा कि मूल्य वृद्धि का निम्न स्तर सतत वृद्धि सुनिश्चित कर सकता है। दास ने कहा, ''उच्च मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था की प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करती है, अर्थव्यवस्था को घरेलू और विदेशी निवेश दोनों के लिए प्रतिकूल गंतव्य बनाती है। सबसे महत्वपूर्ण, उच्च मुद्रास्फीति का मतलब लोगों, विशेषकर गरीब लोगों की क्रय शक्ति को कम करना होगा।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल में सरकारी व्यय से वृद्धि को गति मिल रही है। अब इस बात के स्पष्ट सबूत हैं कि निजी पूंजीगत व्यय बढ़ रहा है और सीमेंट तथा इस्पात जैसे बुनियादी ढांचे से जुड़े क्षेत्रों में सबसे अधिक रुचि देखी जा रही है। दास ने यह भी कहा कि अर्थव्यवस्था तभी आगे बढ़ेगी जब विभिन्न क्षेत्रों में तेजी आएगी और उन्होंने वृद्धि को गति देने के लिए सभी क्षेत्रों पर जोर देने की बात कही। आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन सहित कुछ विशेषज्ञों के भारत की वृद्धि के लिए सेवा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने की बात कहे जाने के बीच उन्होंने यह बात कही है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था अपनी वृद्धि महत्वकांक्षा को हासिल करने के लिए विनिर्माण या सेवा में से किसी एक पर निर्भर नहीं रह सकती है।

हिसार में एकीकृत विमानन केंद्र विकसित होगा, अमेरिकी व्यापार निकाय ने वित्तपोषण को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी व्यापार एवं विकास एजेंसी ने हरियाणा के हिसार हवाई अड्डे पर एक एकीकृत विमानन केंद्र बनाने में मदद के लिए तकनीकी सहायता के वास्ते अनुदान निधि को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी व्यापार एवं विकास एजेंसी (यूएसटीडीए) की निदेशक एनोह टी एबोंग ने यहां तीन दिवसीय अमेरिका-भारत विमानन शिखर सम्मेलन में मंगलवार को यह घोषणा की। एकीकृत विमानन केंद्र बनाने का मकसद भारत की आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क को मजबूत करने के लिए हवाई अड्डे के माल तथा रसद बुनियादी ढांचे को विकसित करना है। उन्होंने कहा, '' मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि यूएसटीडीए ने हरियाणा राज्य के हिसार हवाई अड्डे पर एक एकीकृत विमानन केंद्र बनाने में मदद के लिए तकनीकी सहायता हेतु अनुदान निधि को मंजूरी दे दी है।'' एबोंग ने हालांकि यूएसटीडीए से मिलने वाली अनुदान राशि का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा, '' हमारे कदम हवाई अड्डे के माल तथा लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को विकसित करने में मदद करेंगे, जो भारत की आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क को मजबूत करेगा।'' शीर्ष अधिकारी ने बताया कि भारत में 10 विमानन परियोजनाएं हैं जिनमें अमेरिकी कंपनियां योगदान कर सकती हैं। उन्होंने कहा, ''हम और भी काम करना चाहते हैं। यह शिखर सम्मेलन हमारी पारस्परिक रूप से लाभकारी विमानन साझेदारी के अगले अध्याय की दिशा तय करने का एक अवसर है।''

एलपीजी सिलेंडर के लिए टाइम टेक्नोप्लास्ट को मिला बड़ा ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार में ऐतिहासिक बढ़त के बीच स्मॉलकैप कंपनी टाइम टेक्नोप्लास्ट के शेयर पर निवेशक टूट पड़े। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को 5.49 प्रतिशत बढ़कर 349.60 रुपये प्रति शेयर के इंट्राडे हाई पर पहुंच गए। 21 जून 2024 को शेयर 52 वीक हाई पर था। यह भाव 352.50 रुपया पर पहुंच गया था। इस शेयर की कीमत में उछाल टाइम टेक्नोप्लास्ट को मिले एक बड़े ऑर्डर के बाद आया है। आपको बता दें कि टाइम टेक्नोप्लास्ट को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड से टाइप- एलपीजी कंपोजिट सिलेंडर की आपूर्ति के लिए ऑर्डर मिला है। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में टाइम टेक्नोप्लास्ट ने कहा, हमें यह अपडेट देते हुए खुशी हो रही है कि कंपनी को 55 करोड़ रुपये (लगभग) के कुल मूल्य के लिए कंपोजिट सिलेंडर (एलपीजी) की आपूर्ति के लिए एक अतिरिक्त ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर 10 किलोग्राम क्षमता वाले कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर के लिए है। बता दें कि ऑर्डर की क्वांटिटी बढ़ाई जा सकती है। टाइम टेक्नोप्लास्ट ने कहा कि पहले ऑर्डर के सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद और अगला ऑर्डर जारी कर दिया गया है। इस बीच, कंपनी को 12 महीने के भीतर ऑर्डर डिलीवर करने की उम्मीद है।

नवरत्न का दर्जा मिलते ही रॉकेट बने जहाज कंपनी के शेयर, 2 साल में 1600 प्रतिशत की तूफानी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयर रॉकेट बन गए हैं। कंपनी के शेयर बुधवार को 5 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 4269.75 रुपये पर पहुंच गए हैं। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयर बुधवार को नई ऊंचाई पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल एक बड़े अपडेट के बाद आया है। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स को नवरत्न कंपनी का दर्जा मिल गया है। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स यह दर्जा पाने वाली देश की 18वीं पीएसयू बन गई है।

नवरत्न का दर्जा पाने वाली मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयरों में 2 साल में 1600 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। मझगांव डॉक के शेयर 24 जून 2022 को 245.20 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 26 जून 2024 को 4269.75 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले एक साल में मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयरों में 233 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। कंपनी के शेयर 26 जून 2023 को 1257.10 रुपये पर थे। मझगांव डॉक के शेयर 26 जून 2024 को 4269.75 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 6 महीने में सरकारी कंपनी के शेयरों में 85 पर्सेंट का उछाल आया है। डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज ने मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स को नवरत्न का दर्जा दिया है। नवरत्न का दर्जा मिलने के बाद मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स केंद्र सरकार से मंजूरी लिए बिना 1000 करोड़ रुपये तक के इनवेस्टमेंट्स कर सकती है। इसके अलावा, नवरत्न कंपनी को विदेश में ज्वाइंट वेंचर्स, एलायंसेज और सब्सिडियरी बनाने की इजाजत होती है।

नवरत्न कंपनी बनने के लिए किसी सरकारी कंपनी का पहले मिनीर प्रतिशत कंपनी होना जरूरी होता है। नवरत्न का दर्जा मिलते ही मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स अब इंजीनियर्स इंडिया, कॉनकॉर, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स, आरसीएफ, नॉल्को, एनएमडीसी, आरवीएनएल इरकॉन और इरेडा की कतार में शामिल हो गई है।

कभी सिर से पैर तक कर्ज में डूब गए थे, आज 2,308 करोड़ की कंपनी के मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। बिजनेस करना कोई आसान काम नहीं है। इसमें काफी जोखिम होता है। एक गलत फैसला आपके कंधों पर बहुत बड़ा आर्थिक बोझ डाल सकता है। अमित कुमत की कहानी कुछ ऐसी ही है। वह प्रताप स्नैक्स लिमिटेड के सीईओ और एमडी हैं। उन्होंने बहुत कठिनाइयों का सामना किया। हालांकि, हार न मानकर अमित ने एक बड़ा बिजनेस खड़ा किया। उनकी कंपनी आज भारतीय स्नैक बाजार में एक लोकप्रिय ब्रांड है।

केमिकल बिजनेस में खा गए घाटा

अमित ने अपना करियर केमिकल बनाने के बिजनेस से शुरू किया था। लेकिन, यह फैसला उनके लिए मुश्किल साबित हुआ। उन्हें सिर्फ एक साल में 6 करोड़ रुपये का कर्ज हो गया। हालांकि, अमित ने हार नहीं मानी और चुनौतियों का डटकर सामना किया।

2002 में अमित कुमत ने इंदौर में स्नैक्स बेचने के बारे में सोचा। उन्होंने इसे लेकर अपने भाई अपूर्व और दोस्त अरविंद मेहता से बात की। अमित ने अपने परिवार को 15 लाख रुपये निवेश करने के लिए मनाया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगर बिजनेस नहीं चला तो वो पैसे वापस कर देंगे। इस तरह तीनों ने मिलकर चीज बॉल्स बेचना शुरू कर दिया। इंदौर में एक छोटे से कमरे से अमित कुमत ने अपना बिजनेस शुरू किया था। अमित की मेहनत और लगन रंग लाई और जल्द ही उनकी बिक्री बढ़ने लगी। 2003 में उन्होंने प्रताप स्नैक्स की शुरुआत की। यही कंपनी आगे चलकर येलो डायमंड ब्रांड के नाम से मशहूर हुई। येलो डायमंड अपने नमकीन और आलू के चिप्स के लिए जाना जाता है। एक छोटी सी शुरुआत से लेकर स्नैक्स इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने तक अमित का सफर उनकी मेहनत और लगन का नतीजा है।

बन चुकी है 2,308 करोड़ की कंपनी

जब अमित का बिजनेस सफल हो गया तो उन्होंने बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को अपनी कंपनी का ब्रांड एम्बेसडर बनाया। 31 मार्च, 2022 को खत्म हुए वित्तीय वर्ष में प्रताप स्नैक्स का रेवेन्यू 500 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का था। कंपनी की देशभर में चार फैक्ट्रियां हैं। इसका डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क भी बहुत बड़ा है। इस नेटवर्क में 24 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में फैले 2,900 डिस्ट्रीब्यूटर और 168 सुपर स्टॉकिस्ट शामिल हैं। वर्तमान में प्रताप स्नैक्स का बाजार पूंजीकरण लगभग 2308 करोड़ रुपये है।

ईशा अंबानी की कंपनी घंटे भर में करेगी सामान की डिलीवरी, शहरों में शुरू की पायलट सर्विस

नई दिल्ली, एजेंसी। ईशा अंबानी की कंपनी रिलायंस रिटेल ने मुंबई और नवी मुंबई के कुछ क्षेत्रों में किराने का सामान और फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) उत्पादों की तत्काल डिलीवरी का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है। यहां ऑर्डर एक घंटे के अंदर डिलीवर किए जाएंगे। इंडस्ट्री के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी ईटी को दी है। ग्रुप की फास्ट डिलीवरी सेवा को हाइपरलोकल डिलीवरी ऑप्शन के रूप में जियोमार्ट मोबाइल एप्लिकेशन में एकीकृत किया गया है। बताया कि रिलायंस डिलीवरी के समय को 30-45 मिनट तक कम करने की कोशिश करेगी, क्योंकि सिस्टम में ज़्यादा स्टोर जुड़ रहे हैं और ऑपरेशन दूसरे बाज़ारों में बढ़ रहा है। उद्योग के अधिकारियों के मुताबिक, ऑनलाइन दिए जाने वाले रोज़मर्रा की ज़रूरतों के ऑर्डर के लिए रिलायंस का सबसे कम डिलीवरी समय लगभग 12 घंटे है। कुछ ऑर्डर में तीन दिन तक का समय भी लग सकता है। हालांकि इस संबंध में रिलायंस रिटेल को भेजी गई ई-मेल का जवाब अभी नहीं मिल पाया है।

टाटा के स्वामित्व वाली बिगबास्केट की ब्लिंकिट, स्विगी इंस्टामार्ट, ज़ेप्टो और बीबी नाउ जैसी क्विक कॉमर्स कंपनियां ज़्यादातर ऑर्डर 10 मिनट के अंदर डिलीवर कर रही हैं। रिलायंस डिलीवरी की दौड़ में शामिल नहीं होना चाहती, क्योंकि इसके लिए डार्क स्टोर की ज़्यादा पहुंच बनाने और डिलीवरी कर्मियों के एक बड़े बेड़े को काम पर रखने की ज़रूरत होगी। इसके बजाय, यह अपने स्टोर नेटवर्क और गोदामों से इन ऑर्डर को पूरा करेगी। इंडस्ट्री के अधिकारी के मुताबिक, जिन क्षेत्रों में स्टोर नेटवर्क सीमित है। वहां रिलायंस उन किराना स्टोर्स को जोड़ने की योजना बना रही है जो जियोमार्ट पार्टनर पहल में शामिल हो चुके हैं। ये किराना स्टोर रिलायंस रिटेल की थोक शाखा से उत्पाद खरीदते हैं और उनका बैकएंड जुड़ा हुआ है। कंपनी पूर्ति प्रक्रिया के लिए और डिलीवरी मार्गों को अनुकूलित करने के लिए एफवायएनडी और लोकस जैसे प्रौद्योगिकी प्लेटफ़ॉर्म का यूज कर रही है।

कार वालों को मिल सकती है सौगात, ट्रेन के एमएसटी की तरह टोल का भी होगा मंथली पास!

नई दिल्ली, एजेंसी। आप रेलगाड़ी में सफर करते हों तो आपको पता होगा कि भारतीय रेल अपने दैनिक यात्रियों को मंथली सीजन टिकट या एमएसटी पास जारी करता है। ठीक इसी तरह से आने वाले समय में टोल रोड का इस्तेमाल करने के लिए कार वालों को भी ऐसे मंथली या एनुअल पास जारी किए जा सकते हैं। इससे जहां टोल चोरी करने की घटनाओं में कमी आएगी, वहीं सरकारी खजाने में और बढ़ोतरी होगी। लोगों को झंझट से मुक्ति मिलेगी, वह अलग।

मंगलवार को दिल्ली में ग्लोबल नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम पर इंटरनेशनल वर्कशॉप का आयोजन हुआ था। इसी दौरान केंद्र सरकार में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने टोल नाकों के लिए कार वालों को मंथली और एनुअल पास जारी करने का विचार दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कार वालों को मंथली और एनुअली पास जारी करने की भी एक सोच है। यह तो सेक्रेटरी अनुराग जैन और एनएचएआई के चेयरमैन संतोष कुमार यादव सोचे।

झंझट खत्म होगा

गडकरी का कहना है कि टोल नाकों के लिए मंथली या एनुअली पास जारी करने से सड़क बनाने वालों को पैसा भी मिलेगा और झंझट भी खत्म हो जाएगा। ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर की कार वालों को मंथली पास जारी करने वाली बात कहने को आने वाले समय में इसे सकारात्मक रूप में देखा जा रहा है। जिसमें टोल नाको पर इस तरह का सिस्टम शुरू हो सकता है। हालांकि, अभी भी देश में कुछ जगह ऐसे मंथली पास जारी किए जाते हैं। लेकिन यह मंथली पास केवल टोल नाको के आसपास रहने वाली आबादी के लिए है। जिनके आईडी से पहचान सुनिश्चित करके उनसे कुछ पैसा लेकर ऐसे पास जारी किए जाते हैं।

हाइब्रिड मॉडल पर हो रहा है काम

सेटेलाइट पर आधारित टोल लेने वाले सिस्टम में विभाग शुरूआत में हाइब्रिड मॉडल पर काम कर रहा है। जिसमें टोल नाको की दो लेन को सेटेलाइट आधारित टोल देने वाली गाड़ियों के लिए और बाकी वर्तमान सिस्टम फास्टैग वाली गाड़ियों के लिए रखा जाए। फिर जैसे-जैसे जीएनएसएस आधारित यह इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन बढ़ता जाएगा। धीरे-धीरे फिर टोल प्लाजा की अन्य तमाम लेनों को भी सेटेलाइट वाली कर दी जाएं।

कई देशों के आए थे एक्सपर्ट

इस वर्कशॉप में कई देशों से एक्सपर्ट भी आए थे। मकसद यही था कि किस तरह से भारत में टोल नाको पर गाड़ियों को बिना रोके उनसे सेटेलाइट आधारित टोल लिया जाए। इसमें और क्या-क्या दुनिया की ऐसी बेस्ट प्रैक्टिस हैं। जिससे भारत के लोगों को बिना किसी परेशानी के टोल देते हुए टोल रोड का इस्तेमाल कर सकें। वर्कशॉप में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा और अजय टम्टा भी उपस्थित थे।

अगर सड़कें अच्छी न हों तो लोगों से टोल नहीं वसूला जाना चाहिए

देश में जल्द ही लागू होने जा रहा है जीपीएस बेस्ड टोल सिस्टम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि अगर सड़कें अच्छी हालत में नहीं हैं। लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हो, तो राजमार्ग एजेंसियों द्वारा टोल वसूलने का कोई औचित्य नहीं है। वे सैटेलाइट आधारित टोलिंग पर एक वैश्विक कार्यशाला में बोल रहे थे, जिसे इस वित्तीय वर्ष के दौरान 5,000 किलोमीटर तक लागू किया जाएगा। अपनी बातों को बेबाकी से कहने के लिए मशहूर गडकरी ने कहा, अगर आप अच्छी सेवाएं नहीं देते हैं, तो आपको टोल नहीं वसूलना चाहिए। हम उपयोगकर्ता शुल्क वसूलने और अपने हितों की रक्षा करने के लिए टोल वसूलने की जल्दी में हैं। सड़क की हालत अच्छी नहीं होती है तो मुझे ढेरों शिकायतें मिलती हैं और सोशल मीडिया पर हर जगह पोस्ट होते हैं। आपको उपयोगकर्ता शुल्क वहीं वसूलना चाहिए जहां आप सबसे अच्छी गुणवत्ता वाली सड़क प्रदान नहीं करते हैं। अगर आप गड्ढों और कीचड़ वाली सड़कों पर टोल वसूलते हैं, तो लोगों की नाराजगी होगी। हमें (राजनीतिक नेताओं को) लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ता है।

मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग एजेंसियों के क्षेत्रीय अधिकारियों को टोल प्लाजा पर लंबे समय तक इंतजार करने के कारण लोगों को होने वाली परेशानी के प्रति अधिक संवेदनशील होना चाहिए तथा शिकायत दर्ज करने और उनके त्वरित निवारण के लिए एक तंत्र होना चाहिए। हालांकि सरकार ने 2021 में राजमार्गों पर टोल भुगतान के लिए फास्टैग का इस्तेमाल अनिवार्य कर दिया है, जिससे टोल लेन के माध्यम से निर्बाध यात्रा की जा सके और वर्तमान में लगभग 98 प्रतिशत लेन-देन वाहनों पर लगे इन स्मार्ट टैग के माध्यम से हो रहा है। लेकिन देश भर से प्लाजा पर कतारों की कई रिपोर्टें आई हैं। इसे खत्म करने के लिए, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम बेस्ड टोल संग्रह के रोल आउट और विस्तार पर काम कर रहा है। इसका उद्देश्य अगले कुछ वर्षों में ह॥ नेटवर्क से टोल गेट हटाना है। राजमार्ग प्राधिकरण इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करने का प्रस्ताव करता है, जिसमें केवल वाणिज्यिक वाहनों से शुरुआत की जाएगी और टोल प्लाजा के प्रत्येक तरफ एक लेन समर्पित की जाएगी ताकि वे बिना रुके गुजर सकें। वाणिज्यिक वाहनों के लिए वाहन ट्रैकर सिस्टम (वीटीएस) स्थापित करना अनिवार्य है, जो एक ऑन बोर्ड इकाई है, जो जीएनएसएस-आधारित टोलिंग के लिए जरूरी है। सरकार अगले चरण में निजी वाहनों को भी इस टोल प्रणाली के अंतर्गत लाने की योजना बना रही है। गडकरी ने कहा कि सिस्टम (जीएनएसएस) आधारित टोल संग्रह से सरकार के टोल राजस्व में 10,000 करोड़ रुपये का इजाफा होगा।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर कोरिया ने फिर दागी बैलिस्टिक मिसाइल, जापान के प्रधानमंत्री ने किया अलर्ट जारी

टोक्यो , एजेंसी। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ तनाव के बीच उत्तर कोरिया ने मंगलवार सुबह एक बार फिर बैलिस्टिक मिसाइल दागी। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह जानकारी दी। कहा कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल हमले किए हैं। इसलिए देश में अलर्ट जारी किया जा रहा है। इस जानकारी के कुछ मिनट बाद ही जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक और ट्वीट किया। कहा कि उत्तर कोरिया द्वारा दागी गई संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल के जापान पहुंचने की संभावना नहीं है। इसलिए अलर्ट हटाया जा रहा है। वहीं, पीएमओ ने लोगों से आग्रह भी किया कि किसी भी तरह की कोई जानकारी मिलने पर तुरंत सूचना दें। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को विमान और जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आकस्मिक स्थितियों के लिए सभी संभव उपाय करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि जानकारी जुटाने और उसका विश्लेषण करने का अधिक से अधिक प्रयास करें। साथ ही जनता से भी जानकारी जुटाएं। यह बात उत्तर कोरिया द्वारा बार-बार किए जा रहे मिसाइल हमलों के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया की बढ़ती चिंताओं के बीच कही गई है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया ने एक संयुक्त बयान में हिंद-प्रशांत जल क्षेत्र में यथास्थिति बदलने के किसी भी एकतरफा प्रयास का कड़ा विरोध किया था और उत्तर कोरिया द्वारा बैलिस्टिक मिसाइल तकनीक के इस्तेमाल से हाल ही में किए गए प्रक्षेपणों की कड़ी निंदा की थी।

चुनावी बहस से पहले डोनाल्ड ट्रंप को आंशिक राहत; फैसले में जज ने कहा- जूरी की सुरक्षा प्राथमिकता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क की एक अदालत से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आंशिक राहत मिली। अदालत के फैसले के बाद ट्रंप अपने मामले में गवाही देने वाले माइकल कोहेने और स्टॉर्मी डेनियल से जुड़ी टिप्पणी कर सकेंगे। ये राहत इसलिए भी अहम है क्योंकि 27 जून को होने वाली चुनावी बहस में ट्रंप भाग लेंगे। खबरों के मुताबिक अदालत से मिली राहत के बाद ट्रंप बहस के दौरान खुलकर टिप्पणी कर सकेंगे। गौरतलब है कि गुप्त धन से जुड़े आपराधिक मुकदमे में लगे प्रतिबंध आदेश (गैग ऑर्डर) को आंशिक रूप से हटाने के मामले में न्यूयॉर्क के अटॉर्नी अल्वीन ब्रैग (डी) का रूख अपवाद है। एक अन्य जज जुआन मर्चेन ने भी कहा है कि वे 11 जुलाई के फैसले के बाद प्रतिबंध हटाने पर विचार करेंगे। आंशिक रूप से हटाए जाने के बाद ट्रंप जूरी के सामने अपना पक्ष रख सकेंगे। इसी जूरी ने ट्रंप को पिछले महीने 34 आपराधिक आरोपों में दोषी ठहराया था। हालांकि, पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप एक अन्य सुरक्षात्मक आदेश के तहत सार्वजनिक रूप से गवाहों की पहचान का खुलासा नहीं कर सकेंगे। द हिल की रिपोर्ट के मुताबिक प्रतिबंधों में राहत देते हुए जज मर्चेन ने कहा कि जूरी के सदस्यों को संरक्षण प्रदान करना उनकी प्राथमिकता है। न्यूयॉर्क के अटॉर्नी अल्वीन ब्रैग की तरफ से इस संबंध में अपील भी की गई थी।

नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में बुद्ध बॉय दोषी करार, अब एक जुलाई को सुनाई जाएगी सजा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की एक अदालत ने बुद्ध बॉय के नाम से मशहूर आध्यात्मिक नेता को यौन उत्पीड़न के आरोप में दोषी ठहराया। बुद्ध बॉय के प्रचलित राम बहादुर बामजन को जनवरी में नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न के के अलावा अपने चार भक्तों के गायब होने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। सरलाही जिला न्यायालय के एक जज ने उसे दोषी करार दिया। कोर्ट ने बताया कि सजा एक जुलाई क सुनाई जाएगी। 33 वर्षीय राम बहादुर बामजन को उसके भक्त गौतम बुद्ध का अवतार मानते हैं। उसके भक्तों का मानना है कि बुद्ध बॉय महीनों तक पानी, नींद और भोजन के बिना ध्यान कर सकता है। हालांकि, कुछ पत्रकारों ने उसे ध्यान के दौरान कुछ खाते और सोते हुए भी रिकॉर्ड किया था। 2010 में उसके खिलाफ दर्जनों हमले की शिकायतें दर्ज की गई थी। इस पर सफाई पेश करते हुए बुद्ध बॉय ने बताया था कि ध्यान के दौरान परेशान करने के कारण उसने अपने भक्तों को पीट दिया था। नेपाल की केंद्रीय जांच ब्यूरो ने उसे इस साल काठमांडू के बाहरी इलाके में एक घर से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान उन्होंने 227,000 डॉलर मूल्य के नेपाली बैंक नोट और 23,000 डॉलर मूल्य की अन्य विदेशी मुद्राएं जब्त कीं।

रूस-यूक्रेन के बीच 90 युद्ध बंदियों की अदला-बदली

मास्को, एजेंसी। रूस-यूक्रेन को दो साल से अधिक समय हो चुका है। इस युद्ध के दौरान न जानें कितने ही लोगों को दोनों देशों ने बंदी बना लिया है। हालांकि अब एक अच्छी खबर है। रूस ने बताया कि उसने संयुक्त अरब अमीरात की मध्यस्थता में यूक्रेन के साथ 90 बंदियों का आदान-प्रदान किया है।

प्रदर्शनकारियों ने केन्या की संसद में लगाई आग, ओबामा की सौतेली बहन चोटिल; भारतीयों को एडवाइजरी जारी

नैरोबी, एजेंसी। केन्या में करों (टैक्स) को लेकर प्रदर्शन कर रहे हजारों प्रदर्शनकारी संसद में घुस गए हैं और इमारत के एक हिस्से में आग लग गई है। सांसदों को वहां से निकाला जा रहा है। पुलिस ने इससे पहले मंगलवार को राजधानी नैरोबी में प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं। प्रदर्शन में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया और उनकी मांग थी कि सांसद एक विवादास्पद वित्त विधेयक में प्रस्तावित नए करों के खिलाफ मतदान करें। पिछले सप्ताह विरोध प्रदर्शनों में दो लोगों की मौत हो गई थी, लेकिन मंगलवार को किसी के हताहत होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं है। केन्या के लोगों द्वारा दान की गई सामग्री के साथ चिकित्सकों ने विभिन्न शहरों में अस्थायी आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र स्थापित किए। विरोध प्रदर्शन का यह दौर तब शुरू हुआ जब सांसदों ने नए करों की पेशकश करने वाले वित्त विधेयक पर मतदान किया। इन नये करों में 'इको-लेवी' भी शामिल है जो सैनिटरी पैड और डायपर जैसी वस्तुओं की कीमत बढ़ाएगी। लोगों के आक्रोश के बाद 'ब्रेड' पर कर लगाने का प्रस्ताव हटा दिया गया लेकिन प्रदर्शनकारी अब भी संसद से इस विधेयक को पारित नहीं करने का आह्वान कर रहे हैं। केन्या मानवाधिकार आयोग ने मंगलवार को अधिकारियों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का एक वीडियो साझा किया और कहा कि उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा। आयोग ने 'एक्स' पर राष्ट्रपति विलियम रुटो को

संबोधित करते हुए लिखा, दुनिया आपको अत्याचार की ओर बढ़ते हुए देख रही है! आपकी सरकार के कार्य लोकतंत्र पर हमला हैं। गोलीबारी में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल सभी लोगों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

भारतीय नागरिकों से 'अत्यधिक सतर्कता' बरतने को कहा गया : केन्या में भारतीय उच्चायोग ने मंगलवार को भारतीय नागरिकों को अफ्रीकी राष्ट्र में हिंसक विरोध प्रदर्शन से उत्पन्न ''तनावपूर्ण'' स्थिति के मद्देनजर ''अत्यधिक सावधानी'' बरतने की सलाह दी। भारतीय उच्चायोग ने एक परामर्श में कहा, ''मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए केन्या में सभी भारतीयों को अत्यधिक सावधानी बरतने, गैर-जरूरी आवाजाही को प्रतिबंधित करने और स्थिति सामान्य होने तक विरोध और हिंसा प्रभावित क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी जाती है।'' एक आधिकारिक अनुमान के अनुसार वर्तमान में लगभग 20,000 भारतीय केन्या में रह रहे हैं।

बराक ओबामा की सौतेली बहन हुई चोटिल : सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की सौतेली बहन व केन्याई कार्यकर्ता औमा ओबामा पर मंगलवार को नैरोबी में संसद भवन के बाहर प्रदर्शन के दौरान आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया। संसद में घुसने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने गोलीबारी की, जिसमें कम से कम पांच प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई, दर्जनों घायल हो गए। इस हंगामे के दौरान औमा ओबामा को एक सीएनएन रिपोर्टर ने एक तरफ ले जाकर पूछा कि वह वहां क्यों आई हैं। उन्होंने कहा, मैं यहां इसलिए आई हूं कि देखिए क्या हो रहा है। युवा केन्याई अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। वे झंडे और बैनर लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। मैं अब कुछ भी नहीं देख सकती। हम पर आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं। उनके पीछे एक व्यक्ति एक तख्ती लिए खड़ा था, जिस पर लिखा था, केन्या में उपनिवेशवाद कभी खत्म नहीं हुआ, जबकि दूसरा चिल्ला रहा था, यह हमारा देश है। यह हमारा राष्ट्र है। औमा ओबामा ने पहले ट्विटर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान अपनी तस्वीरें पोस्ट की थीं। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा के कार्यालय ने उनकी बहन से जुड़ी घटना या केन्या में हुई हिंसा पर टिप्पणी मांगने के लिए तुरंत कॉल का जवाब नहीं दिया।

डायपर और सैनिटरी पैड पर भी भारी-भरकम टैक्स : केन्या में विरोध प्रदर्शन का यह दौर तब शुरू हुआ जब सांसदों ने नए करों की पेशकश करने वाले वित्त विधेयक पर मतदान किया। इन नये करों में 'इको-लेवी' भी शामिल है जो सैनिटरी पैड और डायपर जैसी वस्तुओं की कीमत बढ़ाएगी। लोगों के आक्रोश के बाद 'ब्रेड' पर कर लगाने का प्रस्ताव हटा दिया गया लेकिन प्रदर्शनकारी अब भी संसद से इस विधेयक को पारित नहीं करने का आह्वान कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री के घर में जबरन घुसने का प्रयास, अनधिकृत प्रवेश के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कथित चूक का मामला सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री के घर में जबरन घुसने का प्रयास करने वाले लोगों को स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार किया है। समाचार एजेंसी एपी के हवाले से पीटीआई ने बताया कि प्रधानमंत्री के आवासीय परिसर में अनधिकृत प्रवेश के आरोप में चार लोग गिरफ्तार किए गए हैं। चार लोगों में एक प्रेस फोटोग्राफर भी शामिल है। उत्तरी यॉर्कशायर पुलिस ने बताया कि उत्तरी इंग्लैंड में प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के कंट्री एस्टेट परिसर में घुसने के बाद मंगलवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक दोपहर के बाद हिरासत में लिए जाने के बाद मामले की गंभीरता को भांपते हुए चारों लोगों को अवैध प्रवेश के संदेह में गिरफ्तार कर लिया गया। खबरों के मुताबिक यूथ डिमांड नाम के एक समूह ने वीडियो पोस्ट किया। इसमें जूते पहने शख्स को सुनक के तालाब में कदम रखते देखा गया। वह शौच करने का नाटक कर रहा था। चार लोगों के इस समूह ने प्रधानमंत्री को विदाई उपहार देने की बात कही और अभद्र भाषा का इस्तेमाल भी किया। समूह से जुड़े व्यक्ति ओलिवर से पुलिस अधिकारी ने अवैध तरीके से घुसने के पीछे इरादों के बारे में पूछा। इस पर उसने कहा, मुझे लगता है कि हमारे इरादे पूरे हो गए हैं। यूथ डिमांड का कहना है कि ब्रिटेन को इस्राइल पर दोतरफा हथियार प्रतिबंध लगाना चाहिए। यह समूह सरकार से 2021 में जारी तेल और गैस लाइसेंस रद्द करने की मांग भी कर रहा है। बता दें कि सुनक ने इस साल की शुरुआत में इस समूह की निंदा की थी। उस समय इस समूह से जुड़े लोगों ने लेबर नेता कीर स्टारमर के घर पर एक बैनर लटका दिया था। इसमें लिखा था हत्या बंद करो। इसे इस्राइल और हमास के युद्ध के संदर्भ में देखा गया। इससे पहले बीते अगस्त में, ग्रीनपीस के चार प्रदर्शनकारियों पर आपराधिक आरोप लगे थे। इन लोगों पर सुनक के घर पर चढ़ने और उनकी योजना का विरोध करने के लिए काले कपड़ों के इस्तेमाल का आरोप लगा था। यह समूह उत्तरी सागर में तेल और गैस ड्रिलिंग का विस्तार करने की सुनक की योजना के खिलाफ है।

गर्मी का प्रकोप- अमेरिका में गर्मी की वजह से मोम वाले अब्राहम लिंकन ही पिघल गए

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में गर्मी की वजह से लोगों का हाल बेहाल है। तेज धूप की वजह से एक अजीबों गरीब मामला सामने आया है। चिलचिलाती हुई धूप की वजह से वॉशिंगटन में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की छह फुट ऊंची मोम की मूर्ति पिघलने लगी। देखते ही देखते मूर्ति का सर पिघल कर अलग हो गया। लिंकन मेमोरियल की तर्ज पर बनाए गए इस मूर्ति का सिर निकल गया और पैर भी धड़ से अलग हो गया। दूसरा पैर भी सोमवार तक पिघल गया। मूर्ति को बनवाने वाले एनजीओ कल्चरलडीसी ने कहा, हमारे कर्मचारियों ने जानबूझकर लिंकन का सिर हटा दिया है ताकि वह गिरकर टूट न जाए। 3,000 पाउंड की इस मोम की मूर्ति को मोमबत्ती की तरह जलाया जाना है और समय के साथ इसमें बदलाव किया जाना है, लेकिन इस भीषण गर्मी ने इस मूर्ति को काफी नुकसान पहुंचाया है। संगठन ने कहा कि लिंकन की मूर्ति में इस्तेमाल किए गए मोम का जमने का बिंदु- जहां कोई पदार्थ पिघलना शुरू होता है- 140 डिग्री(फारेनहाइट) है। 40 एकड़ कैंप बार्कर नाम की इस प्रतिमा को सितंबर तक स्कूल में रखा जाना था। कल्चरलडीसी ने अपनी प्रेस रिलीज में कहा, यह स्थापना डीसी के गृहयुद्ध के दौर के रिफ्यूजी कैंप के इतिहास पर बनाई गई है।

ब्राजील में जेल भरने से सरकार परेशान, कोर्ट ने गांजा को लीगल कर काम किया आसान

ब्रासीलिया, एजेंसी। लैटिन अमेरिकी देश ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को व्यक्तिगत उपयोग के लिए मारिजुआना(गांजा) रखने को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया। अपनी जेलों में बढ़ती आबादी और तमाम कार्यकर्ताओं की मांग के बाद ब्राजील ऐसा करने वाला दक्षिणी अमेरिका का पहला देश बन गया। इस फैसले के पक्ष में मतदान करने वाले सभी जजों ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर निजी उपयोग के लिए गांजा की एक निश्चित मात्रा को रखने को लीगल किया गया है, इससे गैर-अपराधीकरण को बढ़ावा मिलेगा और पुलिस बल अवैध नशीली दवाओं की खरीद-फरोख्त को कम करने में अपना समय दे पाएगा।

देश में गांजा लीगल होने के बाद जजों को अभी अधिकतम मात्रा का निर्धारण करना बाकी है कि एक व्यक्ति आखिर कितना रख सकता है जिसे व्यक्तिगत उपयोग के लिए माना जा सके, यह निर्णय कब से प्रभावी होगा इस पर बुधवार को फैसला आने की संभावना है।

ब्राजील की कांग्रेस ने 2006 में एक कानून को मंजूरी दी थी, जिसमें मारिजुआना सहित कई नशीली दवाओं की थोड़ी सी मात्रा के साथ भी पकड़े जाने पर व्यक्तियों को दंड देने की बात थी। हालांकि कानून स्पष्ट नहीं था और न ही इससे सरकार नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी को कम करने में कामयाबी हासिल कर पाई।

पुलिस लगातार गांजा की थोड़ी सी मात्रा भी लिए मिलने पर लोगों को पकड़कर जेल में बंद करती रही। जिससे ब्राजील की जेल में कैदियों की संख्या लगातार बढ़ती गई।

सामाजिक सुरक्षा से संबंधित थिंक टैंक के अध्यक्ष इलोना सजाबो ने कहा कि ब्राजील की जेलों में बंद अधिकतर पहली बार मादक पदार्थों के साथ पकड़े गए ऐसे लोग हैं जो पहली बार अपराधी बने हैं। जो अपने साथ थोड़ी मात्रा में अवैध पदार्थ ले जा रहे थे और नियमित पुलिस अभियानों में पकड़े गए, इन लोगों के पास न तो कोई हथियार मिला और न ही यह संगठित अपराध के साथ इनका संबंध था।

कई देशों में लीगल है मारिजुआना : लैटिन अमेरिकी देश उरुग्वे 2013 में ही गांजा को लीगल करने के मामले में सबसे पहला देश था, अमेरिका के कुछ राज्यों में भी यह व्यक्तिगत तौर पर रखना तो लीगल है लेकिन उसे किसी और को बेचना लीगल नहीं है। इक्वाडोर और पेरू में भी इसे लीगल कर दिया गया है। यूरोप के कई देशों में गांजा को व्यक्तिगत तौर पर रखना लीगल कर दिया गया है। हाल ही में गांजा को वैध बनाने वाला जर्मनी सबसे बड़ा यूरोपिय देश बना था, जर्मन सरकार के इस फैसले के खिलाफ विपक्षी नेताओं और डॉक्टरों ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी लेकिन इसके बाद भी गांजा को देश में वैध बना दिया गया था।

हज के दौरान लू लगने से अमेरिकी कपल की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। हज की यात्रा के दौरान पड़ रही गर्मी के कारण अब तक करीब 1300 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें से एक अमेरिका के बॉवी, मैरीलैंड का रहने वाला एक दंपत्ति भी शामिल है। अब उनकी बेटी सईदा ने अपने माता-पिता की मौत से जुड़ा एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। सईदा के अनुसार उनके पिता और माता (अल्हाजी अलीउ डौसी वुरी, 71 और हाजा इसतु वुरी, 65) को सऊदी अरब की भीषण गर्मी में करीब दो से तीन घंटों तक धूप में पैदल चलना पड़ा। बीबीसी से बात करते हुए, सईदा ने कहा कि उनके माता पिता के टूर ऑपरेटर ने अपने किए गए वादे के मुताबिक खाने और पीने की कोई व्यवस्थाएं नहीं की। सईदा के अनुसार उनके माता-पिता ने सऊदी अरब की यात्रा के लिए प्रत्येक व्यक्ति के हिसाब से 11,500 डॉलर का भुगतान किया था, उन्होंने हज पर जाने के लिए पूरे जीवन भर इंतजार किया था, वह इस यात्रा के लिए बहुत खुश थे। उनका यह टूर मैरीलैंड से संचालित एक अमेरिकी टूरिंग फर्म द्वारा लगभग 100 अन्य हज यात्रियों के एक समूह के साथ उनकी यात्रा की व्यवस्था की गई थी। सईदा ने टूर ऑपरेटर पर आरोप लगाते हुए कहा कि माता-पिता से इस यात्रा के पहले बहुत सारे

वादे किए गए थे लेकिन यात्रा के दौरान बहुत सारी चीजें उन्हें प्रदान ही नहीं की गईं। उन्हें अपने लिए भोजन ढूंढ़ने के लिए कई दिन लग गए, जबकि पैकेज में हर दिन उनके लिए भोजन आना था। 15 जून को मेरी जब उन से आखिरी बार बात हुई तो उन्होंने बताया कि वे अपने आप को हाईड्रेट रखने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन बहुत मुश्किल है और वह लगातार 2 घंटे से पैदल चल रहे हैं। सईदा ने बताया कि उसके बाद से मेरी उनसे कोई बात नहीं हुई, बाद में सीधा उनकी मौत की सूचना मिली। सऊदी अरब में दफनाया गया अमेरिकी कपल सऊदी अरब में अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने और टूर ऑपरेटर ने जोड़े की मौत की पुष्टि की। दूतावास ने सईदा को बताया कि दंपति की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है। दूतावास ने हीट स्ट्रोक को प्राकृतिक कारण माना। सईदा को दूतावास की तरफ से बताया गया कि उसके माता पिता को दफना दिया गया है, लेकिन जब उनसे दफनाने के सही जगह के बारे में पूछा गया तो वे इस बारे में कोई सही जानकारी नहीं दे पाए। सईदा ने सीएनएन को दिए इंटरव्यू में बताया कि हमने सऊदी सरकार से शवों को अपने पास रखने के लिए कहा था ताकि हम सऊदी अरब की यात्रा कर उन्हें, उनके बच्चों की मौजूदगी में उचित तरीके से दफना सकें।

इस्राइल की नई चेतावनी, जल्द गाजा में हमास शासन का होगा खात्मा

यरुशलम, एजेंसी। हमास और इस्राइल बीते आठ महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर दुनिया भर के लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। वहीं, इस्राइल अपने लक्ष्य पर डटा हुआ है। उसका कहना है कि वह जल्द ही उत्तरी गाजा में हमास शासन को बदलने की योजना लागू करेगा।

हमास के सदस्यों का होगा खात्मा : इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तजाची हानेग्बी ने मंगलवार को रीचमैन विश्वविद्यालय के वार्षिक हर्जलिया सम्मेलन में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमास की शासन करने की क्षमता को खत्म करने से उन देशों के लिए अवसर खुलेंगे, जो गाजा में सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि गाजा में जो नया नेतृत्व होगा, उसमें इस्राइल के अब्राहम समझौते के साझेदार, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ और संयुक्त राष्ट्र शामिल होंगे। वहीं इस्राइली सेना हमास के सदस्यों को ढूंढ-ढूंढ कर खत्म करना जारी रखेगी।

अब यह नई योजना : हानेग्बी ने कहा, हम लंबे समय से इस योजना के बारे में बात कर रहे हैं। मगर तब हमारी कोशिश थी कि हमास को पूरी तरह से खत्म करना। हालांकि अब हमें इसके पूरी तरह से खत्म होने

की प्रतीक्षा करने की जरूरत नहीं है। उस प्रक्रिया में लंबा समय लग सकता है। इसलिए अब हमारी यही योजना है और इस पर अमेरिका भी सहमत हैं। उन्होंने आगे कहा कि आप हमास को पूरी तरह से गायब नहीं कर सकते क्योंकि यह एक विचार है, एक अवधारणा है। गौरतलब है, अमेरिका ने युद्ध के बाद गाजा के शासन के लिए एक दृष्टिकोण स्पष्ट करने के लिए इस्राइल के अधिकारियों पर दबाव डाला है। हालांकि बाइडन प्रशासन इस्राइल द्वारा गाजा पर कब्जा करने का हमेशा ही विरोध करता रहा है। इस बीच, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि इस्राइल के तीन युद्ध उद्देश्य हैं हमास की सैन्य और शासन क्षमताओं का विनाश, सभी बंधकों की वापसी और यह सुनिश्चित करना है कि गाजा अब इस्राइल के लिए खतरा नहीं है।

झूठे मामले में सजा मिलने पर अब भारतीय मूल की पीड़िता से गवाह मांग रहे माफी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां एक भारतीय मूल की आठ सप्ताह की गर्भवती महिला को गलत आरोपों में जेल की सजा काटनी पड़ी थी। यह मामला अब इसलिए सामने आया है क्योंकि इंग्लैंड में एक डाकघर की भारतीय मूल की पूर्व प्रबंधक ने उस इंजीनियर की माफी को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है, जिसके सबूत के चलते उन्हें दोषी ठहराया गया था।

12 साल पहले माना था दोषी : 47 साल की सीमा मिश्रा की सजा अप्रैल 2021 में रद्द कर दी गई थी। उस समय अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा था कि महिला को 12 साल पहले गलत आरोपों में दोषी माना गया था। बता दें, महिला पर आरोप था कि उसने उप डाकपाल के पद पर कार्यरत होते हुए डाकघर की शाखा से 75 हजार पाउंड चोरी किए थे।

कोई नहीं समझ सकता : घोटाले की चल रही जांच को लेकर सीमा ने अदालत में कहा, पूर्व फुजित्सु इंजीनियर गैरेथ जेनकिंस ने बहुत देर से माफी मांगी है। वो भी बहुत कम। जेनिकिंस सदियों पहले माफी मांग सकते थे। जिस हालत से मैं गुजरी हूं उसे कोई नहीं समझ सकता।

कार्यालय के लोगों को नहीं पता था कि वह... : बता दें, महिला की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में सामने आई, जब घोटाले की जांच में गैरेथ जेनकिंस ने एक लिखित बयान दिया था कि उन्हें नहीं पता कि मिश्रा सजा के दौरान गर्भवती थीं और इसके बारे में उन्हें कई वर्षों बाद पता चला था। उन्होंने कहा था, जो भी हुआ वह बहुत ही दुखद है। मैं उनके साथ जो भी हुआ, उसके लिए मिश्रा और उनके परिवार से सिर्फ माफी ही मांग सकता हूं। बता दें, डाकघर घोटाले में अब पुलिस झूठी गवाही या अदालत से झूठ बोलने को

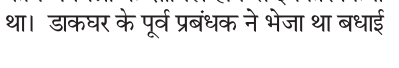

लेकर जांच कर रही है। 15 उप-पोस्टमास्टर मामले में पूर्व इंजीनियर जेनकिंस विशेष गवाह हैं। जांच के शुरू होते ही उन्होंने किसी भी गलत काम में मिश्रा के शामिल होने से इनकार किया था। डाकघर के पूर्व प्रबंधक ने भेजा था बधाई का मेल इससे पहले, सीमा ने डाकघर के पूर्व प्रबंधक निदेशक डेविड स्मिथ द्वारा मांगी गई माफी को भी स्वीकार नहीं किया था। दरअसल, जिस वक्त मिश्रा को दोषी सिद्ध किया गया था, उस समय स्मिथ ने अपनी पूरी टीम को एक बधाई का मेल भेजा था। उनका मानना था कि उन्होंने इस मामले पर कड़ी मेहनत की है।

अब मांग रहे माफी : स्मिथ ने कहा, यह जानते हुए कि मैं अब क्या कर रहा हूं, यह स्पष्ट है कि मेरे ईमेल से सीमा मिश्रा और उनके परिवार को काफी परेशानी हुई होगी और मैं इसके लिए माफी मांगना चाहता हूं। अगर वाकई सीमा ने कुछ ऐसा किया होता और उन्हें गर्वभती होते हुए सजा मिलती तब भी मैं इसे अच्छी खबर नहीं समझता। मुझे नहीं पता था कि वह गर्भवती हैं। मेल भेजने के लिए मुझे खेद है। उन्होंने कहा, हालांकि ईमेल को देखते हुए मैं उस गुस्से और परेशानी को समझता हूं जो इससे पैदा हुआ होगा और इसके लिए ईमानदारी से माफी मांगता हूं।

मैं आठ सप्ताह की... : सीमा मिश्रा ने उस समय अप्रैल में कहा था, मैं आठ सप्ताह की गर्भवती थी। उन्हें मेरे बेटे से माफी मांगने की जरूरत है। वह बहुत भयानक था। मैं माफी स्वीकार नहीं कर सकती। उन्होंने अब कहा, मेरी सजा को जब पलटा गया, तब कोई माफी मांगने नहीं आया। अब इन लोगों को अचानक इसलिए एहसास हुआ क्योंकि सार्वजनिक जांच में पेश होना है। इसलिए अब माफी मांग रहे हैं। मिश्रा को उस समय दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड में ब्रॉन्जफील्ड जेल भेज दिया गया था और साढ़े चार महीने जेल में बिताने पड़े। बाद में उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक टैग पहने हुए अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया। स्मिथ ने जांच को बताया कि मिश्रा को टेस्ट मामले के रूप में इस्तेमाल किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

एमिटी खिताब के करीब, सिटी व नॉर्दन यूनाइटेड बेहतर स्थिति में

नई दिल्ली, एजेंसी। विनय के दो बेहतरीन गोलों की मदद से एमिटी इंडियन नेशनल ने नोएडा सिटी एफसी को 2–1 से हरा कर डीएसए ए डिवीजन के सुपर सिक्स मुकाबले में पूरे अंक अर्जित किए। इस जीत से एमिटी के चैंपियनशिप जीतने की उम्मीद बढ़ गई है। नोएडा सिटी का एकमात्र गोल कर्मण्य ने किया। दिन के दूसरे मैच में नॉर्दन यूनाइटेड ने हेमंत ठाकुर के पेनाल्टी गोल से एम 2 एम को 1– 0 से पराजित किया। एमिटी की जीत का आकर्षण विनय द्वारा क्रमशः 48 और 53 मिनट में जमाए गोल रहे। पांच

मिनट में दो गोल करने के बाद एमिटी की फार्म में गिरावट आई और उसे रक्षात्मक खेलना पड़ा। गोल करने के लिए नोएडा सिटी ने बहुत प्रयास किए लेकिन कर्मण्य बंसल ही गोल जमा पाया। अंतिम 20 मिनट में एमिटी पर दबाव बढ़ जाने के कारण उसके मिड फील्डर और फारवर्ड चल नहीं पाए। नतीजतन नोएडा सिटी ने खेल पर पकड़ तो बनाई लेकिन लगातार आसान मौके और मैच गंवाया। नॉर्दन यूनाइटेड और एम 2 एम के बीच खेला गया मैच मौके गंवाने वाला रहा। विजेता टीम ने दूसरी जीत के साथ सुपर लीग में खेलने का दावा फिर से पेश किया है। हालांकि अभी एक दिन का खेल बाकी है, इसमें कोई बड़ा उठापटक समीकरण बदल सकता है। लेकिन एमिटी दस अंक लेकर खिताब के एकदम करीब है। नोएडा सिटी, एम 2 एम और नॉर्दन यूनाइटेड को भी सीनियर डिवीजन में दाखिला मिल सकता है।

गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह

राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से हटे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के 29 साल के तूर के नाम कुछ समय पहले तक 21.77 मीटर का एशियाई रिकॉर्ड था। सऊदी अरब के मोहम्मद दाओबा तोलो ने 21 जून को मैड्रिड में एस्टाडियो वालेहर्मोसो प्रतियोगिता में 21.80 मीटर के प्रयास के साथ उनके रिकॉर्ड को तोड़ा। भारत के गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह तूर ने टखने में दर्द के कारण राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से बाहर होने का फैसला किया है। गुरुवार से पंचकुला में शुरू हो रही यह प्रतियोगिता आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने का अंतिम मौका है।

कुछ दिन पहले तक एशियाई रिकॉर्ड धारक तूर विश्व रैंकिंग कोटा के जरिए पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई करने की राह पर थे। वह गत एशियाई चैंपियन और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं। हालांकि, अब उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है। तूर ने पीटीआई को बताया कि अभी उनके टखने में थोड़ा दर्द है जिसकी वजह से डॉक्टर ने सिंह को तीन से चार हफ्तों तक थ्रो नहीं करने की सलाह दी है। भारत के 29 साल के तूर के नाम कुछ समय पहले तक 21.77 मीटर का एशियाई रिकॉर्ड था। सऊदी अरब के मोहम्मद दाओबा तोलो ने 21 जून को मैड्रिड में एस्टाडियो वालेहर्मोसो प्रतियोगिता में 21.80 मीटर के प्रयास के साथ उनके रिकॉर्ड को तोड़ा। यह देखना होगा कि भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) तूर की नवीनतम समस्या से कैसे निपटता है क्योंकि अधिकारी अभी तक इस बारे में कुछ नहीं कह रहे हैं। पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की गोला फेंक स्पर्धा दो अगस्त (क्वालीफाइंग दौर) को शुरू होगी और फाइनल तीन अगस्त को होगा।

पिछले महीने एएफआई के अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने स्पष्ट किया था कि ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को छोड़कर अन्य सभी खिलाड़ियों के लिए पेरिस ओलंपिक में चयन के लिए राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप (27-30 जून) में भाग लेना अनिवार्य होगा।

तूर एक जुलाई 2023 से 30 जून 2024 के दौरान पेरिस ओलंपिक का 21.50 मीटर का स्वत क्वालिफाइंग स्तर हासिल नहीं कर पाए। उन्होंने 19 जून 2023 को 21.77 मीटर की दूरी तय की लेकिन तब से वह 20 मीटर के दूरी को सिर्फ तीन बार पार कर पाए हैं। पुरुष 3000 मीटर स्टीपलचेज में पेरिस ओलंपिक का स्वत क्वालिफाइंग स्तर हासिल करने वाले एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अविनाश साबले अपनी पसंदीदा स्पर्धा की जगह 1500 मीटर स्पर्धा में हिस्सा ले रहे हैं।

क्लाइम्बिंग

भारतीय पर्वतारोहियों ने पीर पंजाल रेंज में गुप्त पर्वत को फतह किया, अब तक कोई नहीं हो सका था सफल

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता दक्षिण के बाहरी इलाके सोनारपुर में स्थित पर्वतारोहियों के क्लब सोनारपुर आरोही द्वारा संचालित तथा पर्वतारोही रूद्र प्रसाद हलदर के नेतृत्व में टीम लगभग आठ घंटे की चढ़ाई के बाद सुबह करीब 8.45 बजे गुप्त पर्वत की चोटी पर पहुंची। भारतीय पर्वतारोहियों ने वो काम कर दिखाया जो अब

तक इससे पहले कोई भी नहीं कर सका है। पश्चिम बंगाल के नौ पर्वतारोहियों की एक टीम ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले के पीर पंजाल रेंज में 5,988 मीटर की ऊंचाई पर स्थित एक चोटी गुप्त पर्वत को फतह किया। पर्वतारोहण टीम के क्लब ने यह जानकारी दी। कोलकाता दक्षिण के बाहरी इलाके सोनारपुर में स्थित पर्वतारोहियों के क्लब सोनारपुर आरोही द्वारा संचालित तथा पर्वतारोही रूद्र प्रसाद हलदर के नेतृत्व में टीम लगभग आठ घंटे की चढ़ाई के बाद सुबह करीब 8.45 बजे गुप्त पर्वत की चोटी पर पहुंची। इस टीम में विश्व के सबसे युवा पर्वतारोही और प्रत्येक महाद्वीप की सात चोटियों तथा सात ज्वालामुखी चोटियों पर चढ़ने वाले भारत के पहले शख्स सत्यरूप सिद्धांत शामिल थे तथा इसमें एक महिला सदस्य दीपोश्री पॉल भी शामिल थीं।

पैरा बैडमिंटनः पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास यथिराज विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे, इस दिग्गज को पछाड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास यथिराज ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए मंगलवार को जारी बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन की नवीनतम विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। सुहास फ्रांस के दिग्गज लुकास माजुर को पछाड़कर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन गए हैं। 40 वर्षीय अर्जुन पुरस्कार विजेता सुहास को टोक्यो पैरालंपिक के एसएल-4 वर्ग के खिताबी मुकाबले में माजुर के खिलाफ हार के चलते रजत पदक से संतोष करना पड़ा था।

सुहास के नाम पर अब 60 हजार 527 अंक हैं जो फ्रांस के उनके प्रतिद्वंद्वी माजुर (58 हजार 953) से अधिक हैं। सुहास ने सोशल मीडिया पर लिखा, अंततः विश्व नंबर एक। यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि आज घोषित नवीनतम बैडमिंटन विश्व महासंघ पैरा बैडमिंटन रैंकिंग में पुरुष सिंगल्स वर्ग में मुझे जीवन में पहली बार विश्व नंबर एक रैंकिंग मिली है। मैंने लंबे समय से विश्व नंबर एक खिलाड़ी फ्रांस के लुकास माजुर की जगह ली। आपके आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

पाकिस्तान के दिग्गज खिलाड़ी

इंजमाम-उल-हक ने भारतीय टीम पर लगाया चीटिंग करने का आरोप

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में बने रहते है. वही पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी हर बार भारतीय टीम के ऊपर आरोप लगाने से एक भी मौका नहीं चूकते है.भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए मैच में भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को रिवर्स स्विंग मिली पूर्व खिलाड़ी ने इसी पर ही सवाल खड़े कर दिए.

पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर इंजमाम-उल-हक ने भारत के ऊपर एक बड़ा आरोप लगा दिया है.इंजमाम पाकिस्तान के एक टीवी शो पर बैठकर बात कर रहे थे. इस कार्यक्रम में उनके साथ पाकिस्तान पूर्व कप्तान सलीम मलिक भी मौजूद थे.

अर्शदीप सिंह पर लगाया बड़ा आरोप

पाकिस्तान के दिग्गज खिलाडी इंजमाम-उल-हक ने भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर बड़ा आरोप लगाया है. इंजमाम ने एक टीवी शो पर कहा की भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबलें में गेंद के साथ छेड़-छाड़ की है. अर्शदीप सिंह भारत के लिए 16वां ओवर लेकर गेंदबाजी करने आए थे. उस ओवर में अर्शदीप को काफी रिवर्स स्विंग मिल रही था. इंजमाम ने अर्शदीप के रिवर्स स्विंग पर अपना ऐतराज जताया है. इंजमाम ने कहा की इतने कम ओवर में कोई गेंदबाज कैसे रिवर्स स्विंग कर सकता है. अंपायर को गेंद चेक करनी चाहिए थी की भारतीय टीम में गेंद के साथ में कोई छेड़-छाड़ तो नहीं की है. भारतीय गेंदबाज इस टी20 विश्व कप में अलग ही लय में नजर आ रहे है.

डेविड वार्नर का रिटायरमेंट

जेक फ्रेजर मैक्गर्क को दी जिम्मेदारी

आईपीएल में अपने बल्ले से मचा चुका है तबाही

पर्थ, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ ओपनर बल्लेबाज डेविड वार्नर ने टेस्ट और वनडे क्रिकेट के बाद टी20 को भी अलविदा कह दिया है. वही

वार्नर ने इसके बाद अपना उत्तराधिकारी भी घोषित कर दिया है. ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज डेविड वार्नर ने टी20 विश्व कप के बाद ही टी20 क्रिकेट को अलविदा कह दिया. वार्नर पहले ही टेस्ट क्रिकेट और वनडे में संन्यास ले चुके थे. वार्नर ने इस बात की घोषणा पहले ही कर दी थी की वो टी20 विश्व कप के बाद टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे. वार्नर ने अपना आखिरी टी20 मैच भारत के खिलाफ खेला जिसमें उनके बल्ले से केवल 6 रन ही देखने को मिले. इसके बाद डेविड वार्नर ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए जानकारी दी की वो इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह रहे है. वार्नर ने जाते हुए अपने उत्तराधिकारी की भी घोषणा कर दी है. इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाकर डेविड वार्नर ने जेक फ्रेजर मैक्गर्क को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया है.

इस खिलाड़ी को बनाया अपना उत्तराधिकारी

ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज डेविड वार्नर ने इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़ने के बाद अपनी जिम्मेदारी इस खिलाड़ी पर छोड़ दी है.वार्नर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी लगाई जिसमें उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के युवा ओपनर बल्लेबाज जेक फ्रेजर मैक्गर्क भी मौजूद है. इस स्टोरी पर उन्होंने लिखा की अब तुम्हारे हवाले चैंपियन जेक फ्रेजर मैक्गर्क. इस स्टोरी के बाद अब ऐसा लगता की जेक फ्रेजर मैक्गर्क ही डेविड वार्नर की जगह लेने वाले है. जेक फ्रेजर मैक्गर्क अपने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के लिए जाने जाते है.

कैसा रहा है जेक फ्रेजर मैक्गर्क का प्रदर्शन

जेक फ्रेजर मैक्गर्क को टी20 विश्व कप के रिर्जव खिलाड़ी के तौर पर टीम के साथ रखा गया था.मैक्गर्क ने ऑस्ट्रेलिया के लिए दो वनडे मैच खेले है और इसमें उनके बल्ले से 51 रन देखने को मिले है. इसमें सबसे बड़ी बात ये है की इस दौरान मैक्गर्क का स्ट्राइक रेट 221.74 का रहा है. वही आईपीएल में भी उनके बल्ले से कई कमाल की पारी देखने को मिली थी. आईपीएल में मैक्गर्क ने कुल 9 मैच ही खेले थे जिसमें उनके बल्ले से 390 रन देखने को मिले थे. वही यहां पर भी मैक्गर्क का स्ट्राइक रेट 234.04 का रहा था.

दोबारा कभी आंध्र के लिए नहीं खेलूंगा

बयान देने वाले हनुमा विहारी ने क्यों बदला अपना मन

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के लिए टेस्ट मैच खेल चुके हनुमा विहारी के लिए पिछले कुछ समय ठीक नहीं रहा था. हनुमा विहारी को आंध्र प्रदेश की कप्तान के पद से हटा दिया गया था. जिसके बाद उनके द्वारा आंध्र क्रिकेट संघ पर कई आरोप लगाए गए थे. विहारी के इस आरोप के बाद आंध्र क्रिकेट संघ ने भी उनको कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया था. जिसके बाद विहारी ने आंध्र ने से दोबारा क्रिकेट ना खेलने का तक का मन बना लिया था. अब भारतीय ऑलराउंडर हनुमा विहारी ने राज्य की सत्ताधारी तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) से राज्य क्रिकेट संघ से उनकी शिकायत का समाधान निकालने का आश्वासन मिलने के बाद आंध्र के लिए ही खेलने की प्रतिबद्धता जताई है.

कैसे बदला हुनमा बिहारी का मन

इस साल के मार्च में आंध्र क्रिकेट संघ (एसीए) ने विहारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है . क्योंकि उन्होंने आरोप लगाया था कि राज्य संघ ने उन्हें कप्तान के पद से विवादास्पद तरीके से हटा दिया था.विहारी ने इसके बाद आंध्र का साथ छोड़ने की घोषणा की थी और मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) ने उनसे संपर्क भी किया था. इस महीने की शुरुआत में एसीए ने विहारी को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया था लेकिन अब उन्होंने अपना मन बदल लिया है. खबर के मुताबिक विहारी ने टीडीपी अधिकारियों के साथ सोमवार को मुलाकात की है जिसके बाद उन्होंने पुष्टि की कि वह आंध्र के लिए खेलना जारी रखेंगे.

क्या बोले हुनमा विहारी

हनुमा विहारी ने टीडीपी अधिकारियों से मुलाकात के बाद कहा की मैं मंत्री नारा लोकेश गारू (टीडीपी महासचिव) से आज मिलकर बेहद खुश हूं. उन्होंने मुझे आश्वासन दिया है कि आंध्र क्रिकेट संघ में वापसी करते हुए मुझे पूर्ण समर्थन मिलेगा.आंध्र क्रिकेट में वापस आकर अच्छा लग रहा है. पिछले कुछ वर्षों में मैंने काफी अपमान का सामना किया है. मैंने अपना आत्म सम्मान गंवा दिया लेकिन अब मैं आंध्र क्रिकेट संघ को छोड़कर किसी और राज्य में जाना चाहता था.मुझे आश्वासन मिला है और इसलिए मैं वापसी करने और लंबे समय तक आंध्र की सेवा करने के लिए उत्सुक हूं.

लारा एकमात्र शख्स थे जिन्हें यकीन था कि....

अफगानिस्तान सेमीफाइनल में होगा:राशिद

किंग्सटाउन, एजेंसी। अफगानिस्तान ने मंगलवार को टी20 विश्व कप के सुपर 8 मुकाबले में बांग्लादेश को 8 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। विश्व कप शुरू होने से पहले केवल ब्रायन लारा ही ऐसे पूर्व खिलाड़ी थे जिन्होंने अफगानिस्तान के सेमीफाइनल में पहुंचने की भविष्यवाणी की थी। अब जब अफगानिस्तान सेमीफाइनल में पहुंच गया है तो कप्तान राशिद खान को उसे सही साबित करने में बेहद खुशी महसूस हो रही है। राशिद ने बांग्लादेश से मैच जीतने के बाद

कहा कि मुझे लगता है कि हमारा सेमीफाइनल में पहुंचना अफगानिस्तान में युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा साबित होने वाला है। अफगानिस्तान की टीम पहली बार सेमीफाइनल में पहुंची है। हम पहली बार सुपर 8 में भी पहुंचे। अब सेमीफाइनल खेलेंगे। यह एक अविश्वसनीय एहसास है और मुझे लगता है कि हमने एक व्यक्ति को बिल्कुल सही साबित कर दिया है। वह व्यक्ति है ब्रायन लारा। वह एकमात्र व्यक्ति थे जिन्होंने सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार टीमों में अफगानिस्तान का उल्लेख किया था।

अब अंग्रेजों की बारी है... भारत-इंग्लैंड सेमीफाईनल आज

गुयाना, एजेंसी। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला भारत और इंग्लैंड के बीच 27 जून को गुयाना के प्रोविडेंस क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। पिछले टी20 वर्ल्ड कप (2022) में भी भारत और इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल हुआ था। हालांकि इस मुकाबले में इंग्लैंड ने भारत को 10 विकेट से हराया था। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के बाद अब इंग्लैंड से भी अपना पुराना बदला जरूर लेना चाहेगी। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा इस वक्त प्रचंड फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच में अर्धशतक ठोकने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर 8 के मैच में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 41 गेंद में 8 छक्के और 7 चौके के बूते 92 रन बनाए थे। इंग्लैंड के खिलाफ भी वह बड़ी पारी खेल सकते हैं।

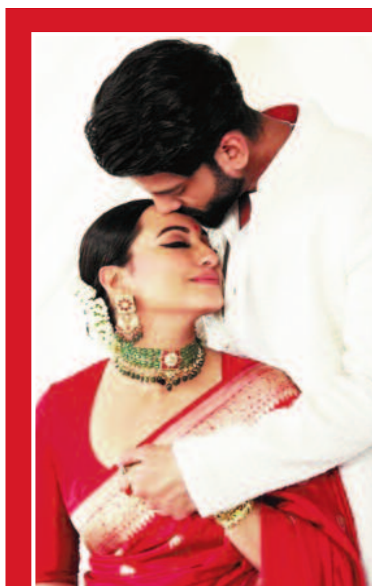

सुर्ख लाल साड़ी में सजीं सोनाक्षी शेयर की पति संग रिसेशप्शन पार्टी की तस्वीरें

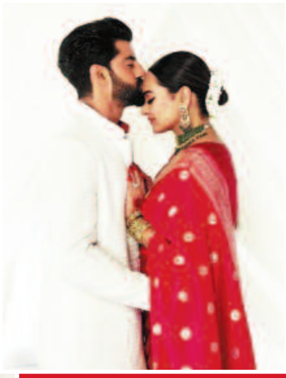

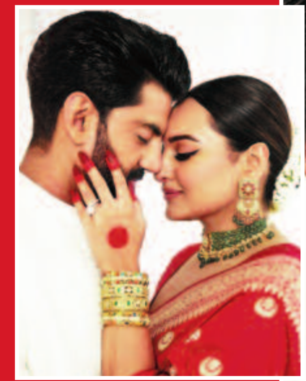

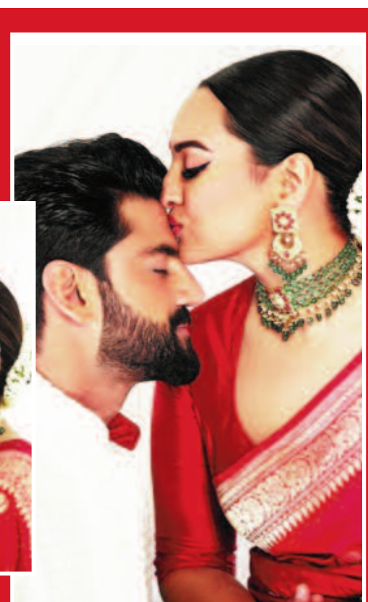

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा अपने 7 साल के प्यार जहीर इकबाल संग शादी के बाद लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। 23 जून को कोर्ट मैरिज के बाद कपल ने उसी रात अपने दोस्तों और परिवारिक सदस्यों को मुंबई में ग्रैंड वेडिंग पार्टी दी, जहां सोना रेड साड़ी में लाइमलाइट चुराती नजर आई थीं। अब पति संग रिसेशप्शन पार्टी के लुक की तस्वीरें शेयर कर न्यूलीवेड एक्ट्रेस ने एक खास पोस्ट किया है, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। सोनाक्षी सिन्हा ने अपने पति संग कुछ रोमांटिक तस्वीरें शेयर कर कैप्शन में लिखा- क्या दिन था!

प्यार, हंसी, साथ, उत्साह, गर्मजोशी, हमारे हर दोस्त, परिवार और टीम से समर्थन... ऐसा लगा जैसे ब्रह्मांड दो प्यार करने वाले लोगों के लिए एक साथ आया और उन्हें वही दिया जिसकी उन्होंने हमेशा उम्मीद, कामना और प्रार्थना की थी अगर यह ईश्वरीय हस्तक्षेप नहीं है... तो हम नहीं जानते कि क्या है ? हम दोनों वास्तव में एक दूसरे के लिए धन्य हैं और इतना सारा प्यार हमारी रक्षा कर रहा है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने किसी की नजर न लगे वाली इमोजी भी लगाई है। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि ये लुक उनकी रिसेप्शन पार्टी वाला है, जहां वह सुर्ख लाल रंग की साड़ी में बला की खूबसूरत लग रही हैं और उनके पति व्हाइट शेरवानी सेट में डैशिंग लग रहे हैं। तस्वीरों में दोनों एक दूसरे में खोए नजर आ रहे हैं।

टाइगर जैसे सितारों का करियर कभी खत्म नहीं होता:अहमद खान

टाइगर श्रॉफ के डांस और एक्शन की दुनिया काफी दीवानी है। टाइगर को इंडस्ट्री में आए लगभग 10 साल हो गए हैं और इन सालों में उन्होंने कई फिल्में कीं। लेकिन उनकी पिछली कुछ फिल्में बैक टू बैक फ्लॉप हुई हैं। टाइगर श्रॉफ का करियर खत्म हो गया, जब ऐसा सवाल डायरेक्टर अहमद खान से किया गया तो उन्होंने इसका सटीक जवाब दिया। अहमद खान वो निर्देशक हैं जिनकी निर्देशित फिल्म हीरोपंती (2014) से टाइगर श्रॉफ ने डेब्यू किया था। अहमद खान ने बताया कि टाइगर का दौर क्यों खत्म होता दिख रहा है या फिर उनकी फिल्में फ्लॉप क्यों हो रही हैं? सिद्धार्थ कनन के शो में हाल ही में अहमद खान पहुंचे। अहमद खान फेमस कोरियोग्राफर हैं जिन्होंने बाल कलाकार के रूप में एक्टिंग की शुरुआत की थी और आज वो कोरियोग्राफर के साथ फिल्म डायरेक्टर-प्रोड्यूसर भी हैं। अहमद खान से जब सिद्धार्थ कनन ने पूछा कि क्या टाइगर श्रॉफ का करियर खत्म हो रहा है? इस पर अहमद खान ने कहा, टाइगर के बारे में एक बात कहना चाहूंगा कि सुपरस्टार के बेटे होने के बाद भी हर चीज के पंक्चुअल हैं विद जीरो एटिट्यूट. समय पर आते हैं, सेट पर उनको लेकर कोई प्रॉब्लम नहीं होती है और आप जो बोलेंगे वो हमेशा करने को तैयार रहते हैं। ऐसे लोगों का करियर कभी खत्म नहीं होता है।

प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर

कैटरीना कैफ ने तोड़ी चुप्पी

एक्ट्रेस कैटरीना कैफ पिछले कई दिनों से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। सोशल मीडिया पर अफवाहें फैलाई जा रही हैं कि कैटरीना जल्द ही विक्की के बच्चे की मां बनने वाली है। ऐसा कहा जा रहा है कि वह कई बार खुले कपड़ों में अपना बेबी बंफ भी छिपाती नजर आई हैं। वहीं, इन सब अफवाहों के बीच हाल ही में कैटरीना के पीआर एक बयान जारी किया है और एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी की खबरों पर सफाई दी है।

कैटरीना कैफ की टीम ने एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी की खबरों को लेकर एक बयान जारी किया और लिखा- सभी मीडिया हाउस से अनुरोध है कि वे इस अपुष्ट खबरों और अटकलों को तुरंत बंद करें। बता दें, कैटरीना कैफ और विक्की कौशल की जोड़ी बॉलीवुड की सबसे चर्चित जोड़ियों में से एक है। दोनों ने 9 दिसंबर, 2021 को राजस्थान के सवाई माधोपुर के सिक्स सेंसेस फोर्ट में शादी रचाई थी।

इस साल नहीं आएगा

कॉफी विद करण का नया सीजन

फिल्ममेकर करण जौहर के शो कॉफी विद करण से लोगों को स्टार्स की जिंदगी के दिलचस्प किस्सों के बारे में जानने का मौका मिला है लेकिन अब करण अपने इस शो से ब्रेक ले रहे हैं। करण ने कहा है कि कॉफी विद करण के पिछले सीजन में उन्हें खुद ही मजा नहीं आया। उन्हें लगता है कि अब सेलेब्रिटीज उस तरह कैंडिड होकर, बेधड़क बातें नहीं कर पा रहे, जैसे कभी किया करते थे। इसलिए उन्हें भी अपने ही शो को देखकर जैसे झपकी आने लगी है।

इस साल नहीं आएगा शो

करण ने ये कन्फर्म किया कि इस साल शो का नया सीजन नहीं आएगा। कॉफी विद करण 9 2025 के सेकंड हाफ में आएगा।

करण ने कहा- कॉफी विद करण के इतिहास में ये सबसे बोरिंग रैपिड फायर था।ये इतना बोरिंग था कि मुझे खुद देखते हुए झपकी आने जैसा लग रहा था। मुझे ऐसा लगा कि मैं ये कर ही क्यों रहा हूं? मुझे सवालों के अच्छे जवाब ही नहीं मिल रहे। क्या रैपिड फायर बंद कर दूं? मैं ही हैम्पर घर ले जाता हूं क्योंकि असल में कोई भी इसे जीतना डिजर्व ही नहीं करता।

करण ने आगे कहा- कॉफी विद करण का संसार ही बदल देते हैं। सीजन 9 को फन, बातचीत और बेधड़कपन से भरते हैं, लेकिन इसे इस तरह करते हैं कि सेलेब्स किसी अजीब, सेंसिटिव स्पेस में न महसूस करें। आप उनसे नहीं पूछ सकते कि कौन सी फिल्म ओवररेटेड है या कौन सी परफॉरमेंस ओवररेटेड है। आप उनसे ये उगलवा ही नहीं पाएंगे। उन्होंने 2024 में छुट्टी ली है और उनका शो 2025 में वापस लौटेगा। उनकी वापसी साल के सेकंड हाफ में कहीं होगी। वो एक नए तौर-तरीके के साथ वापस आना चाहते हैं।

शादी के 6 साल बाद कपल ने यूं दी प्रेग्नेंसी की गुड न्यूज

प्रिंस नरूला और युविका चौधरी बनने वाले हैं पैरेंट्स

टीवी के पॉपुलर कपल प्रिंस नरूला और युविका चौधरी के घर जल्द ही किलकारियां गूंजने वाली हैं। युविका चौधरी प्रेगनेंट हैं और प्रिंस नरूला ने एक प्यार भरे पोस्ट के जरिए फैंस के साथ गुड न्यूज शेयर की। यही नहीं, प्रिंस नरूला और युविका ने डिलीवरी से पहले ही यह भी तय कर लिया है कि बेबी का नाम क्या रखेंगे।

प्रिंस नरूला और युविका चौधरी ने साल 2018 में शादी की थी। उनकी पहली मुलाकात बिग बॉस 9 में हुई और फिर एक-दूसरे को डेट करने लगे थे। अब शादी के 6 साल बाद वो पहली बार मम्मी-पापा बनने जा रहे हैं।

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो तस्वीरें शेयर कीं और साथ में लिखा, हैलो सब लोग। मैं इस वक्त अपनी फीलिंग्स जाहिर नहीं कर पा रहा हूं क्योंकि हम बहुत खुश भी हैं और साथ ही नर्वस भी हैं। भगवान के शुक्रगुजार भी हैं और पैरेंट्स के लिए सुपरएक्साटइटेड भी हैं। क्योंकि प्रिविका बेबी आने वाला है। बहुत जल्दी अब सब उसके लिए हो जाएगा बेबी। युविका तुम दूसरे नंबर पे आओगी। मेरे मम्मी पापा के लिए मैं दूसरे नंबर पे हो जाऊंगा क्योंकि हमारी लाइफ का जो सेंटर होनेवाला है, वो आने वाला है। मैं इतना खुश हूं कि जिसके लिए मैंने इतनी मेहनत की है कि जब भी मैं बाप बनूंगा, उसके लिए सब होना चाहिए।

बाहुबली फेम अनुष्का शेट्टी हुई इस बीमारी का शिकार, रोकनी पड़ जाती है शूटिंग

बाहुबली फेम अनुष्का शेट्टी ने खुद से जुड़ा एक बड़ा खुलासा करके फैंस को हैरान कर दिया है। एक्ट्रेस ने बताया है कि वे एक बीमारी से जूझ रही हैं। उन्हें लॉफिंग डिसॉर्डर हो गया है। इस बीमारी की वजह से कई बार अचानक से सेट पर शूटिंग तक रोकनी पड़ जाती है। अनुष्का शेट्टी ने अपने एक हालिया इंटरव्यू में अपनी बीमारी का खुलासा करते हुए इस पर विस्तार से बात की। एक्ट्रेस को हंसने से संबंधित बीमारी हुई है। जिसमें कोई भी लगातार काफी देर तक हंसते रहता है। अनुष्का शेट्टी भी इन्हीं समस्याओं का सामना कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक एक इंटरव्यू में अनुष्का ने कहा, मुझे एक लॉफिंग डिसीज है। आपको ये जानकर हैरानी हो सकती है कि हंसना भी एक बीमारी हो सकती है, लेकिन मेरे केस में ऐसा ही है। अगर मैं एक बार हंसना शुरू करती हूं तो 15-20 मिनट तक मेरे लिए हंसी रोक पाना मुश्किल हो जाता है। कोई कॉमेडी सीन देखते हुए या शूट करते हुए मैं हंसते-हंसते जमीन पर लोट-पोट हो जाती हूं। कई बार ऐसा देखने को मिला है कि इस वजह से शूटिंग रोकनी भी पड़ गई है।

रेयर न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर

यह एक दुर्लभ बीमारी है। यह एक रेयर न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है। यह बीमारी दिमाग पर असर करती है। इसका शिकार व्यक्ति कभी अचानक से बहुत देर तक हंसने लगता है तो कभी बहुत देर तक रोते रहता है। इसमें व्यक्ति का खुद पर कंट्रोल करना मुश्किल हो जाता है।

प्रभास ने कल्कि 2898 एडी. में भैरव को अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ भूमिका बताया

द कल्कि क्रॉनिकल्स के एक हालिया एपिसोड में, भैरव की मुख्य भूमिका निभाने वाले प्रभास ने चरित्र के लिए अपना उत्साह साझा किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरे जीवन का अब तक का सबसे अच्छा किरदार है। प्रभास ने खुलासा किया कि उनकी तेलुगु फिल्मों के अलावा यह पहली बार है कि उनकी भूमिका में हास्य शामिल है।

भैरव की प्रकृति पर चर्चा करते हुए, उन्होंने बताया, इसमें ग्रे, सुपरहीरो, मजाकिया है, उन गुणों के अनूठे मिश्रण पर प्रकाश डाला गया है जो इस चरित्र को खड़ा करते हैं।

मनीष पॉल डेविड धवन द्वारा निर्देशित बड़े पर्दे के एंटरटेनर के लिए चुने गए

भारतीय मनोरंजन के क्षेत्र में जहाँ कई प्रतिभाएँ अपनी प्रतिभा के कारण अपनी पहचान बना रही हैं ङ्क मनीष पॉल एक ऐसे सितारे हैं जिन पर नज़र रखना ज़रूरी है। अनुभवी अभिनेता ने 'रफूचक्कर' जैसे वेब शो में एक अभिनेता के रूप में अपनी क्षमता साबित की है, जहाँ उन्होंने पाँच अलग-अलग किरदार निभाए हैं और सुपरहिट फिल्म 'जुग जुग जीयो' में भी उन्होंने कई अन्य किरदार निभाए हैं। एक अभिनेता के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित करने के बाद, यह पता चला है कि मनीष पॉल को बहुप्रतीक्षित बड़े पैमाने के एंटरटेनर में से एक में एक दिलचस्प भूमिका मिली है।

एक स्वतंत्र उद्योग स्रोत के अनुसार, मनीष पॉल को सबसे प्रसिद्ध निर्देशक डेविड धवन द्वारा निर्देशित बड़े पर्दे के मनोरंजक में एक दिलचस्प और महत्वपूर्ण किरदार निभाने के लिए चुना गया है। हालांकि फिल्मों के विवरण को गुप्त रखा गया है, लेकिन स्रोत ने हमें बताया, फिल्म को रमेश तौरानी द्वारा उनकी टिप्स फिल्म्स के तहत वित्तपोषित किया जाएगा। यह फिल्म पहले से ही फिल्म देखने वालों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है और मनीष पॉल के शामिल होने से इसमें मनोरंजन का तड़का लगने वाला है क्योंकि वह एक और दिलचस्प किरदार निभाने के लिए तैयार हैं। इसके बारे में अधिक बात करते हुए, फिल्म अगले सप्ताह जुलाई से फ्लोर पर जाएगी और इसे 2025 की सबसे बड़ी रिलीज़ में से एक माना जा रहा है, जिसमें एक बड़ी स्टार कास्ट पहले ही शामिल हो चुकी है। मनीष पॉल के बारे में बात करते हुए, अभिनेता ने जुग जुग जीयो में अपने प्रदर्शन के लिए पुरस्कार जीते हैं और उन्हें डेविड धवन की फिल्म में स्क्रीन पर धमाल मचाते देखना एक रोमांचक अनुभव होगा।

सुहागन चुड़ैल को लेकर मैं पहले दुविधा में थी:अपरा मेहता

कलर्स के नए फैंटेसी थ्रिलर सीरियल सुहागन चुड़ैल में सीनियर एक्ट्रेस अपरा मेहता योगिनी कपिला की भूमिका में नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बताया कि शुरू में उन्हें थोड़ी शंका थी। उन्होंने कभी भी सुपरनैचुरल फैंटेसी जॉनर में काम नहीं किया था। अपरा ने कहा कि शुरू में मुझे थोड़ी शंका थी। मैंने पहले कभी भी सुपरनैचुरल फैंटेसी जॉनर में काम नहीं किया था। हालांकि, शानदार टीम और खासकर निया शर्मा, जो मेरी बेहद प्यारी हैं, के साथ काम करने के बाद मुझे पता था कि यह शो असाधारण है, जिसने मुझे इसे करने के लिए राजी कर लिया।

अपनी किरदार के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि मैं योगिनी की भूमिका निभा रही हूं, जो निशिगंधा की खतरनाक योजनाओं के खिलाफ लड़ने में दीया का साथ देगी। इस शो में मेरा लुक मेरे द्वारा पहले किए गए किसी भी किरदार से बेहद अलग है। अपरा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ऑडियंस उनके परफॉर्मेंस की सराहना करेगी और हमेशा की तरह उनका सपोर्ट करेगी। शो में फिलहाल, शादी का ट्रैक चल रहा है, जहां निशिगंधा (निया शर्मा) और मोक्ष (जैन इबाद खान) शादी के बंधन में बंधने वाले हैं।

-साभार एजेंसी